Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 40
लखनऊ, बुधवार, 27 नवम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

स्पोर्ट्स 12

संघर्षों ने हर हालात का सामना करने का आत्मविश्वास दिया

संविधान मार्गदर्शक प्रकाश: प्रधानमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संविधान को एक 'जीवित धारा' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना संविधान को आने वाली सदियों तक जीवित रखेगी। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा को दिए अपने समापन भाषण में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शब्दों को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने कहा था कि भारत को ईमानदार लोगों के एक समूह से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए जो देश के हितों को अपने हितों से ऊपर रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि संविधान अब जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से लागू हो गया है और वहां पहली बार संविधान दिवस मनाया गया। मोदी ने कहा, 'हमारे संविधान निर्माता जानते थे कि भारत की आकांक्षाएं, भारत के सपने समय के साथ नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। वे जानते थे कि स्वतंत्र भारत और उसके नागरिकों की जरूरतें बदल जाएंगी, चुनौतियां बदल जाएंगी। इसीलिए उन्होंने हमारे संविधान को महज कानूनों की किताब बनाकर नहीं छोड़ा। बल्कि, उन्होंने इसे जीवंत, निरंतर बहने वाली धारा बना दिया।' उन्होंने कहा कि संविधान ऐसे समय में मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में काम कर रहा है, जब भारत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, आज देश के हर नागरिक का एक ही लक्ष्य है, एक विकसित भारत का निर्माण करना। इस कार्यक्रम में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और सुप्रीम

नई दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कोर्ट बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल सिब्बल समेत अन्य लोग मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे महत्वपूर्ण समय में, यह भारत का संविधान है जो हमें रास्ता दिखा रहा है और हमारे लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश है। भारतीयों को त्वरित न्याय मिलना चाहिए, इस पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसके लिए एक नई न्यायिक संहिता लागू की गई है। उन्होंने कहा, दंड आधारित प्रणाली अब न्याय आधारित प्रणाली में बदल गई है। अपने संबोधन के समापन पर हल्के-फुल्के अंदाज में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैंने संविधान द्वारा मुझे सौंपे गए कार्य की सीमाओं के भीतर रहने की कोशिश की है। मैंने कोई अतिक्रमण करने की कोशिश नहीं की है। मैंने सीमाओं के भीतर अपने विचार रखने की कोशिश की है। यहां केवल एक संकेत ही काफी है, ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायपालिका में लंबित मामलों, देरी, मुकदमेबाजी की लागत, न्याय तक पहुंच और व्यवस्था में विश्वास की कमी सहित चिंताओं को विस्तार से बताया। उन्होंने इनमें से कुछ मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें दूर करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने चेक बाउंसिंग के लंबित मामलों पर प्रकाश डाला, जो ट्रायल कोर्ट में लंबित मामलों का नौ प्रतिशत है। उन्होंने विधायी हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले क्षेत्र के रूप में दलील सौदेबाजी, समझौता और परिवीक्षा की सीमित सफलता पर भी प्रकाश डाला।

सीजेआई खन्ना ने कहा, हमारे जिला न्यायालयों में चेक बाउंसिंग के लंबित मामलों की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है - ट्रायल कोर्ट में लंबित मामलों का लगभग नौ प्रतिशत। डेटा से यह भी पता चलता है कि दलील सौदेबाजी एक गैर-शुरुआत रही है। समझौता और परिवीक्षा को स्वीकृति नहीं मिली है। शायद इनमें विधायी हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

सीजेआई ने न्यायिक कार्यबल और जेल की आबादी के बीच असमानता की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। जिला स्तर पर लगभग 20,000 न्यायाधीशों और 750 उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ, न्यायपालिका 5.23 लाख की जेल की आबादी को संभालती है। उन्होंने कहा कि इस असमानता के बावजूद, डेटा कुशल केस हैंडलिंग को दर्शाता है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि लोगों के अधिकारों और स्वतंत्रताओं के खिलाफ़ दमन या भेदभाव करने वाले प्रतिबंध एक 'स्थायी' संविधान के लिए अभिशाप हैं। वेंकटरमणी ने कहा, 'हम भारत के लोगों का यह कर्तव्य है कि हम यह सुनिश्चित करें कि संविधान कायम रहे और केवल एक स्थायी संविधान ही व्यवस्थित स्वतंत्रता की पटकथा लिख सकता है।' उन्होंने कहा, अधिकारों और स्वतंत्रताओं की अवधारणा या अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध, जो दमन या भेदभाव करते हैं, एक स्थायी संविधान के लिए अभिशाप हैं। संविधान दिवस को समीक्षा का दिन और भविष्य की रूपरेखा पर विचार-विमर्श का अवसर बताते हुए वेंकटरमणि ने कहा कि सभी नागरिक 'भारत के महान और शाश्वत मूल्यों के संरक्षक होने के नाते' संविधान के भी संरक्षक हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सवाल हमेशा यही रहेगा कि हम संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका में कितने वफादार हैं? (शेष पृष्ठ 9)

बांग्लादेश में इस्कॉन भिक्षु की गिरफ्तारी पर भारत चिंतित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/कोलकाता

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भारत ने मंगलवार को वहां हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की और वहां के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को हिंदू समूह सम्मिलिता सनातनी जोत के नेता दास को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के इलाके से गिरफ्तार किया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि उसने दास की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की है, जो बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जोते के प्रवक्ता भी हैं। मंत्रालय ने कहा, 'यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कई हमलों के बाद हुई है।' विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल्पसंख्यकों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी और तोड़फोड़ तथा देवताओं और मंदिरों को अपवित्र करने के मामले हैं। बयान में कहा गया है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन घटनाओं के अपराधी अभी भी फरार हैं, जबकि शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांगें प्रस्तुत करने वाले धार्मिक नेता के खिलाफ आरोप लगाए जाने चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने दास की

इस्कॉन भिक्षु कृष्ण दास प्रभु को दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के चटगाँव में अदालत द्वारा आगे की कार्यवाही तक हिरासत में रखने के आदेश के बाद पुलिस वैन में ले जाया जा रहा है

गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे अल्पसंख्यकों पर हमलों पर भी चिंता व्यक्त की। इसमें कहा गया है, 'हम बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं, जिसमें शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उनका अधिकार भी शामिल है।' दास को कथित तौर पर देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और चटगांव मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने यह देखते हुए कि पुलिस ने दास की रिमांड का अनुरोध नहीं किया था, उन्हें न्यायिक हिरासत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। इसने यह भी निर्देश दिया कि हिरासत के दौरान उन्हें सभी धार्मिक विशेषाधिकार दिए जाएं।बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चिन्मय दास को अक्टूबर में एक रैली के दौरान बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं ने इस्कॉन के चिन्मय दास को जमानत नहीं मिलने पर विरोध प्रदर्शन करने और पेट्रापोल सीमा को अवरुद्ध करने की योजना की घोषणा की है। इस्कॉन ने भारत सरकार से सीमा के बांग्लादेश के साथ इस मुद्दे को उठाने की अपील की है ताकि साधु की जल्द से जल्द रिहाई सुनिश्चित की जा सके। एक्स पर कड़े शब्दों में लिखे गए पोस्ट में वैष्णव संप्रदाय ने लिखा, हमें परेशान करने वाली खबरें मिली हैं कि इस्कॉन के प्रमुख नेताओं में से एक श्री चिन्मय कृष्ण दास को ढाका पुलिस ने हिरासत में लिया है... यह बेबुनियाद आरोप लगाना अपमानजनक है कि इस्कॉन का दुनिया में कहीं भी आतंकवाद से कोई लेना-देना है। (शेष पृष्ठ 9)

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंपते शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे।

शिंदे का इस्तीफा, मुख्यमंत्री पर अभी फैसला नहीं

टीएन रघुनाथ। मुंबई

शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जबकि राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के तीन दिन बाद भी उनके उत्तराधिकारी के बारे में सस्पेंस बना हुआ है। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने तीसरी बार देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया है, लेकिन भाजपा की ओर से इस पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। 26/11 आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में मंगलवार सुबह शिंदे और फडणवीस एक साथ थे, लेकिन दोनों के बीच एक शब्द का भी आदान-प्रदान नहीं हुआ। शिंदे का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब शिवसेना के भीतर से ही यह मांग उठ रही है कि वे अपने पद पर बने रहें, क्योंकि विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में लड़े गए और जीते गए। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ शिंदे ने मुख्यमंत्री पद से (शेष पृष्ठ 9)

अनियंत्रित हवाई यात्रियों से निपटने को रचनात्मक तरीके अपनाएं: सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अनियंत्रित हवाई यात्रियों से निपटने के लिए रचनात्मक तरीके अपनाने को कहा, साथ ही केंद्र और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार अनियंत्रित हवाई यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए अधिक व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि 'कुछ रचनात्मक' किया जाना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ 73 वर्षीय एक महिला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिस पर नवंबर, 2022 में एयर इंडिया की फ्लाइट में सवार एक पुरुष सह-यात्री ने कथित तौर पर नशे की हालत में पेशाब किया था। दिलचस्प बात यह है कि सुनवाई के दौरान जस्टिस विश्वनाथन ने एक अन्य सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस सूर्यकांत के साथ यात्रा करते समय एक फ्लाइट में नशे में धुत यात्रियों से जुड़ी एक घटना को याद किया। न्यायाधीश ने बताया, 'हवाई यात्रा के दौरान हाल ही में हमारे साथ एक अनुभव हुआ। दो पुरुष यात्री पूरी तरह से नशे में थे। एक वॉशरूम में जाकर सो गया। दूसरा, जो बाहर था उसके पास उल्टी करने के लिए एक बैग था। (शेष पृष्ठ 9)

हार पर ईवीएम में छेड़छाड़ जीते तो ठीक: सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संकेत दिया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बारे में आलोचना में एक हद तक पाखंड जुड़ा हुआ है, उन्होंने कहा कि 'ईवीएम में तब छेड़छाड़ होती है जब आप हारते हैं और जीतते हैं तो सब ठीक।' यह मौखिक टिप्पणी जस्टिस विक्रम नाथ ने प्रचारक केए पॉल द्वारा दायर याचिका को खारिज करने से पहले की, जिन्होंने पेपर बैलेट पर वापस लौटने के लिए न्यायिक आदेश की मांग की थी। जब याचिकाकर्ता ने बताया कि चंद्रबाबू नायडू और वाईएस जगन मोहन रेड्डी जैसे प्रमुख नेताओं ने भी ईवीएम से छेड़छाड़ के बारे में चिंता जताई थी, तो सुप्रीम कोर्ट बेंच ने टिप्पणी की, 'जब चंद्रबाबू नायडू या श्री रेड्डी हार गए, तो उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई थी और जब वे जीते, तो उन्होंने कुछ नहीं कहा। हम इसे कैसे देख सकते हैं? हम इसे खारिज कर रहे हैं। यह वह जगह नहीं है जहां आप इस सब पर बहस करें।' याचिकाकर्ता केए पॉल ने एलन मस्क की टिप्पणियों का संदर्भ दिया जिन्होंने सुझाव दिया था कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। मतपत्र पर मतदान के अलावा, याचिका में कई दिशा-निर्देश मांगे गए हैं, जिसमें चुनाव आयोग को निर्देश देना शामिल है कि यदि कोई उम्मीदवार चुनाव के दौरान मतदाताओं को पैसे, शराब या अन्य भौतिक प्रलोभन बांटने का दोषी पाया जाता है, तो उसे कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाए। जब याचिकाकर्ता केए पॉल ने कहा कि उन्होंने जनहित याचिका दायर की है, तो पीठ ने कहा, आपके पास दिलचस्प जनहित याचिकाएँ हैं। आपको ये शानदार विचार कैसे मिले? याचिकाकर्ता ने कहा कि वह एक ऐसे संगठन के अध्यक्ष हैं, जिसने तीन लाख से अधिक अनाथों और 40 लाख विधवाओं को बचाया है। पीठ ने कहा, 'आप इस राजनीतिक क्षेत्र में क्यों आ रहे हैं? आपका कार्य क्षेत्र बहुत अलग है।' पॉल द्वारा यह बताए जाने के बाद कि वह 150 से अधिक देशों में जा चुके हैं, पीठ ने उनसे पूछा कि क्या प्रत्येक देश में मतपत्र पर मतदान होता है या इलेक्ट्रॉनिक मतदान होता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि विदेशी देशों ने मतपत्र पर मतदान को अपनाया है और भारत को भी ऐसा ही करना चाहिए। पीठ ने पूछा, 'आप बाकी दुनिया से अलग क्यों नहीं होना चाहते?' पॉल ने जवाब दिया कि भ्रष्टाचार था और जून 2024 में चुनाव आयोग ने घोषणा की कि उन्होंने 9,000 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। लेकिन इससे आपकी राहत कैसे प्रासंगिक हो जाती है जिसका आप यहाँ दावा कर रहे हैं? पीठ ने पूछा, यदि आप भौतिक मतपत्र पर वापस जाते हैं, तो क्या कोई भ्रष्टाचार नहीं होगा? पॉल ने दावा किया कि टेस्ला के सीईओ और (शेष पृष्ठ 9)

जमीन पर बिखरे खिड़की के टूटे हुए शीशे।

रैपर बादशाह के बार के बाहर विस्फोट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर 26 इलाके में मंगलवार सुबह दो बार-सह-लाउंज के बाहर कम तीव्रता वाले दो विस्फोट हुए, जिनमें से एक रैपर बादशाह का है। इनमें किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। ये विस्फोट डि ओरा और सेविले के बाहर हुए। सेविले कथित तौर पर रैपर बादशाह के स्वामित्व में है। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट से डि ओरा की खिड़कियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति बार-सह-लाउंज की ओर कुछ फेंकते हुए दिखाई दे रहा है तथा उसके बाद धुएं का गुबार उठता नजर आ रहा है। सूत्रों ने बताया कि दो संदिग्ध मोटरसाइकिल पर आए थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें तड़के लगभग साढ़े तीन बजे इलाके से तेज आवाज आने की सूचना मिली। उसने बताया कि पुलिस दल ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद जूट की रस्सी के टुकड़े बरामद किए। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के एक दल ने नमूने एकत्र किए हैं और मामले की जांच जारी है। चंडीगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक दिलबाग सिंह धालीवाल ने संवाददाताओं को बताया कि कॉल पर प्रतिक्रिया देने वाले जांच अधिकारी को घटनास्थल पर टूटे हुए शीशे मिले। धालीवाल ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। एक क्लब के कर्मचारी पूरन ने बताया कि हालांकि क्लब बंद था लेकिन घटना के समय क्लब के अंदर सात से आठ कर्मचारी मौजूद थे।

कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा: मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संविधान दिवस के मौके पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंटा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान के मूल स्वरूप को बदलने का प्रयास किया और देश की जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई। यह भाजपा की सरकार है जिसने संविधान के प्रति लोगों की आस्था को मजबूत किया।

● संविधान दिवस पर कार्यक्रम में योगी ने कहा, अंबेडकर के संविधान में नहीं थे सेक्युलर और समाजवादी शब्द

योगी ने कहा कि जिन लोगों ने भारत के संविधान का गला घोंटने का काम किया था जनता ने उनको भी सबक सिखाने में कोई कोताही नहीं बरती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संविधान या किसी भी पवित्र कार्यक्रम की आत्मा उसका उद्देश्य होता है, भारत का जो मूल संविधान बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने 26 नवंबर 1949 को दिया जिसे भारत ने अंगीकार किया था, उसमें दो शब्द 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द भी नहीं था। कांग्रेस ने चोरी छिपे जब यह देश के नागरिक अधिकार निरस्त किए गए थे, देश इमरजेंसी थी तब इन दो शब्दों को भारत के संविधान में डालकर भारत की संविधान की आत्मा का गला घोंटने का काम कांग्रेस ने किया था। सीएम योगी ने कहा कि जो लोग देश की जनता को गुमराह करते हैं, उनकी भावनाओं के बारे में देश की जनता को जानने की आवश्यकता है। इनका चेहरा लोकतांत्रिक दिखता है लेकिन वास्तव में लोकतांत्रिक है नहीं। यह अपनी उस तानाशाही फासीवादी मानसिकता के साथ काम करने वाले लोग हैं। जब भी इनको अवसर मिलेगा ये लोग अपनी हरकत से बाज नहीं आएंगे।

नोएडा की फैक्टरी में आग, तीन जिंदा जले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा 2 क्षेत्र में स्थित साइट 4 की एक सोफा बनाने वाली फैक्ट्री में सुबह भीषण आग लग गई, जिसमें तीन कर्मचारियों की झुलसकर मौत हो गई। यह हादसा फैक्ट्री नंबर 4जी में हुआ, जब कर्मचारी सो रहे थे। मृतकों की पहचान 23 वर्षीय गुलफाम (निवासी मथुरा), 29 वर्षीय मजहर आलम (निवासी कटिहार, बिहार), और 24 वर्षीय दिलशाद (निवासी अररिया, बिहार) के रूप में हुई है। आग लगने की सूचना पर स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा (शेष पृष्ठ 9)

मेवाड़ राजवंश के वंशजों के बीच अजब जंग

राजेश कुमार। नई दिल्ली/जयपुर

राजपूत शासक महाराणा प्रताप के वंशजों, जिन्होंने लगभग 450 साल पहले शक्तिशाली मुगल सम्राट अकबर के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, को अब उदयपुर में 'सिंहासन' पर बैठने की रस्में पूरी करने के लिए एक परिवार से निपटना पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ को उनके चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ और उनके बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने चुनौती दी, जिन्होंने कथित तौर पर उन्हें महल परिसर में धूनी (पवित्र अग्नि) मंदिर और फिर एकलिंगनाथ जी मंदिर में अनुष्ठान पूरा करने के लिए प्रवेश करने से मना कर दिया।

इसके कारण सोमवार रात को तीखी झड़प हुई, क्योंकि मेवाड़ के पूर्व शाही परिवार के दो गुटों के बीच तनाव बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप पथराव हुआ, जिसमें कई लोग घायल हो गए और ऐतिहासिक सिटी पैलेस में गतिरोध हुआ। यह झड़प उस दिन चित्तौड़गढ़ किले में भाजपा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ के मेवाड़ के 77वें महाराणा के रूप में राज्याभिषेक के बाद हुई। मंगलवार को उदयपुर के जिला प्रशासन ने सिटी पैलेस के विवादित क्षेत्र के प्रबंधन के लिए रिसीवर नियुक्त किया। मामला अभी तक सुलझा नहीं है। हालांकि, जिला अधिकारियों ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है।

इस पूरे प्रकरण के मूल में संपत्ति विवाद है, जो जाहिर तौर पर वर्चस्व की लड़ाई में बदल गया है। सिटी पैलेस और एकलिंगनाथजी मंदिर अरविंद सिंह के नियंत्रण में हैं। ऐतिहासिक सिटी पैलेस के गेट पर विश्वराज सिंह और उनके चचेरे भाई डॉ. लक्ष्य राज सिंह मेवाड़ के बीच गतिरोध तब हुआ, जब विश्वराज सिंह मेवाड़ को महल में प्रवेश करने से मना कर दिया गया। महल अब उनके चचेरे भाई और चाचा श्रीजी अरविंद सिंह मेवाड़ द्वारा प्रबंधित ट्रस्ट द्वारा संचालित है। दिन चढ़ने के साथ ही विवाद बढ़ता गया। रात 10 बजे के बाद विधायक के समर्थकों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी और महल के गेट पर धावा बोलने की कोशिश की। अन्य लोग महल के अंदर से जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। (शेष पृष्ठ 9)

शहीदों को नमन

पुलिस अधिकारी अपने श्वानों के साथ 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए।

140 करोड़ देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधता है संविधान: योगी

● लोकभवन में आयोजित समारोह में सीएम ने दी संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि, बच्चों को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित समारोह में संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया और संविधान निर्माताओं को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने सबसे पहले संविधान के रूप में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन हमें अपने लोकतंत्र और संविधान की महानता का स्मरण कराता है। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत का सच्चा सपूत बताते हुए कहा कि उनकी अगुवाई में बनी संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी ने न्याय, समता और बंधुता जैसे मूल्यों को संविधान में शामिल कर देश को एक सशक्त भविष्य दिया। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद 1946 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मांग पर संविधान सभा का गठन हुआ था। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष चुना गया। 13 समितियों के माध्यम से संविधान निर्माण का कार्य किया गया, जिसमें ड्राफ्टिंग कमेटी का नेतृत्व बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने किया। संविधान निर्माण के लिए 13 कमेटियों के बहस और फिर उसके महत्वपूर्ण अंशों को संविधान में शामिल किया गया, मुख्यमंत्री ने इन बहसों को संविधान का सार बताते हुए कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को इनसे मार्गदर्शन लेना चाहिए। सीएम योगी ने भारत के लोकतंत्र की तारीफ करते हुए कहा कि भारत का संविधान हर जाति, मत और मजहब के व्यक्ति को समान मताधिकार देता है। जब दुनिया के अन्य लोकतंत्रों में भेदभाव जारी था, भारत ने पहले ही आम चुनाव में हर वयस्क नागरिक को वोट देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहब अंबेडकर और संविधान सभा की दूरदर्शिता का परिणाम है। संविधान दिवस का यह आयोजन प्रदेशवासियों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की महत्ता को समझाने और लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। योगी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की यह धरोहर है जो संपूर्ण भारत को 140 करोड़ भारतवासियों को एकता के सूत्र में बांधता है।

संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने का किया आह्वान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन के अंत में सभी नागरिकों से संविधान के आदर्शों और मूल्यों को आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और समृद्ध भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे और संविधान में दिए गए अधिकारों का सही उपयोग करे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'संविधान से आदर्श और मूल्य' विषय पर आयोजित वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों को संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने और इसके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। इस दौरान भारत के लोकतंत्र और संविधान से संबंधित एक डॉक्यूमेंट्री का भी प्रसारण किया गया, जिसमें संविधान निर्माण से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं और बहसों को दर्शाया गया। संविधान दिवस के इस आयोजन में दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, प्रमुख सचिव मनोज कुमार सिंह समेत कई मंत्री, विधायक और अधिकारी उपस्थित रहे।

13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा प्रयागराज महाकुंभ: सीएम योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार लखनऊ में एक कार्यक्रम में आगामी महाकुंभ-2025 को लेकर सरकार के कार्यों, प्रयासों की विस्तृत जानकारी देते यूपी में साढ़े सात वर्ष में हुए सकारात्मक बदलाव की भी चर्चा की। सीएम ने कहा कि स्वच्छ कुंभ के साथ डिजिटल कुंभ के भी दर्शन होंगे।

योगी ने कहा कि प्रयागराज कुंभ की बात करें तो लगता था कि हम सबने कुंभ को गंदगी, भगदड़ व अव्यवस्था का पर्याय बना दिया था। कुंभ मेले के प्रभारी मंत्री का दायित्व भी ऐसे लोगों को दिया जाता था, जिन लोगों में श्रद्धा, परंपरा, संस्कृति व विरासत के प्रति का सम्मान नहीं था, लेकिन हमने विरासत के प्रति सम्मान, श्रद्धा का भाव रखा। प्रयागराज कुंभ की व्यवस्था को देखकर पीएम मोदी जी की प्रेरणा से 2019 में यूनेस्को ने मानवता के

● 45 दिन में 35-40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में कुंभ को मान्यता दी है। सीएम ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का स्नान होगा। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का शाही स्नान होगा।

29 जनवरी को मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी 3 फरवरी, 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा व 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान होगा। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक व सांस्कृतिक आयोजन में से एक प्रयागराज कुंभ का आयोजन इस बार 45 दिन का होगा। सीएम ने महाकुंभ-2025 को लेकर सरकार की तैयारियों पर भी प्रकाश डाला।

75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पूर्ण करके आगे बढ़ रहा है भारत का आधुनिक लोकतंत्र: धर्मपाल

लखनऊ। भाजपा ने प्रदेश में जिला स्तर पर संविधान दिवस मनाकर संविधान के प्रति प्रतिबद्धता के साथ बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को कृतज्ञ नमन किया। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मंगलवार को प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सभी को संविधान दिवस की बधाई देते हुए संविधान का पूजन कर नमन किया। प्रदेश महामंत्री (संगठन)

धर्मपाल सिंह ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में संविधान दिवस पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत का आधुनिक लोकतंत्र 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पूर्ण करके आगे बढ़ रहा है। आज ही के दिन 1949 में संविधान देश की जनता को समर्पित किया गया। गणतंत्र, पंथनिरपेक्षता, सशक्त निर्वाचन पद्धति, संघीय ढांचा, मौलिक अधिकर, मूलभूत कर्तव्य, सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक न्याय संविधान के कीर्तिमान है।

भारत का संविधान नागरिकों के लिए पूजनीय: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को राजभवन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान दिवस के अवसर पर भारत के संविधान की उद्देशिका का पाठन किया और अपने मूल कर्तव्यों के पालन की शपथ ली। इस अवसर पर राज्यपाल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का संविधान पूजनीय है। हम सबको संविधान के अनुच्छेदों का पाठन करके इसे अपने विचारों में अंगीकृत करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सिर्फ अधिकारों की जानकारी तक स्वयं को सीमित न रखें अपितु अपने कर्तव्यों की जानकारी भी रखें और कर्तव्यों को ही प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान भारत की तमाम विविधताओं को ध्यान में रखकर एकता की मूल भावना पर बनाया गया है। हम सबका कर्तव्य है कि देश हित में राष्ट्र के विकास के लिए मिलजुल कर कार्य करें। समाज में जो लोग पीछे रह गए हैं, जो गरीब तपके के लोग हैं, उनके उत्थान के लिए अपना योगदान दें। राज्यपाल ने कार्यपालन की चर्चा में कहा कि अचानक से आए कार्यों को टीम भावना के साथ मिलजुल कर पूरा करें। कार्यपालन में कार्य पूर्ति की भावना को ही प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि प्राय: लोग इस बिंदु पर भ्रमित होते हैं कि यह कार्य मेरा नहीं है। ऐसी भावनाएं मन में ना लाकर किसी भी कार्य की अनदेखी न करें। राज्यपाल ने इस अवसर पर पदासीन अधिकारियों को विशेष रूप से सकारात्मक भाव से दायित्व निर्वहन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बतौर राजस्व मंत्री गुजरात के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि अधिकारियों को हमेशा सकारात्मक भाव से कार्य संपन्न करने की मशां पर चलना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल जी ने राजभवन के पुस्तकालय में उपलब्ध संविधान की प्रति का पाठन करने, प्रत्येक कर्मचारी द्वारा इसके अनुच्छेदों पर अपना स्वयं का वक्तव्य बनाने, इससे संबंधित विषयों पर चित्र बनाने, नाटक आयोजित करने तथा अन्य विविध आयोजनों के लिए भी निर्देशित किया।

पूर्व विधायक श्याम देव राय चौधरी का निधन, सीएम ने जताया शोक

दस दिन पहले वाराणसी के एक अस्पताल में पूर्व विधायक का हालचाल लेते सीएम योगी (फाइल फोटो)

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा के वरिष्ठ नेता व वाराणसी के शहर दक्षिणी से कई बार विधायक रहे श्यामदेव राय चौधरी (दादा) का मंगलवार को निधन हो गया। वे काफी समय से बीमार थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया कि वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व विधायक श्यामदेव राय चौधरी (दादा) का निधन अत्यंत दुखद और भाजपा परिवार की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! मुख्यमंत्री ने लिखा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सर्वसाधारणों को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के स्कूल दस्तावेजों में उसका नाम गलती से ADHYAN KUMAR SINGH अंकित हो गया है जबकि उसका सही नाम KRISHNA KUMAR SINGH है ADHYAN KUMAR SINGH और KRISHNA KUMAR SINGH दोनों एक ही व्यक्ति हैं। दीपक कुमार सिंह पुत्र घनश्याम सिंह मकान नंबर 12/276 इंदिरा नगर लखनऊ यू पी

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मैंने अपने बड़े पुत्र हर्षवर्धन पुत्र श्री सुशील कुमार निवासी–325/90 सोंधी टोला चौक लखनऊ पिन 226003 को गलत चाल चलन, एवं समाज विरोधी गति विधियो एवं गलत व्यवहार व बर्ताव के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करती हूँ, यदि कोई भी शख्स मेरे पुत्र से लेनदेन करता है तो व स्वयं जिम्मेदार होगा आज के बाद मेरे व मेरे परिवार से कोई भी मतलब व सरोकार नही होगा। श्रीमती रानी पत्नी श्री सुशील कुमार निवासी –325/90 सोंधी टोला चौक लखनऊ मो–9389545834

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मैंने अपने बड़े पुत्र हर्षवर्धन पुत्र श्री सुशील कुमार निवासी–325/90 सोंधी टोला चौक लखनऊ पिन 226003 को गलत चाल चलन, एवं समाज विरोधी गति विधियो एवं गलत व्यवहार व बर्ताव के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ, यदि कोई भी शख्स मेरे पुत्र से लेनदेन करता है तो व स्वयं जिम्मेदार होगा आज के बाद मेरे व मेरे परिवार से कोई भी मतलब व सरोकार नही होगा। सुशील कुमार पुत्र स्व हुसैनी निवासी –325/90 सोंधी टोला चौक लखनऊ मो–9389545834

सूचना

हसन मोहम्मद शाकिर लारी, हसन मोहम्मद शाकिर और मोहम्मद शाकिर लारी पुत्र शमीमुल हसन, 622/17, मायापुरी केडीए कॉलोनी जाजमऊ कानपुर, एक ही व्यक्ति हैं। वर्तमान में आधार कार्ड मोहम्मद शाकिर लारी के नाम पर है। अगर किसी को आपत्ति हो तो सम्पर्क करें।

सूचना

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुअक्किल आई०डी०बी०आई० बैंक लि० द्वारा अपने ग्राहक श्री रोमिल सोनी व श्रीमती विनीता को उनकी सम्पत्ति भवन सं०– 595/PN-35 KN67 मय भूमि जो भूखण्ड सं०– 35 पर निर्मित है क्षेत्रफल 500 वर्ग फीट जो भूमि खसरा सं०– 67 का भाग है स्थित– मुहर, वार्ड– हैदरगंज, लखनऊ को बंधक रखकर ऋण प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। उक्त सम्पत्ति की पूर्व श्रृंखला से सम्बन्धित मूल विक्रय पत्र दिनांकित 12.06.2013, क्रम सं०– 6616 जो पूर्व स्वामी श्री राजेन्द्र के पक्ष में निष्पादित है, उनके अनुसार कहीं खो गया है। यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को इस प्रस्तावित बंधक किये जाने के विरुद्ध कोई आपत्ति हो, तो उस आपत्ति के विधिक आधार एवं साक्ष्यों के साथ मुझसे 14 दिन के अन्दर संपर्क कर सकता है। उक्त अवधि में कोई विधिक व पोषणीय आपत्ति प्राप्त न होने पर मेरे मुअक्किल द्वारा उक्त ऋण प्रदान किया जायेगा तथा उक्त सम्पत्ति पर मेरे मुअक्किल का विधिक प्रभार होगा।

(तरुण प्रकाश श्रीवास्तव)
एडवोकेट, मो०- 9335914262
कार्यालय: कक्ष सं०–111, सिटी होटल, 24, बी0एन0 रोड, लालबाग, लखनऊ।

समाजवाद को मिली ऐतिहासिक जीत: दीपक मिश्र

लखनऊ। समाजवादी चिंतक और सांविधानिक व संसदीय अध्ययन संस्थान के सदस्य दीपक मिश्र ने संविधान की प्रस्तावना पर आए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की सराहना करते हुए कहा है कि समाजवाद भारतीय संविधान और समाज की अजर आत्मा है। लोक कल्याण और शोषण विहीन समाज की स्थापना ही भारतीय समाजवादी विचारधारा तथा संविधान का समग्र लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि समाजवाद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह सरीखे शहीदों का रोमानी ख्वाब और नेहरू, सुभाष, लोहिया, जयप्रकाश समेत सभी राष्ट्रनिर्माताओं द्वारा अंगीकृत सिद्धांत है। जो लोग संविधान से समाजवाद शब्द हटवाना चाहते हैं, उनके अपने दुराग्रह हैं जो भारतीय संस्कृति और लोकजीवन के विरुद्ध हैं।

संविधान को कोरा कागज समझती है भारतीय जनता पार्टी: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संविधान दिवस पर सभी देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संविधान हमारी संजीवनी है। संविधान पीडीए का प्रकाश स्तम्भ है। सच्चे समाजवादी ही संविधान वादी है। हम संविधान मानने वाले लोग है। संविधान का सम्मान करते है। बाबा साहब के बताए रास्ते पर चलते है।

भाजपा के लोग संविधान नहीं मनविधान से चलते हैं। भाजपा संविधान को कोरा कागज समझती है। वह संविधान के रास्ते पर नहीं चलती है। उत्तर प्रदेश में संविधान की धज्जियां उड़ाकर भाजपा ने उपचुनाव में वोट लूटा है। सरकार ने पुलिस के बल पर वोट की लूट की। लोगों को डराया, धमकाया, वोट नहीं डालने दिया। महिलाओं पर असलहा तानकर वोट डालने से रोका गया। मतदान के लिए जा रही महिला को पुलिस ने रिवाल्वर से डराया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी काम कर रही है।

संभल में घटना भाजपा सरकार ने जानबूझ कर कराया। पुलिस ने लोगों को गालियां दी, धमकाया, गोलियां मारी। युवाओं की मौत हुई। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल संभल में पीड़ित और परेशान लोगों से मिलने के लिए जाना चाहता था लेकिन सरकार ने रोक दिया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल तो संभल जाएगा ही, मैं खुद भी संभल जाऊंगा। समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवारों की मदद भी करेगी।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए संविधान का सम्मान आवश्यक: सतीश महाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने संविधान को मानव जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन को नियमबद्ध बनाता है और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह समाज को समरसता, समानता और विकास की ओर ले जाने वाला पवित्र ग्रंथ है। महाना मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इससे पहले महाना तथा कुलपति द्वारा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा तथा संविधान स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रगतिशील समाज या राष्ट्र के लिए नियम और कानून का होना अनिवार्य है। यदि संविधान का पालन न हो, तो समाज में अराजकता फैल सकती है। महाना ने कहा कि संविधान मानवता, सत्य और समानता की भावना का प्रतीक है। यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे, तो संविधान की मूल मंशा को चरितार्थ कर सकेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने संविधान को एक प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि यह न केवल सरकार चलाने वालों के लिए है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह इसे समझे और इसका पालन करे। उन्होंने विधायिका की सकारात्मक भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र की ताकत विधायिका में है। उन्होंने आगाह किया कि किसी एक व्यक्ति की गलती से पूरी संस्था पर सवाल उठाना लोकतंत्र को कमजोर करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए महाना ने कहा कि उन्होंने समाज की पीड़ा को समझते हुए संविधान में ऐसे प्रावधान किए।

सपा मुख्यालय में मनाया गया 'संविधान दिवस'

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में 'संविधान दिवस' मनाया गया। सपा मुख्यालय में भारत के संविधान में उल्लिखित उद्देशिका का राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने संविधान मान स्तम्भ के समक्ष वाचन किया। सपा ने संविधान के मूल उद्देश्यों की सुरक्षा एवं संविधान की गरिमा बनाए रखने का संकल्प भी लिया। सपा प्रवक्ता ने बताया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में 26 जुलाई 2024 को आरक्षण दिवस पर संविधान मान स्तम्भ की स्थापना की थी। इसीदिन महात्मा ज्योतिबा पुले द्वारा संकल्पित आरक्षण को कोल्हापुर के महाराजा छत्रपति साहू जी महाराज ने 26 जुलाई 1902 में अपने राज्य में आरक्षण लागू कर दिया।

साम्प्रदायिक भावना से काम कर रही है भाजपा सरकार: माता प्रसाद पाण्डेय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा है कि भाजपा सरकार साम्प्रदायिक भावना से काम कर रही है। इस सरकार का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। भाजपा की सरकार पूरे उत्तर भारत में साम्प्रदायिकता फैला रही है।

संभल में पुलिस की गोली से चार युवाओं की मौत हुई। पुलिस दो तरह के असलहे रखती है। फंसने से बचने के लिए निजी और बरामद असलहों से गोली चलाती है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल भी मौजूद थे। माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि समाजवादी पार्टी संभल और बहराइच मामलों को विधानसभा में उठाएगी, भाजपा सरकार को बेनकाब करेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रतिनिधिमंडल आज मंगलवार को संभल घटना की सच्चाई की जांच और पीड़ित परिवारों से शोक संवेदना प्रकट करने जा रहा था लेकिन पुलिस ने जाने की अनुमति नहीं दी।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अगले कदम का स्वयं निर्णय करेंगे। भाजपा सरकार ने अपनी नाकामी छिपाने के लिए समाजवादी पार्टी के संभल के सांसद पर फर्जी मुकदमा दर्ज किया है जबकि उस दिन सांसद संभल में नहीं थे। नेता विरोधी दल ने कहा कि भाजपा संविधान विरोधी काम कर रही है। भाजपा सरकार संविधान नहीं मानती है। देश जानता है कि 1991 में संसद ने प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट यानी कि पूजा स्थल कानून पारित किया है। इसमें स्पेशल प्रोविजन के तहत बनाया गया। इस कानून के मुताबिक 15 अगस्त 1947 से पहले भारत में जिस भी धर्म का जो पूजा स्थल था।

संविधान को खत्म करना चाहती है भाजपा: अजय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय , प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ. शहजाद आलम सहित उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने सर्वप्रथम भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. अलीमुल्लाह ख़ान तथा डॉ. सुधांशु बाजपेई ने संयुक्त रूप से किया। संविधान दिवस के अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि आज का दिन हमारी प्रतिबद्धता और संविधान की रक्षा के संकल्प का का दिन है, हम सभी संविधान की रक्षा के लिए प्रण लेते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग संविधान बदलना चाहते हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी उनका यह ख्वाब कभी भी पूरा नहीं होने देगी।

राय ने कहा कि जनपद झांसी में नवजात बच्चों की मौत अस्पताल में आग लगने से नहीं बल्कि सरकारी भ्रष्टाचार के भेंट चढ़े हैं, जब हमने वहां जाकर उनके भ्रष्टाचार को उजागर किया तो संभल को दंगों की आग में झोंकने की साजिश रची गई। अन्यथा जब एक शांतिपूर्वक सर्वे हो गया था तो दूसरी बार दल-बल, जुलूस और नारों के साथ जाने की क्या आवश्यकता थी? इसमें प्रदेश सरकार तथा प्रशासन सबकी साजिश है।

टूरिज्म स्थलों के आसपास होमस्टे को आय के स्रोतों से जोड़ा जाएगा

लखनऊ। विदेशों की तर्ज पर टूरिज्म स्थलों के आसपास होम स्टे को लोकप्रिय बनाने तथा बुनियादी सुविधाएं सृजित करने के लिए विस्तार से जानकारी एकत्र की जायेगी। इसका उद्देश्य होम स्टे के आसपास के वासिंदों की आमदनी बढ़ाना है। साथ ही होम स्टे का लाभ उठाने वाले पर्यटकों को स्थानीय जीवन की विविध गतिविधियों, परम्परा, विरासत तथा वेश भूषा, रहन सहन एवं व्यंजन आदि के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है।

संस्था स्वर लखनऊ(NGO)द्वारा जिला रायबरेली और सोनभद्र में एनटीपीसी सीएसआर नीति के अंतर्गत वित्त वर्ष 2024–25 (और आगे) के लिए "नशा मुक्ति एवं स्वस्थ सम्बन्धी परियोजना" हेतु एमबीबीएस डॉक्टर, केंद्र मैनेजर, नर्स, ड्राइवर, सुपरवाइजर, अकाउंटेंट, कुक, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी के एक या एक से अधिक पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करती है। अंतिम तिथि 06/12/2024 है। इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन ईमेल से अतिशीघ्र भेजें : svar.india@gmail.com,9076669235.

संस्था स्वर (NGO),इंदिरा नगर, लखनऊ की ओर से जिला रायबरेली और सोनभद्र में एनटीपीसी सीएसआर नीति के अंतर्गत वित्त वर्ष 2024–25 (और आगे) के लिए "नशा मुक्ति एवं स्वस्थ सम्बन्धी परियोजना" हेतु विभिन्न प्रकार की सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमन्त्रित की जा रही है । इच्छुक संस्थाएं दिनाँक 27.11.2024 से निविदा फॉर्म स्वर संस्था के कार्यालय पताः अवध गैलेक्सी अपार्टमेंट संजय गांधी पुरम, लखनऊ से प्राप्त कर सकते है। निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 05.12.2024 है। निविदाएं 06.12.2024 को खोली जायेंगी । 9076669235, svar.india@gmail.com.

अपराध और दंड नहीं बल्कि न्याय है तीन नए कानूनों का भावः सीएम

● नवीन आपराधिक कानूनों के तहत न्याय प्रक्रिया में फॉरेंसिक विज्ञान व साइबर सिक्योरिटी की भूमिका विषयक राष्ट्रीय कांफ्रेंस में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीएम नरेंद्र मोदी के प्रेरणा से देश में एक जुलाई-24 से तीन नए कानून लागू किये गये। यह तीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 हैं। इन सभी का भाव आपराधिक संहिता और दंड संहिता नहीं है बल्कि न्याय संहिता है। यह नागरिक सुरक्षा की संहिता है।

इसके तहत पहले साक्ष्य जुटाए जाएंगे, उसके बाद अपराधी को कटघरे में खड़ा किया जाएगा। सुशासन की पहली शर्त कानून का राज स्थापित करना होता है। पिछले साढ़े सात वर्षों से प्रदेश में कानून का राज दृढ़ता से स्थापित है। वहीं देश विदेश में प्रदेश के कानून के राज की चर्चा हो रही है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भारतीय संविधान को अंगीकृत किये जाने की 75वीं वर्षगांठ पर नवीन आपराधिक कानूनों के तहत न्याय प्रक्रिया में फॉरेंसिक विज्ञान एवं साइबर सिक्योरिटी की भूमिका विषयक राष्ट्रीय कांफ्रेंस (26-27 नवंबर) के शुभारंभ पर कही। इस दौरान सीएम योगी ने फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट में नये ऑडिटोरियम का उद्घाटन भी किया। साथ ही बच्चों को विभिन्न कोर्सेज के सर्टिफिकेट प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर 1949 की तिथि स्वतंत्र भारत के इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण तिथि है। भारत माता के सपूत बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान को 75 वर्ष पहले भारत ने अंगीकार किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर 2015 से इस तिथि को पूरे देश में संविधान दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के प्रयोग से विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं, लेकिन कुछ लोग इसका गलत इस्तेमाल कर लोगों को आर्थिक चोट पहुंचा रहे हैं। ऐसे में साइबर फ्रॉड्स और डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं को रोकने के लिए टेक्नोलॉजी का सकारात्मक इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के लोग टेक्नोलॉजी से भागेंगे तो नकारात्मक लोग उस पर हावी होंगे। ऐसे में हमे उन्हे हावी नहीं होने देना है। सीएम ने कहा कि साइबर फ्राड्स से निपटने के लिए पहले चरण में प्रदेश के 18 रेंज में साइबर थानों की स्थापना की गयी है। इसके बाद 75 जनपद में स्थापना की गयी। वहीं आज प्रदेश के सभी 1775 थानों पर एक-एक साइबर हेल्प डेस्क संचालित हैं। इसी के तहत प्रदेश में पहला उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज की स्थापना की गयी ताकि बच्चे से साइबर फ्राड्स की पढ़ाई कर इसे रोकने में अपना सहयोग करें।

योगी ने कहा कि इंस्टीट्यूट की जमीन पर प्रदेश के एक अंधकार युग (सपा सरकार) में दुर्दांत भू माफिया ने कब्जा कर लिया था। ऐसे में भू माफिया के खिलाफ कार्रवाई कर जमीन को खाली कराया गया और आज उसी जमीन पर भव्य इंस्टीट्यूट खड़ा है, जहां विभिन्न पाठ्यक्रम की पढ़ाई हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति क्या थी, यह किसी से छुपी नहीं है। सीएम योगी ने युवाओं को टेक्नोलॉजी से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक राजेश्वर सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार, एडीजी जीके गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

अजय राय ने मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को दी सांत्वना

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय फिरदौस कॉलोनी स्थित मोहम्मद अबरार के निवास पर पहुंचे परिवार जनों को सांत्वना दी और हर समय साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। मालूम हो कि बालागंज, दुबग्गा स्थित फिरदौस कॉलोनी निवासी मोहम्मद अबरार को हृदय रोग की समस्या महसूस हुई वह मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लारी कार्डियोलॉजी में इलाज करने पहुंचे लेकिन डॉक्टरों की लापरवाही से उनको सही इलाज न मिलने पर उनकी मृत्यु हो गई। अजय राय ने कहा कि इस तरह की घटनाएं उत्तर प्रदेश सरकार की नाकामी साबित करती हैं। अस्पतालों में मरीज के लिए उचित व्यवस्था नहीं है लेकिन कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता आम जनता के साथ खड़े हैं। शहर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी एवं डॉक्टर शहजाद आलम सहित लल्लन कुमार कैप्टन बंशीधर मिश्र हसीन सिद्दीकी मोहम्मद फैजी जैदी, बराक मेहंदी. अजय वर्मा महेश कंचन राजेश काली आदि उपस्थित रहे।

पूर्व सभासद का कब्जा हटाकर दर्ज कराई जाए एफआईआरः मंडलायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

स्मार्ट सिटी ऑफि स में आयोजित नागरिक सुविधा दिवस में प्राप्त शिकायतों पर मण्डलायुक्त द्वारा सुनवाई की गयी। फैजुल्लागंज में पूर्व पार्षद के कब्जे को हटाते हुए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया। वहीं, जमीन पर कब्जा करने वाले गैंगस्टर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कब्जा हटाने का आदेश दिया। कुल 55 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिनमें से 12 प्रकरणों का मौके पर किया गया। शेष प्रकरणों में समयबद्ध तरीके से कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मंगलवार को लाल बाग स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया गया। इसमें मण्डलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार व अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव सहित दूसरे विभागों के सक्षम अधिकारियों ने जन सामान्य की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना गया तथा इनके निस्तारण के सम्बंध में सम्बंधित को दिशा.निर्देश दिये गये। फरियादियों की समस्या की सुनवाई के दौरान शिकायत कर्ता द्वारा बताया गया कि फैजुल्लागंज चतुर्थ गाजीपुर बलरामपुर निकट जगलाल पेट्रोल पंप के पीछे खसरा नंबर 256 है जहां पर नाले का निर्माण चल रहा है। नाला खसरा नंबर 171 के बगल में निकल रहा है वहां पर नाले की चौड़ाई 10 मीटर है नाला मात्र 3 मीटर में बन रहा है। शेष 7 मीटर नाले की जमीन जगलाल यादव पूर्व सभासद ने प्लाटिंग करके बेच दी है। बाकी जमीन में अभी भी उनका कब्जा है। मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मौके पर राजस्व की टीम भेज कर अवैध अतिक्रमण तत्काल हटवाया जाए और कब्जेदार व प्लाटिंग करने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। इसके बाद शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत पत्र देते हुए मंडलायुक्त को अवगत कराया गया कि प्रार्थी कंघी टोला निवासगंज के थाना ठाकुरगंज का रहने वाला है। प्रार्थी के पड़ोस में रहने वाले भू माफिया संजय साहू जो कि गैंगस्टर व हिस्ट्रीशीटर है, उनके द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर सार्वजनिक रास्ता को बंद कर दिया गया है। इस पर तत्काल कार्रवाई कर उक्त रास्ताए सड़क व संजय साहू के मकान की सही पैमाइश कराकर दबंगई द्वारा किए गए अवैध कब्जे हटवाये जाए।

मोती झील का सिविल कार्य 15 दिनों में करें पूरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोतीझील और जमुना झील का मंडलायुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त द्वारा जमुना झील का जीर्णोद्धार कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही झीलों के एरिया का पैमाईश का चिन्हाकन और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। वहीं मोती झील का 15 दिनों में सिविल कार्य पूरा करने का आदेश दिया गया। मंगलवार को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह व लखनऊ विकास प्राधिकरण (उपाध्यक्ष) प्रथमेश कुमार ने मोती झील एवं जमुना झील का औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम मंडलायुक्त ने जमुना झील के निरीक्षण दौरान उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अच्छी पद्धति के अनुसार झीलों के जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण के कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। झीलों की साफसफाई अच्छे से कराया जाए। उन्होंने कहा की झीलों के संपूर्ण एरिया का पैमाइश कराते हुए चिन्ह्यांकन व सीमांकन कराया जाए और अवैध अतिक्रमण मिलने पर तत्काल ध्वस्तीकरण कराया जाए।

पीजीआई में जल्द शुरू होंगे बच्चों की बीमारियों से संबंधित आठ नए विभाग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान प्रशासन बच्चों से सम्बन्धित विभागों सहित आठ नए विभागों का संचालन शीघ्र शुरू करने की तैयारी में है। इन विभागों के शुरू होने से पीडियाट्रिक मामलों के लिए सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार की जहां सुविधा मिलेगी वहीं प्रदेश और पड़ोसी राज्यों में बच्चो की आबादी मे रोगों के निदान और उपचार में मदद मिलेगी।

मंगलवार को यह जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. आर.के. धीमन ने बताया कि सरकार की मंजूरी के बाद एसजीपीजीआई में आठ नए सुपर स्पेशलिटी विभाग शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आबादी का लगभग 40 फीसद हिस्सा नवजात शिशु से लेकर 18 वर्ष तक की उम्र के बच्चे और किशोर का हैं। ऐसे में उनके वृद्धि और विकास के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा की आवश्यकता होती है। विभागों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी विभाग बच्चों मे मधुमेह रोग का निदान और उपचार करेगा और मधुमेह से पीड़ित बच्चों के समग्र प्रबंधन की सुविधा प्रदान करेगा। बच्चों के हृदय संबंधी देखभाल में उत्कृष्टता केंद्र सलोनी हार्ट सेंटर के तहत कार्डियो वैस्कुलर और थोरैसिक सर्जरी विभाग जन्मजात हृदय रोगों और अन्य बाल कार्डियो-संवहनी रोगों का प्रबंधन करेगा।

पीडियाट्रिक यूरोलॉजी और पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी विभाग बच्चों में होने वाले गुर्दे की बीमारियों का मेडिकल व सर्जिकल प्रबंधन करेगा। संक्रामक रोग विभाग वायरल संक्रमण के व्यापक प्रबंधन और वैक्सीन विकास में मदद करेगा। सिर और गर्दन की सर्जरी विभाग सिर और गर्दन के हिस्सों की विशिष्ट सर्जरी के लिए सर्जिकल विशेषज्ञता को बढ़ायेगा। ऑर्थोपेडिक्स विभाग जो पहले से ही एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के तहत मौजूद है, के बनने के बाद ऑर्थोपेडिक्स में एमएस पाठ्यक्रम चलाया जा सकता है।

इन विभागों की होगी शुरुआत

पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी विभाग, पीडियाट्रिक यूरोलॉजी विभाग, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी विभाग, बच्चों के हृदय संबंधी देखभाल में उत्कृष्टता केंद्र सलोनी हार्ट सेंटर (एसएचसीईसीएचआर) के अंतर्गत कार्डियो वैस्कुलर और थोरैसिक सर्जरी विभाग, टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य विभाग, सिर और गर्दन की सर्जरी विभाग, संक्रामक रोग विभाग, ऑर्थोपेडिक विभाग।

कोई भी तकनीक इतनी सक्षम नहीं कि बिना आपकी सहमति से रुपए निकाल सकेः डॉ. नवजोत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग मे मंगलवार को साइबर सुरक्षा में वर्तमान चुनौतियों और जवाबी उपायों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के फोरेंसिक विभाग मे एसोसिएट प्रोफेसर डॉ नवजोत कौर कहल ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के बारे में बताते हुए साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों एवं उनसे बचाव के विषय में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में साइबर अपराधों की भयावहता को रेखांकित करते हुए डॉ नवजोत ने कहा कि वर्तमान तकनीक दोधारी तलवार की तरह है। जिस प्रवृत्ति के व्यक्ति के हाथ लगेगी, वैसा ही व्यवहार करेगी। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने हमारा प्रवेश डिजिटल दुनिया में करवा दिया है। आज यह हर व्यक्ति की जरूरत बन चुका है लेकिन यहां हर कदम पर साइबर ठगों का जाल फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि कोई भी तकनीक इतनी सक्षम नहीं है कि बिना आपकी सहमति से मोबाइल फोन या कंप्यूटर में प्रवेश कर रुपये निकाल सके। लोभ, लालच, डर और धमकी साइबर अपराधियों का प्रमुख हथियार है। जबकि इनसे लड़ने के लिए आपके पास जागरुकता का कवच है। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ठग आप तक पहुंचते हैं। वे आपको या तो निवेश या अच्छी नौकरी का लोभ देंगे, या फिर फर्जी अपराधों में फंसे होने को लेकर धमकाते हैं। लालच से आपको खुद बचना है और याद रखें कि यदि आपकी गलती नहीं है तो डरना नहीं है। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने व्याख्यान सत्र मे सभी का स्वागत करते हुए इस सत्र के आयोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

लविवि कुलपति संस्कृति मंत्रालय की समिति में सदस्य नामित

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा गठित एक प्रतिष्ठित समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है, जिसकी अध्यक्षता अमित शाह (गृह एवं सहकारिता मंत्री) करेंगे। यह उच्च-स्तरीय समिति डॉ. हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में गठित की गई है। बता दें कि डॉ. हरेकृष्ण महताब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तित्व, और ओडिशा के मुख्यमंत्री (1946 से 1950 और 1956 से 1961 तक) रहे हैं। उन्हें उत्कल केसरी के नाम से लोकप्रिय रूप से जाना जाता है।

जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को सात वर्ष की सजा

विधि संवाददाता। लखनऊ

देश विरोधी क्रिया-कलापों में लिप्त प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य शहनवाज तेली उर्फ नवाज अहमद तेली व आकिब अहमद मलिक को एनआईए/एटीएस की विशेष अदालत ने सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह दोनों जम्मू कश्मीर के रहने वाले हैं। विशेष जज विवेकानन्द शरण त्रिपाठी ने इन पर 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। 20 फरवरी 2019 को इस मामले की रिपोर्ट जम्मू कश्मीर एटीएस प्रभारी हिमांशु निगम ने लखनऊ मे दर्ज कराई थी।

एटीएस को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के लिए नए आतंकियों की भर्ती कर रहे हैं। साथ ही भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए उन्हें फंड मुहैया कराने का काम भी कर रहें है। यह भी सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी सहारनपुर के देवबंद इलाके में हैं और आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इससे पहले इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अभियोजन को ओर से बताया गया कि दोनो आरोपियों की देश विरोधी गतिविधियों मे संलिप्तता पाई गई है।

राहुल गांधी की नागरिकता संबंधी शिकायत मिली, कार्यवाही जारीः केंद्र सरकार

विधि संवाददाता। लखनऊ

राहुल गांधी की नागरिकता के कथित विवाद को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दाखिल की गई याचिका पर केंद्र सरकार की ओर जवाब दाखिल किया गया है। पीठ को बताया गया है कि याचिकाकर्ता का प्रत्यावेदन संबंधित मंत्रालय को प्राप्त हो चुका है और इस पर कार्यवाही चल रही है। पीठ ने इस पर कहा कि प्रत्यावेदन पर जो भी निर्णय लिया जाता है, उससे हमें भी अगली सुनवाई पर अवगत कराएं। मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर को होगी। जस्टिस एआर मसूदी एवम जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने यह आदेश कर्नाटक के एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसके पास तमाम दस्तावेज और ब्रिटिश सरकार के कुछ ई-मेल हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि राहुल गांधी एक ब्रिटिश नागरिक हैं। इस कारण वह चुनाव लड़ने के अयोग्य हैं तथा लोकसभा सदस्य का पद धारण नहीं कर सकते। यह भी कहना है कि उसने दोहरी नागरिकता के सम्बन्ध में सक्षम प्राधिकारी को दो बार शिकायत भेजी लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने पर यह याचिका दाखिल की गई है।

अंतरराज्यीय गिरोह का तस्कर गिरफ्तार, एक करोड़ का गांजा बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने अंतरराज्यीय गिरोह के एक तस्कर महेश मिश्रा निवासी धौरहरा, थाना हण्डिया, प्रयागराज को वाराणसी से गिरफ्तार कर 400 किलोग्राम गांजा बरामद किया। एसटीएफ के अनुसार बरामद गांजा का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ रुपए है। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ पर बताया कि उसका एक संगठित गिरोह है, जो बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ (गांजा) की तस्करी करता है। गिरोह के सदस्य उड़ीसा राज्य से गांजे की बड़ी खेप लाकर महाराष्ट्र एवं पंजाब के क्षेत्रों में सप्लाई करते हैं और इसका एक साथी दिल्ली तिहाड जेल में बंद हैं। उसके जेल जाने के बाद यह अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्कारी का काम कर रहा है।

मेट्रो के सतर्क कर्मियों ने लौटाए महिला के लाखों के जेवरात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मेट्रो स्टेशन हजरतगंज से महिला यात्री अपनी यात्रा में जांच के दौरान अपना पर्स भूल गयी। आलमबाग स्टेशन पर उतरने पर स्टेशन सुरक्षा कर्मियों को यात्री द्वारा पर्स खोने की जानकारी दी। स्टेशन कंट्रोलर के अनाउंस कराने पर महिला को उसके पर्स में रखी ज्वैलरी सहित धनराशि वापस मिल गयी।

मंगलवार को हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर एक महिला यात्री दीपा हज़रतगंज स्टेशन से मेट्रो में सवार हुई, सुरक्षा जांच में फ्रि स्किंग पॉइंट पर अपना पर्स भूल कर आलमबाग स्टेशन पहुंच गयी। इस बीच स्टेशन कंट्रोलर ने हजरतगंज स्टेशन पर अनाउंस कर के भूले हुए बैग के बारे मे सूचना देनी शुरू की। महिला को आलमबाग में बैग के बारे में पता चला। महिला यात्री ने कंट्रोलर से सम्पर्क कर अपना बैग प्राप्त किया। बता दे की महिला के पर्स के मे डेबिट कार्ड, नकद कुछ रुपए के अलावा मंगलसूत्र, तीन अंगूठियां और एक जोड़ी कान की बाली शामिल है।

जिसकी कीमत लाखों रूपये थी समहिला यात्री अपने खोए हुए सामान को पाकर बहुत खुश हुई और मेट्रो स्टाफ का बहुत शुक्रिया अदा किया।

सर्जरी के नाम पर रिश्वत लेने वाले डॉक्टर पर गिरी गाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात सर्जन पर रिश्वत लेकर इलाज करने के गंभीर आरोप लगे हैं। जिस पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए सीएमओ को जांच के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर सीएमओ ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच शुरू की है। शुरूआती जाँच में विभाग की छवि धूमिल करने जैसे गम्भीर कृत्य हेतु सर्जन डॉ. देवेन्द्र कुमार दोषी पाये गये हैं। उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव ने आरोपी डॉक्टर को निलंबित करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही उन्हें मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सहारनपुर मण्डल से सम्बद्ध कर आरोप-पत्र दिये जाने की भी संस्तुति की गई है।

बीबीएयू में संविधान दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर विधि विभाग द्वारा राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का महत्व विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा ने सभी को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा की जानकारी दी। इसके पश्चात डॉ. सूफिया अहमद द्वारा सभी को अतिथियों के परिचय से अवगत कराया। कुलपति प्रो. एस.के. द्विवेदी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को भारतीय संविधान का विश्लेषण कर उसे आत्मसात करना चाहिए कि किस प्रकार संविधान ने राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों के माध्यम से राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है। दूसरी ओर भारतीय संविधान हमें बताता है कि हमारी सरकार कैसे काम करती है । जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने चर्चा के दौरान कहा कि संविधान भारतीय संस्कृति से जुड़े दर्शन की व्याख्या करता है जहां विश्व को वसुधैव कुटुंबकम् के सूत्र के साथ अपना परिवार मानने का संदेश हमारे राष्ट्र ने दिया है। हमारा संविधान सीधे तौर पर लोगों से जुड़ा हुआ है, यही कारण है कि समानता, स्वतंत्रता एवं न्याय इसके मूल सिद्धांत है। डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान कठोरता और लचीलेपन के मेल का एक अनूठा उदाहरण है।

वीरांगना ऊदा देवी की प्रतिमा से निकाली गई संविधान यात्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर अंग्रेज़ों की ग़ुलामी व अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 से अंग्रेज़ों से आज़ादी के बाद 26 नवम्बर 1949 भारतीय संविधान को अंगीकृत किए जाने तक संघर्षों को याद दिलाने वाली संविधान यात्रा का आयोजन पारख महासंघ के तत्वाधान में वीरांगना ऊदा देवी की प्रतिमा से डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा तक किया गया। इस यात्रा के प्रारम्भ होने के पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पारख महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि 1857 के प्रथम आज़ादी के संग्राम में लखनऊ में बेगम हजरत महल की महिला सेना की कमाण्डर वीरांगना ऊदा देवी ने जहां अंग्रेज़ सैनिक युद्ध के दौरान पीपल के पेड़ के नीचे रखें घड़ों में पानी पीने आते थे उस पीपल के पेड़ पर छिपकर 36 अंग्रेज़ सैनिकों को मार कर अपने शहीद पति मक्का पासी का बदला लिया था।

नवयुग की छात्राओं ने किया विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को 26 नवंबर 2024 को नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के दर्शनशास्त्र विभाग एवं एनसीसी विंग की 30 छात्राएं मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी (विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र) के नेतृत्व में शैक्षणिक भ्रमण के लिए विधानसभा पहुंची। टीम के साथ आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. संगीता कोतवाल एवं प्रवक्ता कु. दीक्षा उपस्थित रहीं ढ्ढछात्राएं विधानसभा के इतिहास से परिचित हुई डिजिटल गैलरी में बड़ी ही खूबसूरती से उत्तर प्रदेश के विधानसभा के गठन से लेकर वर्तमान तक की स्थिति का वर्णन चलचित्र के द्वारा प्रदर्शित किया गया। इस बात से भी अवगत कराया गया कि भवन के वास्तुकार स्विनोन जैकब और सरदार हीरा सिंह थे ढ्ढ उत्तर प्रदेश को देश के 6 प्रधानमंत्री देने का गौरव भी प्राप्त है।

केजीएमयू में निकाली गई जागरूकता रैली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में मंगलवार को संविधान दिवस पर कर्मचारी व शिक्षकों द्वारा हाथ में संविधान की उद्देशिका को लेकर संविधान जागरूकता रैली गई। यह रैली प्रशासनिक भवन से प्रारम्भ होकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार व गांधी वार्ड से होते हुए पुनः प्रशासनिक भवन जाकर समाप्त हुई। इस मौके पर संविधान की उद्देशिका को अंगीकृत व आत्मर्पित करने की शपथ भी ली गयी। ब्राउन हाल में संविधान दिवस पर कुलपति की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सा अधीक्षक डा. सुरेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. बी.के. ओझा, डा. सुरेश बाबू, पद्मश्री से सम्मानित डा. एस.एन. कुरील, प्रतिकुलपति डा. अपजीत कौर एवं कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद द्वारा संविधान पर अपने विचार रखे गए।

अपने कर्तव्यों को देनी होगी प्राथमिकताः प्रो. जेपी पाण्डेय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय ने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान सभी अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलायी गयी। संविधान पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखायी गयी।

इस मौके पर कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय ने संविधान के उदेश्य, नागरिकों को दिये गये अधिकारों और कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। कहा कि आमतौर पर एक नागरिक के रूप में हम अपने अधिकारों के बारे में ज्यादा सचेत रहते हैं। जबकि हमारे एक नागरिक के रूप में कर्तव्य क्या हैं इसे हम भूल जाते हैं। हम अधिकारों को अपने दायित्वों पर हावी कर लेते हैं। इससे कहीं न कहीं हमारा व्यक्तित्व प्रभावित होता है। कहा कि समाज के बौद्धिक वर्ग ही जाने-अनजाने नियमों का अतिक्रमण करते हैं।

जबकि एक किसान या गरीब संविधान को बिना पढ़े ही स्वतः नियम से रहता है। इसलिए पढ़े-लिखे लोगों की ज्यादा जिम्मेदारी है। प्रतिकुलपति प्रो राजीव कुमार ने कहा कि संविधान को एक नागरिक के रूप में हमें अवश्य पढ़ना चाहिए। जिससे हमें यह पता रहे कि हमारे अधिकार और कर्तव्य क्या हैं।

एलजी ने नशे के खिलाफ किया जंग का ऐलान

राजधानी को 3 साल में नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य, 1 दिसंबर, से एक महीने तक चलेगा नशा विरोधी अभियान

कॉलेजों, दवा की दुकानों और रेस्तरां, बस स्टॉप, रेलवे स्टेशनों, आईएसबीटी की गहन जांच के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नशे के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में नशे के खिलाफ मुहिम चलेगी। दिल्ली को 3 साल में नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इस दौरान नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए एक दिसंबर से विशेष मुहिम चलाई जाएगी। जिसके तहत उपराज्यपाल ने स्कूलों, कॉलेजों, दवाओं और पान की दुकानों, शेल्टर होम्स, बार और रेस्तरां, बस स्टॉप, रेलवे स्टेशनों, सभी आईएसबीटी और दूसरे सार्वजनिक स्थलों की गहन जांच करने और इन्हें साफ-सुथरा रखने का निर्देश दिया है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुहिम का ऐलान करते हुए कहा कि शैक्षणिक परिसरों को नशा मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थान एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे और होस्टल्स के वार्डन्स को इसके लिए निजी तौर पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। उपराज्यपाल कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लगातार बढ़ते खतरे से निपटने के लिए, एलजी सक्सेना ने, राजधानी में व्यापक तौर पर एक महीने के लिए नशा विरोधी अभियान चलाने की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत 1 दिसंबर से होगी। उनके द्वारा की गई यह आक्रामक पहल, अगले तीन वर्षों के भीतर दिल्ली को नशा मुक्त बनाने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है, जो देश को नशा मुक्त बनाने के निर्धारित लक्ष्य से काफी आगे है। सक्सेना ने, राज्य स्तरीय समिति नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की 9वीं समीक्षा बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया कि इसका एक सामाजिक पहलू युवाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता प्रतिकूल प्रभाव है और साथ ही एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय पहलू भी है। नशीली दवाओं का उपयोग रणनीतिक रूप से भारत के युवाओं और देश को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस को अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर, मादक पदार्थों की तस्करी और खपत पर अंकुश लगाने के अपने प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया।

इस अभियान में बहु-आयामी दृष्टिकोण शामिल होंगे उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस और दूसरी सभी संबंधित एजेंसियों को इस एक महीने के अभियान के दौरान लगभग 200 होस्टलों, 50 कॉलेजों, 200 स्कूलों, 200 दवाओं की दुकानों, 500 पान की दुकानों, सभी शेल्टर होम्स, 200 बार और रेस्तरां, सभी रेलवे स्टेशनों, सभी आईएसबीटी और दूसरे सार्वजनिक स्थलों की गहनता से जांच करने और उन्हें साफ-सुथ रखने का भी निर्देश दिया है। इसके अलावा कैंपस में नशा मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारी नामित किए जाएंगे और शैक्षणिक संस्थानों में होस्टल्स को नशा मुक्त सुनिश्चित करने के लिए वार्डन को जवाबदेह बनाया जाएगा।

एलजी ने समाज कल्याण विभाग को शामिल कर शिक्षकों और अभिभावकों को परामर्श भेजने के निर्देश दिए हैं। समाज कल्याण विभाग स्कूलों और अभिभावकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उन्हें नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में शिक्षित करेगा और उन्हें अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

शहर भर में बसों, पोस्टर व बैनर प्रमुखता से किए जाएंगे प्रदर्शित

उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस से मुखबिरों की पहचान को गोपनीय रखते हुए, बड़े पैमाने पर युवाओं को जागरूक करने और उनके लिए आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा करने को कहा है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया किन शीली दवाओं और नशीले पदार्थों के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के खिलाफ पूरी दिल्ली में, डीटीसी बसों में, ऑटो-रिक्शा और टैक्सियों पर नारे, पोस्टर और बैनर को प्रमुखता से लगाया जाएगा। दिल्ली को नशा मुक्त बनाने के लिए टेलीविजन, रेडियो, सोशल मीडिया और आउटडोर विज्ञापन सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से जन जागरूकता अभियान शुरू किए जाएंगे। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए शहर भर में और डीटीसी बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में नारे, पोस्टर और बैनर प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे।

एसएफएल एक महीने में जांच करेगी पूरी

फोरेंसिक साइंस लैब दिल्ली के निदेशक को लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है, जो नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में अभियोजन में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। एफएसएल, जिसके पास पिछले 9-12 महीनों से 1260 मामले लंबित थे, उपराज्यपाल के हस्तक्षेप से मामलों को घटाकर 290 तक लाने में सक्षम हुआ है। एलजी ने सोमवार को एफएसएल को निर्देश दिया कि शेष 290 मामलों में विश्लेषण पूरा किया जाए और एक महीने के भीतर इनका निपटान कर शून्य लंबितता सुनिश्चित की जाए। इन कड़े उपायों को लागू करने का मकसद नशीली दवाओं के नेटवर्क को खत्म करना है।

संविधान किसी भी सफल लोकतंत्र का वाहक है: रामनिवास गोयल

● विस अध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई संविधान की शपथ

संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शपथ दिलाते विस अध्यक्ष व अन्य।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर विधानसभा और दिल्ली विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने विस के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की शपथ भी दिलाई। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि यह भारतीय संविधान की ताकत ही है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा और प्रभावी लोकतन्त्र बना है। संविधान ने सदा देश की एकता और अखंडता को कायम रखा है।

राम निवास गोयल ने लोकतंत्र में संविधान की उपयोगिता का जिक्र करते हुए कहा की संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा और नागरिकों के अधिकारों का रक्षक है। भारत का संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है जो हमारी शासन व्यवस्था की आधारभूत संरचना और सिद्धान्तों का मार्गदर्शन करता है। संविधान दिवस का उद्देश्य लोगों को संविधान की मूल बातें और इसके महत्व के बारे में जागरूक करना है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार और स्वतंत्रता प्राप्त हैं।

गोयल ने कहा की वर्ष 1949 में भारत के संविधान को अपनाने के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। यह न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों पर जोर देता है, डॉ बीआर अंबेडकर के योगदान को मान्यता देता है और एक लोकतांत्रिक और समावेशी समाज के निर्माण में नागरिक भागीदारी की वकालत करता है। संविधान दिवस पूरे देश की जनता का पर्व है। देश के हर नागरिक के लिए यह गर्व का दिन है। देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सब का यह कर्तव्य है कि हम लोग इस उत्सव को पूरे जोश, समर्पण और निष्ठा के साथ मनाये। योगेश सिंह ने कहा कि जब संविधान की रचना हुई, वह कोई शांतिकाल नहीं था। देश जहां विभाजन की विभीषिका झेल रहा था वहीं अनेकों संघर्षों का भी सामना कर रहा था। जब देश में अफरा तफरी का माहौल व्याप्त था, ऐसे समय में इतना अच्छा संविधान बनाना कोई छोटा काम नहीं था। डॉ भीम राव अंबेडकर को संविधान लिखने का जो काम मिला, वह उतना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने सामूहिक निर्णयों से इसे वर्तमान प्रारूप दिया।

संविधान सभा के कुछ सदस्य भारत में ग्राम आधारित राजनीतिक व्यवस्था के पक्षधर थी, जबकि बीआर अंबेडकर ने केंद्रीय व्यवस्था को मंजूर करवाया। यह बहुत बड़ी उपलब्धि थी। अंबेडकर भारत के मन को समझते थे। उन्होंने भविष्य की स्थिति को समझते हुए देश में फेडरेशन ऑफ स्टेट्स की बजाए यूनियन ऑफ स्टेट्स के लोकतंत्र को चुना। यही कारण है कि इस मजबूत केंद्रीय व्यवस्था से भारत की एकता मजबूत हुई है। आजादी एक बाद इतनी समस्याओं से यह देश गुजारा है, लेकिन फिर भी संविधान ने इसे संभाले रखा, यही संविधान की उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने केंद्र पर मतदाता सूची में छेड़छाड़ का लगाया आरोप

● सीएम का दावा, एक डीएम ने अधिकारियों को 20,000 मतदाताओं के नामों को सूची से हटाने का निर्देश दिया था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मतदाता सूचियों से आम आदमी पार्टी (आप) के समर्थकों के नाम हटाकर चुनाव प्रक्रिया में छेड़छाड़ का प्रयास कर रही है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार का डर है।

आतिशी ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, केंद्र सरकार गलत तरीकों से दिल्ली चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। वे मतदाता सूची से मतदाताओं को हटाने की साजिश रच रहे हैं, खास तौर पर आप से जुड़े लोगों को। इस आरोप पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। आप के वरिष्ठ नेता ने दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा 28 अक्टूबर को 29 उप संभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के तबादले के आदेश का हवाला दिया और इसे कथित साजिश में पहला कदम बताया। आतिशी ने दावा किया कि सात विधानसभा क्षेत्रों की देखरेख करने वाले डीएम ने अधिकारियों को 20,000 मतदाताओं के नामों को सूची से हटाने का निर्देश दिया था। बूथ स्तर के अधिकारियों से ऐसी कार्वाइयों का विरोध करने की अपील करते हुए उन्होंने उनसे किसी भी अनुचित दबाव को रिकॉर्ड करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, अगर कोई आपको मतदाताओं के नाम काटने के लिए मजबूर करने की कोशिश करता है, तो इसे रिकॉर्ड करें।

सीएम के शब्द में हताशा : वीरेंद्र सचदेवा

● चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर जनता का ध्यान भटकाने में लगी आप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि इंडिया गुट के अधिकांश सदस्य लगातार मिल रही चुनावी हार से हताश एवं निराश हैं।

अभी तक कांग्रेस, शिव सेना (उद्धव गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद गुट), आरजेडी जैसी गठबंधन की पार्टियों को चुनाव हारते ही चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर एवं ई.वी.एम. पर सवाल उठाते देखा था। आज दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनाव में हार की सम्भावना से भयभीत आम आदमी पार्टी भी इंडिया गुट के अन्य दलों की भाषा बोलने लगी है जो खेदजनक है। सचदेवा ने कहा है की पहले कांग्रेस और अब दस साल से आम आदमी पार्टी भी फर्जी डुप्लीकेट वोटरों एवं बुर्का वोटरों के सहारे दिल्ली में जीतती रही है पर हरियाणा एवं महाराष्ट्र के चुनाव में और उत्तर प्रदेश, बिहार एवं राजस्थान उपचुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत से डरी कांग्रेस एवं आप जैसे विपक्षी दल अब चुनाव प्रक्रिया पर एवं चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर अपनी चुनावी हार से जनता का ध्यान भटकाने में लगी हैं। इसी डर भय के बीच वोट काटने को लेकर आतिशी द्वारा संवाददाता सम्मेलन में बोले हर शब्द में उनका हार का डर साफ झलक रहा था। आतिशी को उनकी पार्टी का आंतिरक सर्वे बता चुका है की दिल्ली से टीम केजरीवाल की विदाई तय है और ऐसे में वह फर्जी एवं बुर्का वोटरों के वोट कटने को लेकर भ्रम फैला रही हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने टीम केजरीवाल को चुनौती दी कि दिल्ली मतदाता सूची सुधार पर राजनीतिक ब्यानबाजी करने की जगह निर्वाचन आयोग को शिकायत दें या फिर संतुष्टि पाने के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती हैं।

डीयू में ली संविधान की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि यह भारतीय संविधान की ताकत ही है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा और प्रभावी लोकतन्त्र बना है। उन्होंने कहा कि संविधान ने सदा देश की एकता और अखंडता को कायम रखा है। कार्यक्रम के आरंभ में कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता के निर्देशन में उपस्थित सभी अधिकारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठन किया और शपथ ली। इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रो. के. रत्नाबली ने संविधान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जब संविधान की रचना हुई, वह कोई शांतिकाल नहीं था। देश जहां विभाजन की विभीषिका झेल रहा था वहीं अनेकों संघर्षों का भी सामना कर रहा था। जब देश में अफरा तफरी का माहौल व्याप्त था, ऐसे समय में इतना अच्छा संविधान बनाना कोई छोटा काम नहीं था। कुलपति ने कहा कि डॉ भीम राव अंबेडकर को संविधान लिखने का जो काम मिला, वह उतना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने सामूहिक निर्णयों से इसे वर्तमान प्रारूप दिया। सिंह ने कहा कि संविधान सभा के कुछ सदस्य भारत में ग्राम आधारित राजनीतिक व्यवस्था के पक्षधर थी, जबकि बीआर अंबेडकर ने केंद्रीय व्यवस्था को मंजूर करवाया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली मेट्रो की मूवी आईएफएफआई गोवा में प्रदर्शित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की फिल्म पिलर्स ऑफ प्रोग्रेस द एपिक स्टोरी ऑफ दिल्ली मेट्रो को गोवा में चल रहे 55वें भारतीय अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया गया है। डीएमआरसी देश में शहरी परिवहन परिदृश्य में क्रांति लाने वाले और इंजीनियरिंग चुनौतियों पर अपनी फिल्मों के लिए दो राष्ट्रीय पुरस्कारों का विजेता भी है। इस दौरान डीएमआरसी को मंगलवार को एक और फिल्म मिल गई। पिलर्स ऑफ प्रोग्रेस, द एपिक स्टोरी ऑफ दिल्ली मेट्रो 30 मिनट की फिल्म है। इसे गैर-फीचर फिल्म श्रेणी के तहत प्रतिष्ठित भारतीय पैनोरमा में प्रदर्शित किया गया है। पिलर्स ऑफ प्रोग्रेस दिल्ली मेट्रो के निर्माण की प्रेरक कहानी है, जो दृढ़ संकल्प और नवाचार का प्रमाण है। वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध से फिल्म कई चुनौतियों पर काबू पाने वाली टीम की यात्रा का अनुसरण करती है, जो दिल्ली के विविध ताने-बाने को दर्शाती है। सभी बाधाओं के बावजूद मेट्रो प्रणाली मानवीय दृढ़ता और प्रगति का प्रतीक है। यह कहानी आशा की किरण है, जो एक उज्जवल भविष्य को आकार देने में एकता और दूरदर्शिता की शक्ति का जश्न मनाती है।

रेलवायर ब्रॉडबैंड पर 'फ्रीडम प्लान' लॉन्च

नई दिल्ली। प्रसार भारती, रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और प्लेबॉक्स टीवी ने रेलवायर के 'फ्रीडम प्लान' का अनावरण किया है। फ्रीडम प्लान, रेलवायर द्वारा एक ओटीटी बंडल होम इंटरनेट प्लान है। रेलटेल की रिटेल होम इंटरनेट सेवा जो आम जनता को किफ़ायती किमत पर हाई स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराती है। प्लेबॉक्स टीवी के संस्थापक और सीईओ आमिर मुलानी ने कहा कि भारत के प्रमुख मनोरंजन और इन्फोटेनमेंट हब, प्रसार भारती द्वारा अपना खुद का ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स लॉन्च करना काफी गर्व की बात है। रेलटेल के अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि होम इंटरनेट सेवा रेलवायर का उद्देश्य देश के वंचित क्षेत्रों में किफायती इंटरनेट उपलब्ध कराना है। प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने कहा कि वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म प्रसार भारती के लिए एक परिवर्तनकारी प्रतिनिधित्व करता है।

दुकानदार को लूटने के आरोप में 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली। हाल ही में जेल से रिहा हुए छह लोगों ने पहाड़ों की सैर पर जाने के लिए पैसे जुटाने के वास्ते दिल्ली के द्वारका इलाके में डकैती डालने का फैसला किया। उनकी साजिश हालांकि धरी की धरी रह गई क्योंकि वे अपने पहले शिकार को निशाना बनाने के कुछ ही देर बाद पुलिस के हत्थे चढ़ गए। बिंदापुर की जेजे कॉलोनी निवासी अपराधियों के गिरोह ने 12 नवंबर की शाम दक्षिण-पश्चिम इलाके में बंदूक के बल पर एक दुकानदार को लूट लिया था।पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने कहा, मुकेश नाम का एक किराना दुकानदार अपने स्कूटर से घर लौट रहा था, तभी बिंदापुर में डीडीए फ्लैट्स के पास उसे रोका गया। मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने उसे रोका और बंदूक के बल पर 50,000 रुपए लूट लिए। आरोपियों की पहचान साजिद, शोएब और राशिद के रूप में हुई।

विस सत्र में जनहित, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष सरकार को घेरेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा सत्र में भाजपा जनहित, भ्रष्टाचार, के मुद्दे पर दिल्ली सरकार को घेरेगी। नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को भाजपा विधायक दल की बैठक हुई जिसमें प्रस्ताव पारित कर यह निर्णय लिया गया कि 29 नवम्बर से बुलाये जा रहे सत्र में विपक्ष जनहित और विभिन्न क्षेत्रों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार का घेराव कर जवाब देने की मांग करेगा।

इसके अलावा सत्र में प्रश्न काल रखने की मांग भी की जायेगी। नेता प्रतिपक्ष के विधानसभा स्थित कार्यालय में आयोजित विधायक दल की बैठक में विधायक ओम प्रकाश शर्मा द्वारा रोहिंग्याओं को दिल्ली सरकार द्वारा वोटर कार्ड जारी करने के मुद्दे पर सरकार का विरोध करने के लिये प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसका सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया और इसे पारित कर दिया। विपक्षी विधायकों ने निर्णय लिया कि रोहिंग्या समेत अन्य ज्वलंत मुद्दों के आधार पर सत्र में आक्रामक रवैया अपनाते हुए आम आदमी पार्टी से उसका जवाब मांगा जायेगा। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि कैग की 12 रिपोर्ट्स को सदन में प्रस्तुत करने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जाएगा।

आप ने देश को मॉडल ऑफ गवर्नेंस दिया : केजरीवाल

● आप के संयोजक ने पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

आप की स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते अरविंद केजरीवाल।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आप के स्थापना दिवस पर मंगलवार को कहा कि पार्टी अपनी ईमानदारी और लोगों के प्यार के कारण मजबूत हुई है तथा संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आप की स्थापना संविधान दिवस पर हुई है। आप संयोजक ने कहा कि यह महज संयोग नहीं हो सकता कि हमारी पार्टी का गठन संविधान दिवस पर हुआ। ईश्वर जानते हैं कि संविधान खतरे में पड़ने वाला है। पार्टी के शासन के मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि यह आम आदमी पर केंद्रित है। केजरीवाल ने कहा, आप की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि हमने शासन का एक ईमानदार मॉडल दिया है। हमने दिल्ली के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाते हुए लोगों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं दी हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोग दिखावे के लिए झुग्गी बस्तियों में आते हैं लेकिन बाद में वहां घरों को ढहाने के लिए बुलडोजर भेज देते हैं। लोगों को इस तरह के पाखंड के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री आतिशी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और आप की विकासोन्मुखी राजनीति पर पार्टी के जोर देने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी ने 2020 में प्रदर्शित किया कि चुनाव विकास कार्य और ईमानदार शासन के बूते जीते जा सकते हैं। वर्ष 2015 से पहले, सरकारी स्कूलों के बंद करने की बात कही जा रही थी। आज, हमारे काम ने देश के अन्य राज्यों को भी शिक्षा प्रणाली को बेहतर करने के लिए प्रेरित किया है। यह दिल्ली मॉडल है।

एनसीसी के शूटिंग रेंज से निकलेंगे ओलंपिक खिलाड़ी

नई दिल्ली। रोहिणी सेक्टर-19 स्थिति एनसीसी कैडेट्स के शूटिंग रेंज से ओलंपिक खिलाड़ी निकलेंगे। प्रशिक्षण के लिए यह भूमिगत निशानेबाजी रेंज सातों दिन और पूरे साल खुला रहेगा। यहां 25 मीटर रेंज का ये फायरिंग रेंज बुलेट प्रूफ सीलिंग, 6 फायरिंग लेन सहित तमाम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। मुख्यमंत्री आतिशी ने एनसीसी कैडेट्स के लिए देश के पहले अंडरग्राउंड शूटिंग रेंज का उद्घाटन किया। आतिशी ने कहा कि, शूटिंग महंगा स्पोर्ट्स है, लेकिन पैसे खिलाड़ियों की प्रतिभा के आड़े न आए इसलिए, उनकी सरकार ने इस अत्याधुनिक शूटिंग रेंज की शुरुआत की है। युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, उन्हें उम्मीद है कि,अगला ओलंपिक गोल्ड इस शूटिंग रेंज से ट्रेनिंग लिए खिलाड़ी लेकर आयेंगे।

ट्रेड फेयर से चोरी पांच करोड़ साल पुरानी कलाकृति बरामद

● भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के स्टॉल से गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म को ऊंचे दामों पर बेचने के इरादे से किया था चोरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने भारत मंडपम में चले रहे अंतराष्ट्रीय व्यापार मेले से 50 मिलियन वर्ष पुरानी कलाकृति चोरी का पर्दाफाश करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के स्टॉल से गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म चोरी किया था। जांच टीम ने घटनास्थल और आसपास के स्टॉल में लगे करीब 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपी की पहचान की और उसे नोएडा से धर दबोचा। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी कलाकृति बरामद किया है। जब्त गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म का वजन 1 किलोग्राम है,जिसकी लंबाई-14 सेमी, चौड़ाई-10 सेमी और ऊँचाई-12 सेमी है। पुलिस उपायुक्त सुमित कुमार झा ने बताया कि भारत मंडपम के हॉल नबर-4 में खान मंत्रालय के भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का स्टॉल लगा है जहां पुरातन महत्व की दुर्लभ वस्तुओं का प्रदर्शन किया है। गत दिनों मंत्रालय के कर्मचारियों ने आईआईटीएफ पुलिस स्टेशन में 50 मिलियन वर्ष पुराने गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म की चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू की। इंस्पेक्टर राजेश कुमार, एसआई विपिन त्यागी, एसआई गुलाब, एचसी जय प्रकाश, एचसी अजय, कांस्टेबल दिनेश और कांस्टेबल सूर्या की टीम मामले की जांच के लिए गठित की गई थी।

जांच टीम ने घटनास्थल और आस-पास के स्टॉल, भारत मंडप, हॉल में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की और तकनीकी विश्लेषण का उपयोग करते हुए, उन्होंने आरोपी की पहचान की और उसे नोएडा सेक्टर-22 में छापेमारी कर मनोज कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया।

पूछताछ करने पर, आरोपी ने चोरी की बात कबूल कर ली और उसके कब्जे से गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म बरामद किया गया। साथ ही, उसके कब्जे से 21 नवंबर का टिकट भी जब्त किया गया, जिसका इस्तेमाल उसने ट्रेड फेयर में प्रवेश के लिए किया था। पूछताछ में मिश्रा ने बताया कि वह निजी कंपनी में काम करता है। उसकी विभिन्न कला में गहरी रुचि है। इसी के चलते वह व्यापार मेले में नियमित रूप से आता है। 21 नवंबर को उसने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के स्टॉल से गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म को ऊंचे दामों पर बेचने के इरादे से चुराया था। जांच में यह भी पता चला है कि उसका आपराधिक रिकार्ड नहीं है। पूछताछ करने पर पता चला कि वह फ्राउन प्लाजा, नोएडा का कर्मचारी है और विभिन्न कला रूपों में गहरी रुचि रखने वाले व्यापार मेले में नियमित रूप से आता है। गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म को बेचने के इरादे से चुराया था।

भारतीय संविधान देश के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिरूपः प्रो बद्रीनारायण

धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल भावना में निहितत्र प्रो एम पी दुबे संविधान दिवस पर प्रोफेसर एम पी दुबे की पुस्तक का हुआ विमोचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में मंगलवार को संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो सत्यकाम एवं प्रो बद्री नारायण ने पूर्व कुलपति प्रो एम पी दुबे द्वारा लिखित पुस्तक धर्म निरपेक्ष भारत संविधान के आईने की नजर से आजादी से अमृतकाल तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो बद्री नारायण निदेशक गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान झूंसी प्रयागराज द्वारा भारतीय संविधान एवं दलित मुक्ति विषय पर व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान भारत के लोगों के आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। जिसमें समय के साथ परिवर्तन का होना इसकी गत्यात्मकता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि संविधान कानून के रूप में फिर कानून नीति के रूप में परिवर्तित होता हुआ जन जीवन को प्रभावित करता है। उन्होंने व्यापक परिपेक्ष्य में संविधान की व्याख्या करते हुए बताया कि भारतीय संविधान समाज के परिधि के लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन करने का आधार रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो एम पी दुबे पूर्व कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने वक्तव्य में कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल भावना में निहित है। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता मात्र संविधान की प्रस्तावना में ही नहीं बल्कि संविधान के सभी भाग में समाहित हैं। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की व्यापक परिभाषा बताते हुए कहा कि धर्मनिरपेक्षता धर्म से अलगाव नहीं है बल्कि सर्वधर्म समभाव का व्यवहार है। उन्होंने कहा कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता पाश्चात्य धर्मनिरपेक्षता से अलग है। भारतीय संदर्भों में यह भारतीय मूल्यों से जनित है। उन्होंने कहा कि परिस्थिति के अनुरूप भारतीय संविधान में अब तक कुल 106 परिवर्तन हुए हैं और यह भारतीय संविधान की जीवंतता का प्रमाण है। अध्यक्षीय उद्बोधन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि भारतीय संविधान स्वतंत्र भारत की आशाओं से निर्मित सर्वोच्च विधान है जो सभी विचारधाराओं को समाहित करते हुए आगे बढ़ने की बात करता है। यह वह दिग्दर्शक है जो हमें सदैव राष्ट्र सेवा में कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की दिशा दिखाता है। उन्होंने यह विश्वास प्रकट किया की उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय संविधान के मूल्यों का अनुशरण करते हुए अपने कार्यों के निष्पादन में श्रेष्ठता स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है की आज हम संविधानिक व्यवस्था के अंतर्गत विश्व में एक सफल लोकतंत्र के रूप मे स्थापित हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने सभी को संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की सामूहिक शपथ दिलाई। कार्यक्रम संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन एवं संचालन आयोजन सचिव डॉ त्रिविक्रम तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आनलाइन प्रसारण प्रयागराज स्थित मुख्यालय सहित सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज लखनऊ कानपुर अयोध्या झांसी बरेली मेरठ गाज़ियाबाद वाराणसी आजमगढ़ गोरखपुर एवं आगरा पर किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के निदेशकों अधिकारियों शिक्षकों कर्मचारियों एवं शिक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्लास्टिक फ्री पंचायत बनाने की मुहिम शुरू

सोनभद्र। जिलें में प्लास्टिक फ्री ग्राम पंचायत बनाने की मुहिम की शुरुआत विकास खंड घोरावल, करमा, राबर्ट्सगंज, कोन, चतरा एवं नगवा के चयनित 35 ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं सफाई कर्मियों के प्रशिक्षण के साथ जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण ने किया। पीआरसी सेंटर में आयोजित प्रशिक्षण में जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण ने बताया कि प्रत्येक विकास खंड से 5 ग्राम पंचायत का चयन किया गया है जिसमें इन गांवों को प्लास्टिक फ्री बनाना है इसके लिए अभियान को 5 चरणों में बाटा गया है। जो गांव प्लास्टिक फ्री बनाए जाएंगे उन गांवों को प्राथमिकता के आधार पर जनपद को प्राप्त होने वाले पुरस्कारों में प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना और पंचायत शसक्तीकरण योजना में भी उस गांव का चयन प्लास्टिक के द्वारा राजस्व बढ़ाने पर इन पंचायतों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। ग्राम प्रधानों ने आश्वासन दिया कि गांव को प्लास्टिक फ्री गांव बनाएंगे। डीसी अनिल केसरी नें कहाकि प्लास्टिक फ्री ग्राम पंचायत बनाना एक महान कार्य होगा। जिससे हम ग्राम पंचायत का नाम प्रदेश और देश स्तर पर ऊंचा कर सकते है। द्वितीय चरण में सभी घरों पर बोरी लगाकर उनसे अपील की जाए कि सभी लोग अपने प्लास्टिक को इस बोरी में रखें। तृतीय चरण में ग्राम पंचायत में ई-रिक्शा के माध्यम से उन प्लास्टिकों को बोरियों से संकलित किया जाए। तत्पश्चात ग्राम पंचायत में निर्मित आरआरसी पर प्लास्टिक को रखा जाएगा।

इफ्को के प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित

प्रयागराज। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता समिति आइसीए की ओर से मंगलवार को इफ्को के प्रबंध निदेशक सीईओ डा उदय शंकर अवस्थी को रोशडेल पायनियर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मंगलवार को भारत मण्डपम नई दिल्ली में प्रधान किया गया। प्रबन्ध निदेशक के सम्मानित होने पर इफ्को फूलपुर में खुशी की लहर दौड़ गई। कर्मचारियों और अधिकारियों ने एक दूसरे को बधाई दी। इफ्को फूलपुर के कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने बताया कि आज भारतीय सहकारी समितियों की न केवल सहकार शक्ति पूरी दुनिया में यशस्वी हुई बल्कि यह इफ्को परिवार के लिए भी गौरवशाली क्षण है। इस पुरस्कार से भारत की आठ लाख सहकारी समितियों के साथ उनसे जुड़े लोग अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। बता दें कि आइसीए बोर्ड ने साल दो हजार में रोशडेल पायनियर्स अवार्ड की स्थापना की। यह पुरस्कार किसी उस व्यक्ति या सहकारी संगठन को दिया जाता है। जिसका अभिनव अभूतपूर्व और वित्तीय रूप से टिकाऊ सहकारी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान हो।यह गर्व की बात है कि पहला पुरस्कार 2001 में श्वेतक्रांति के जनक भारत के डॉ वर्गीस कुरियन को दिया गया। 23 वर्षों की रिक्ति को भरते हुए डॉ अवस्थी दूसरे भारतीय है। सहकारिता के प्रति समर्पित डॉ उदय शंकर अवस्थी इफ्को को उर्वरक उद्योग में वैश्विक अगुआ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसका 105 देशों के प्रतिनिधि साथी बने। इस उपलब्धि पर इफ्को फूलपुर में जश्न का माहौल है। आल इंडिया इफ्को आफिसर्स फेडरेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी इफ्को फूलपुर अधिकारी संघ के अध्यक्ष अनुराग तिवारी महामंत्री स्वयं प्रकाश कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पांडेय महामंत्री विजय यादव एचआर प्रमुख शंभू शेखर अधिकारियों कर्मचारियों ने एक दूसरे को बधाई दिए। बताया कि रोशडेल पायनियर सम्मान हर इफ्को कर्मचारी की निजी उपलब्धि है।

देश की हर समस्या का समाधान संविधान में: केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर संविधान गौरव महोत्सव दिवस के रूप में मनाएगी। जो 26 नवंबर से लेकर 26 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। जिसका शुभारंभ भाजपा महानगर तक राजेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संविधान की पुस्तक लेकर और बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने देश की हर समस्या का समाधान संविधान में पिरोया है और सब का साथ सबका विकास सबका सम्मान और समान रूप से न्याय सबको अधिकार दिया है और कहा कि जैसे भारतीय जनता पार्टी ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। उसी प्रकार संविधान दिवस की अमृत कल मनाएगी और हर कार्यकर्ता अपने घर पर संविधान की पुस्तक सम्मान के साथ रखेंगी और पढ़ेगा। कार्यक्रम के संयोजक मृत्युंजय तिवारी ने उप मुख्यमंत्री को संविधान की पुस्तक देकर सम्मानित किया। इस अवसर भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा महापौर गणेश केसरवानी विधायक गुरु प्रसाद मौर्य कुंज बिहारी मिश्रा वरुण केसरवानी राजेश केसरवानी विवेक मिश्रा विवेक अग्रवाल प्रमोद मोदी प्रशांत शुक्ला कुलदीप तिवारी दीप द्विवेदी राकेश भारती मनोज कुशवाहा आदि कार्यकर्ता रहे।

संविधान की प्रस्तावना का कराया गया पाठ

अंबेडकर नगर ।जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधू वर्मा की उपस्थिति में संविधान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम जिला पंचायत अध्यक्षए जिलाधिकारीए अपर जिलाधिकारी तथा कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारी ध्कर्मचारियों द्वारा डॉण् भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन आजाद भारत के लिए इतिहास का सबसे बड़ा दिन था। इसी दिन संविधान बनकर पूरा हुआ था और भारत का संविधान अपनाया गया थाए अंग्रेजों के संविधान को खत्म करके भारत का संविधान लागू किया गया था। इसीलिए 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है और आज के दिन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस आयोजित किया गया है। अपर जिलाधिकारी द्वारा सभी को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया गया है.

'हमए भारत के लोगए भारत को एक ख्सम्पूर्ण प्रभुत्व.सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य, बनाने के लिएए तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिकए आर्थिक और राजनैतिक न्यायए विचारए अभिव्यक्तिए विश्वासए धर्म और उपासना की स्वतंत्राताए प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिएएतथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और खाष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बरए 1949 ई0 को एत ?द्वारा इस संविधान को अंगीकृतए अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।' अपर जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष तथा जिलाधिकारी की उपस्थिति में अधिकारियों.कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई गई। 'हम सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञान करते हैं कि भारत केसंविधान में दिए गए मूल कर्तव्यों का पालन करेंगे।संवैधानिक आदर्शोंए संस्थाओंए राष्ट्रध्वज व राष्ट्रीय प्रतीकों का आदर करेंगे।देश की संप्रभुता अखण्डता की रक्षा करेंगे।महिलाओं का सम्मान करेंगे।हिंसा से दूर रहकर बंधुता बढ़ाएगे।सामासिक संस्कृति का संवर्द्धन व पर्यावरण का संरक्षण करेंगे।वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करेंगे।सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करेंगे।व्यक्तिगत व सामूहिक गतिविधि में उत्कृष्टता बढ़ाएगें।

ग्राम प्रधान के घर पहुंचकर मंत्री अनिल राजभर ने जताया संवेदना

सकलडीहाध्यन्दौली ।भाजपा किसान मोर्चा चंदौली के जिला उपाध्यक्ष व खड़ेहरा गांव के प्रधान 52 वर्षीय दीनबंधु राजभर की रविवार को कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के आवास से बाइक से वापस घर आते समय चांदमारी के समीप सड़क हादसे में मौत होगयी। घटना की जानकारी होने पर परिजनों व शुभचिंतकों में कोहराम मच गया। सोमवार की देर रात मंत्री अनिल राजभर प्रधान के घर पहुंचकर परिजनों को ढ़ाढस दिया। हर संभव सहयोग का भरोशा दिया।सकलडीहा कोतवाली के खड़ेहरा गांव निवासी स्वण्दीनबंधु राजभर खड़ेहरा गांव के प्रधान के साथ भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष व बूथ अध्यक्ष थे। बीते दिनों मझवा उपचुनाव में मिली जीत की खुशी मनाने के लिये दीनबंधु राजभर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के आवास पर पहुंचे थे। रविवार को सुबह घर लौटते समय वाराणसी चांदमारी के समीप अचाकन बाइक असंतुलित होने पर गिर जाने से अचेत होगये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे मंत्री के परिवार के लोगों ने आनन फानन में शिवपुर हास्पीटल ले गये। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। मंत्री अनिल राजभर सोमवार की देर शाम घर पहुंचकर पुत्र सचिनएमनीष उर्फ सन्नीए सुशील पत्नी सुमित्रा देवी सहित परिवार के लोगों ढाढ़स देते हुए हर संभव सहयोग का भरोशा दिया। कहा कि परिवार पर कभी भी कोई आंच आने नही देंगे। इस मौके पर संजय सिंहएरवि श्रीवास्तवएपूर्व प्रधान बाबूलालएरतेन्द्र राजभरएबबलूए अरविंद राजभरएरिंकू राजभरएप्रितेश राजभरए धीरजएडाण् मनोज सहित अन्य रहे।

भाजपा नें मनाया संविधान गौरव दिवस

सोनभद्र। संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष नंदलाल की अध्यक्षता में संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम को भारत माता व संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और संविधान की प्रस्तावना के चित्र पर पुष्प अर्पित करके मनाया गया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना है कि हम भारत के लोग भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्म निरपेक्ष,लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपने इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित आत्म अर्पित करते है। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे धर्मवीर तिवारी ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता संतोष शुक्ला यादवेंद्र द्विवेदी अनिल सिंह ओमप्रकाश दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैंसर की रोकथाम के लिए अब अनिवार्य टीकाकरण की सिफारिश

वाराणसी। सर्वाइकल कैंसर दुनिया भर में महिलाओं में कैंसर का चौथा सबसे बड़ा कारण है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में सर्वाइकल कैंसर के कुल मामलों में से लगभग 9804: के लिए कुल नौ प्रकार के ह्यूमन पेपिलोमावायरस ;एचपीवीद्ध जिम्मेदार हैं। यह 15.44 वर्ष की आयु वर्ग की भारतीय महिलाओं को प्रभावित करने वाले कैंसरों में से दूसरा बड़ा कारण है। एचपीवी संक्रमण के लिए उम्र एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक बनता है और 15 से 25 वर्ष की आयु की किशोरियां और युवा लड़कियांइसके लिए सबसे अधिक संवेदनशील होती हैं।अधिकांश नए मामलें भी इसी वर्ग में पाए जाते हैं। ये दिशानिर्देश गर्भाशय कैंसर को प्रभावी ढंग से रोकने में महिलाओं और अन्य उच्च जोखिम वाले समूहों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रदान करते हैं। लक्षित आयु समूहों की महिलाओं में अनिवार्य एचपीवी टीकाकरण पर सर्वोत्तम तौर.तरीकों तथा सिफारिशों पर आम सहमति पत्र आरसीओजी के एआईसीसी द्वारा प्रस्तुत किया गया।एआईसीसीआरसीओजी की अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉण् उमा राम ने सर्वसम्मति से की गई सिफारिशों के बारे में कहाए विशेष रूप से कमज़ोर समूहों के बीचए एचपीवी संक्रमण के जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, एचपीवी से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए आवश्यक है।

वाहन के चपेट में आने से वृद्ध की मौत

बीजपुर/सोनभद्र। बीजपुर-रेनुकूट मार्ग पर बकरिहवां में सोमवार व मंगलवार की दरम्यानी रात्रि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से लगभग 55 वर्षीय एक वृद्ध की मौत हो गई। मामले की जानकारी मंगलवार की सुबह किसी ने बीजपुर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक वृद्ध के शव को कब्जे में लेकर उसे एनटीपीसी रिहंद स्टेशन के धन्वंतरि चिकित्सालय के शवगृह में रखवा कर उसके पहचान के प्रक्रिया में जुट गई है।

70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों को अब अलग से मिलेगा पांच लाख का कवर

मीरजापुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत वर्तमान परिवारों के 70 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के समस्त वरिष्ठ नागरिकों को पृथक से पांच लाख रूपए तक का टॉप अप कवर प्रदान किया जाएगा। यह टापअप उनके परिवार के अन्य सदस्यों को मिलने वाली पांच लाख रुपए तक की धनराशि के अतिरिक्त होगा। इसलिए 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्ग जल्द से जल्द अपने आयुष्मान कार्ड बनवा लें। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी एल वर्मा ने बताया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गोंए चाहे उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति कैसी भी होए को इस योजना का लाभ मिलेगा। ऐसे परिवार जो वर्तमान में योजना से आच्छादित नहीं हैंए उनके 70 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के बुजुर्गों को पांच लाख रूपए प्रति परिवार प्रति वर्ष का कवर फ्लोटर आधार पर अनुमन्य होगा।

यह टापअप उनके परिवार के अन्य सदस्यों को मिलने वाली पांच लाख रुपए तक की धनराशि के अतिरिक्त होगा, अन्य वृद्ध भी बनवाएं अपने आयुष्मान कार्ड

जिला कार्यक्रम समन्वय डॉ संजीव पाठक ने बताया कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य स्वास्थ्य बीमा योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान एवं अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को वर्तमान योजना में बने रहने अथवा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के अन्तर्गत सम्मिलित होने का विकल्प चयनित करने के लिए एक ही बार अवसर प्रदान किया जाएगा। 70 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकए जिन्होंने निजी स्वास्थ्य बीमा का लाभ ले रखा है अथवा ईएसआईसी के लाभार्थी हैंए उन्हें भी इस योजना का लाभ अनुमन्य होगा।

उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जिले में 19 सरकारी व प्राइवेट अस्पताल सूचिबद्ध हैं। जिले में 36 से अधिक आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। इस योजना के तहत 26 विशेषताओं से संबंधित बीमारियों के 1900 से अधिक पैकेज के अंतर्गत नि:शुल्क इलाज दिया जाता है।

सभी को करना चाहिय संवैधानिक मूल्यों की स्थापना का प्रयास- बीएन सिंह

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मुख्यमंत्री द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर लखनऊ से प्रसारित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया, भारत माता व संविधान निर्माता डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर संविधान दिवस के अवसर पर शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम में अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा भारत के संविधान को अंगीकृत किये जाने को लेकर संविधान के संवैधानिक मूल्यों एवं मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिलाधिकारी नें संविधान दिवस के अवसर पर सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन एक विशिष्ट दिन के रूप में याद किया जाता है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में संवैधानिक मूल्यों की स्थापना में विशिष्ट प्रयास किये जा रहे हैं। हम सभी को भी संवैधानिक मूल्यों की स्थापना का प्रयास करना चाहिये, जिससे आम जनमानस के जीवन को बेहतर बनाया जा सके। कार्यक्रम में एडीएम सहदेव कुमार मिश्र, रोहित यादव, जगरूप सिंह पटेल द्वारा संविधान के विभिन्न तथ्यों एवं पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। जनपद न्यायालय, समस्त कार्यालयों, तहसीलों, ब्लाकों, ग्राम पंचायतों, शिक्षण संस्थानों आदि में संविधान दिवस के अवसर पर प्रस्तावना का पाठ का वाचन कर संविधान की शपथ दिलायी गयी तथा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विकास भवन सभागार में भी प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा भारत माता व संविधान निर्माता डॉ0 भीम राव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर संविधान की प्रस्तावाना के पाठ का वाचन कर शपथ दिलायी गयी तथा संगोष्ठी का भी आयोजन किया।

संविधान दिवस पर पुलिकर्मियों ने लिया दृढ़ संकल्प

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना परिसर में संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र ने पुलिस कर्मियों को व्यक्ति की गरिमा व अखंडता आदि के लिए दृढ़ संकल्प दिलवाया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को दृढ़ संकल्प दिलवाया कि भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति विश्वाश धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब मे व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प लेते हैं। इस अवसर पर अपराध शाखा के निरीक्षक राकेश कुमार सिंह उप निरीक्षक दुनिया सिंह व अन्य पुलिसकर्मी तथा होमगार्ड के जवान मौजूद थे। इसी कड़ी में डीएवी पब्लिक स्कूल एनटीपीसी रिहंदनगर में भी संविधान दिवस मनाया गया। संविधान दिवस के अवसर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर प्राचार्य राजकुमार ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी बाबा साहब के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

अब राजमहलों को मात देते हुए वीआईपी कैम्प बढ़ाएंगे महाकुंभ की शोभा

07 अखाड़ों का घेरा तैयारए 09 थाने और 05 चौकियों का काम अंतिम चरण में,योगी सरकार के निर्देश पर देश दुनिया के संतों की अभूतपूर्व व्यवस्था

प्रयागराज। महाकुम्भ को लेकर योगी सरकार के निर्देश पर देश दुनिया के संतों और श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज में अभूतपूर्व इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस बार के महाकुंभ को दिव्य नव्य और भव्य बनाने में अफसर दिन रात जुटे हैं। जैसे जैसे महाकुंभ की पवित्र घड़ी नजदीक आती जा रही है वैसे वैसे मेला अपना आकार लेता जा रहा है। मेला क्षेत्र में 07 अखाड़ों का घेरा बनाकर तैयार किया जा चुका है। साथ ही 09 थाने और 05 चौकियों के निर्माण का काम अपने अंतिम चरण में है। इसके अलावा 09 ऐसे वीआईपी कैम्प भी बनाए जा रहे हैं। जो बड़े बड़े राजमहलों को मात दे दें। देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ये कैम्प आकर्षण का केंद्र होंगे। इनमें 14ए28 फीट के आकर्षक कमरे बनाए जा रहे हैं। जिनमें जरूरत के हर इंतजाम मौजूद रहेंगे। संत महात्मा के साथ ही देश विदेश के 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के महाकुम्भ में पहुंचने का अनुमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहते हैं कि इस बार के महाकुम्भ को सांस्कृतिक दृष्टि से अविस्मरणीय बनाया जाए। सीएम योगी के निर्देश पर अफसर रात दिन मौके पर खुद खड़े होकर काम करवाते देखे जा सकते हैं। सबसे खास बात ये है कि श्रद्धालुओं को मेले के प्रवेश द्वार पर ही अद्भुत नजारे देखने को मिलेंगे। यहां जगह जगह सौ फीट लंबे प्रवेश द्वार बनाए जाने की योजना है जो अपनी सांस्कृतिक विरासत का जीवंत दृश्य प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही वीआईपी कैम्प को महाराजा टेंट की स्टाइल में बनाया जा रहा जो पर्यटकों के लिए अच्छा खासा आकर्षण बनने जा रहा है। अरैल में काम सबसे तेज गति से चल रहा है। इसके अलावा सर्किट हाउस के काम ने भी गति पकड़ ली है। यहां तीन थाने अरैल में बनाए जा चुके हैं। झूंसी की पुलिस लाइन का भी काम दिन रात चल रहा है। बहुत जल्द इनका काम पूरा होते ही समुद्रकूप से लेकर साधु कुटी तक विभिन्न सेक्टरों में मेला क्षेत्र जगमगा उठेगा। देश विदेश से आने वाले संतों और श्रद्धालुओं के लिए कैम्प बनाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। यहां पर जो कैम्प बनाए जा रहे हैं उनमें स्टील के फ्रेम और लोहे की पाइप का इस्तेमाल किया जा रहा है। पूरा प्रोसेस कैंप की आज सज्जा के साथ ही इसके बेस को मजबूत बनाने पर है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

लोगों के बीच जगह बनाने की हुई पहल

प्रयागराज। नया शो जाने अनजाने हम मिले अपनी दमदार कहानी और शानदार डायलॉग्स के चलते दर्शकों को बांधे हुए है। जी टीवी के शो में भरत अहलावत और आयुषी खुराना की जोड़ी ने फैंस के बीच खास जगह बना ली है। अब यह नई जोड़ी दर्शकों की फेवरेट बन चुकी है और सभी इन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जो ऑनस्क्रीन एक दूसरे के कट्टर दुश्मन हैं वह ऑफस्क्रीन गहरे दोस्त भी हो सकते हैं लेकिन भरत और आयुषी के मामले में यही सच है। उनके किरदार रीत और राघव स्क्रीन पर एक दूसरे के बिलकुल खिलाफहैं। लेकिन जैसे ही डायरेक्टर कट बोलते हैं दोनों गहरे दोस्तों की तरह घुल मिल जाते हैं।

संविधान दिवस

राष्ट्र की आत्मा

हर साल 26 नवंबर को भारत संविधान दिवस मनाता है। यह दिन 1949 में भारतीय संविधान को अपनाने की याद दिलाता है, जो एक ऐतिहासिक घटना थी जिसने भारत के लोकतांत्रिक लोकाचार की नींव रखी। जैसा कि हम इस महत्वपूर्ण अवसर पर विचार करते हैं, इस कानूनी दस्तावेज के निर्माण, कार्यप्रणाली और भविष्य की चुनौतियों को समझना अनिवार्य है जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लिए मार्गदर्शक शक्ति रहा है। भारत की विविधता और जटिलताओं को देखते हुए भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करना एक असाधारण उपलब्धि थी। 1947 में स्वतंत्रता के बाद, 299 सदस्यों वाली संविधान सभा ने एक नए स्वतंत्र लेकिन विविधतापूर्ण राष्ट्र के लिए संविधान तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर ने मसौदा समिति की अध्यक्षता की और सुनिश्चित किया कि यह दस्तावेज न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व को प्रतिबिंबित करे। मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया को पूरा करने में सभा को 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे, जिसके दौरान इसने विस्तृत बहस और विचार-विमर्श किया। संयुक्त राज्य अमेरिका, आयरलैंड और कनाडा जैसे विभिन्न देशों के संविधानों से प्रेरणा लेते हुए, भारतीय संविधान ने सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया और उन्हें भारतीय वास्तविकताओं के अनुरूप ढाला। 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू हुआ, जिसने भारत गणराज्य के जन्म को चिह्नित किया। भारतीय

संविधान, अपने 448 अनुच्छेदों, 12 अनुसूचियों और कई संशोधनों के साथ, दुनिया के सबसे विस्तृत संविधानों में से एक है। इसकी मुख्य ताकत इसकी लचीलापन और अनुकूलनीयता में निहित है। अपने मूलभूत सिद्धांतों में कठोर होने के बावजूद, यह उभरते सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों को संबोधित करने के लिए संशोधनों की अनुमति देता है। अपने गोद लेने के बाद से, संविधान ने राष्ट्र को विभाजन, आर्थिक संकट और सामाजिक उथल-पुथल सहित कई चुनौतियों के माध्यम से मार्गदर्शन किया है, जिससे निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित हुई है। अपनी सफलता के बावजूद, भारतीय संविधान कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत को संसाधन आवंटन, विधायी शक्तियों और प्रशासनिक स्वायत्तता को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच बढ़ते तनाव का सामना करना पड़ रहा है, जबकि संवैधानिक संरक्षक के रूप में न्यायपालिका की भूमिका के बावजूद न्यायिक सक्रियता और पारदर्शिता के बारे में चिंताएँ बनी हुई हैं। धनबल, राजनीति का अपराधीकरण और घटता मतदाता मतदान जैसे मुद्दे तत्काल सुधार की मांग करते हैं। साथ ही, संवैधानिक सुरक्षा उपायों के बावजूद जाति-आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और क्षेत्रीय असमानताएं देश की प्रगति को कमजोर कर रही हैं। डिजिटल युग में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। जैसे-जैसे भारत एक गणतंत्र के रूप में अपनी शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए संस्थानों को मजबूत करके, सहभागी लोकतंत्र को बढ़ावा देकर, धर्मनिरपेक्ष और बहुलवादी लोकाचार को कायम रखते हुए और यह सुनिश्चित करके संविधान के आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करने की सख्त जरूरत है कि संवैधानिक संशोधन इसके मूल सिद्धांतों को संरक्षित करें।

राजनीति में लैंगिक पूर्वाग्रह

दुनिया पितृसत्तात्मक मानसिकता, लिंगवाद और श्रम के लैंगिक विभाजन में गहराई से उलझी हुई है। मुख्य राजनीतिक कार्यकारी के रूप में महिलाओं की हिस्सेदारी अभी भी पुरुषों की तुलना में अधिक है।

अर्चना दत्ता
(लेखिका दूरदर्शन की पूर्व महानिदेशक हैं)

डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी बार चुनावी जीत के बाद, एक प्रमुख अमेरिकी दैनिक ने पांच हजार से अधिक महिला मतदाताओं के बीच उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए एक सर्वेक्षण किया। उनमें से अधिकांश ने 'अधिकारों' के ह्रास और 'उनके प्रजनन भविष्य' के बारे में चिंता व्यक्त की, और 'दुख', 'डरावना', 'निराशा', 'पीड़ा', 'विश्वासघात' और 'दिल टूटने' जैसी भावनाओं को व्यक्त किया। कुछ पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की टिप्पणियों में भी निराशा दिखी, क्योंकि उनमें से कई ने महसूस किया कि उनकी आवाज़ 'पहले से कहीं ज़्यादा दबा दी गई' और उन्हें 'खाली हाथ' छोड़ दिया गया। जबकि एक 36 वर्षीय महिला ने अफसोस जताया कि 'यह स्पष्ट है कि पुरुष सत्ता पर कब्ज़ा करना चाहते थेज इस चुनाव में लिंगभेद ने जीत हासिल की'। जबकि, एक अन्य प्रमुख अमेरिकी दैनिक ने हैरिस की हार का कारण 'गर्भपात के अधिकार' और 'लोकतंत्र की सुरक्षा' जैसे मुद्दों पर उनके ज़्यादा ज़ोर देना और अर्थव्यवस्था या आव्रजन की स्थिति पर पर्याप्त ध्यान न देना बताया, जिसे कई अमेरिकी सबसे ज़्यादा दबाव वाले मुद्दे मानते हैं। दूसरी ओर, हैरिस ने अपने समर्पण भाषण में अपने समर्थकों से सतर्क रहने और अपने मूल्यों के लिए लड़ते रहने का आग्रह किया। फिर भी, प्रजनन स्वतंत्रता के लिए काम करने वाले कई गैर-लाभकारी संगठनों ने डेमोक्रेट्स से %अपनी पार्टी और राष्ट्र दोनों के भीतर लिंगभेद का सीधे सामना करने के लिए एक दीर्घकालिक योजना विकसित करने का आग्रह किया - जिसने हैरिस और हिलेरी क्लिंटन दोनों को बाधित किया%, जो एक प्रमुख पार्टी के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन जीतने वाली एकमात्र महिला हैं। अमेरिका में, 2023 में महिलाओं ने कांग्रेस की 28 प्रतिशत सीटों पर कब्जा कर लिया, जबकि डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पर बढ़त हासिल की, 41 प्रतिशत सीटों के साथ, और रिपब्लिकन के पास केवल 15.4 प्रतिशत सदस्य थे।

महिलाएँ सभी राज्य विधायकों में 32.7 प्रतिशत हैं, डेमोक्रेट में 48 प्रतिशत और रिपब्लिकन में 20 प्रतिशत हैं। डेमोक्रेटिक महिलाएँ 26 राज्य विधानसभाओं में डेमोक्रेटिक पुरुषों के बराबर या उससे ऊपर हैं। जबकि रिपब्लिकन महिलाएँ सभी राज्यों में रिपब्लिकन पुरुषों के बराबर नहीं हैं, 47 राज्य विधानसभाओं में रिपब्लिकन सीटों का एक तिहाई या उससे कम हिस्सा रखती हैं। अध्ययनों ने टिप्पणी की है कि पार्टियों में लिंग भूमिकाओं के बारे में प्रचलित मान्यताएँ और दृष्टिकोण राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नियंत्रित करते हैं, और रूढ़िवादियों के बीच अधिक पारंपरिक धारणा बनी हुई है कि %महिलाओं की सफलता पुरुषों की कीमत पर है% (रटगर्स विश्वविद्यालय में अमेरिकी महिला और राजनीति केंद्र)। हालाँकि, यह केवल यूएसए ही नहीं है जिसने कभी भी सर्वोच्च राजनीतिक पद पर किसी महिला को नहीं चुना, बल्कि स्वीडन जैसे कई सबसे सामाजिक और आर्थिक रूप से उन्नत देशों में, अधिकांश संस्थानों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व का अच्छा रिकॉर्ड होने के बावजूद, संसद में 47.5 प्रतिशत और मंत्रिपरिषद में 54.5 प्रतिशत, कभी भी प्रधान मंत्री के रूप में एक महिला नहीं रही है। पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया के देशों ने राजनीतिक सशक्तिकरण (ड्ढश्वस्न) में काल्पनिक 100 प्रतिशत लिंग अंतर का केवल 15 प्रतिशत ही बंद किया है। जबकि भारत, सबसे बड़ा लोकतंत्र, वर्तमान लोकसभा में महिलाओं की बहुत कम उपस्थिति (13.62 प्रतिशत) है। पिछले साल एक कानून पारित किया गया था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की गई थीं, लेकिन इसका क्रियान्वयन निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने तक स्थगित कर दिया गया है। भारत में एक महिला प्रधानमंत्री और दो महिला राष्ट्रपति थीं। लेकिन, गहरी संरचनात्मक और प्रणालीगत कठिनाइयों (राजे, 2019) ने महिलाओं का खराब प्रतिनिधित्व किया, जिसके परिणामस्वरूप शासन और निर्णय लेने में 'लोकतांत्रिक कमी' हुई (रहमान और राव, 2004)। भारत ने 90 के दशक की शुरुआत से ही ग्रामीण-शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की, फिर भी, कई सर्वेक्षणों में पाया गया कि अधिकांश महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों ने 'लिंग-आधारित भेदभाव' की सूचना दी, और कई स्थानों पर, उनके पुरुष रिश्तेदारों, विशेष रूप से पतियों ने 'प्रॉक्सी' भूमिकाएँ निभाईं। राजनीति में इस असमान शक्ति समीकरण के कारणों की व्याख्या करते हुए, अध्ययनों (फॉक्स और लॉलेस, 2004) ने स्पष्ट किया कि 'महत्वाकांक्षा में लिंग अंतर' है, क्योंकि राजनीतिक उम्मीदवारों के रूप में आवश्यक पेशेवर और आर्थिक साख वाली कई योग्य महिलाएँ अक्सर 'कार्यकारी कार्यालयों के लिए दौड़ने के लिए कम प्रोत्साहित महसूस करती हैं और उनका मानना है कि वे पुरुषों की तुलना में ऐसे कार्यालयों के लिए कम योग्य हैं'।

> **साक्ष्य यह भी बताते हैं कि महिलाओं का राजनीतिक करियर अक्सर 'पारिवारिक और संबंधपरक विचारों' से प्रभावित होता है, और यदि उन्हें अपने करियर की उपलब्धियों के लिए अधिक लागत का सामना करना पड़ता है, तो वे ऐसे उद्देश्यों को पूरा करने से कतराती हैं। साथ ही, अन्य शोधकर्ताओं ने मतदाताओं के पूर्वाग्रह और भेदभाव की ओर इशारा किया जो महिलाओं की चुनावी संभावनाओं में मात्रात्मक रूप से मायने रखते हैं। यहां तक कि राजनीतिक दल के नेता भी गेट-कीपर के रूप में कार्य करते हैं, यदि वे महिलाओं के प्रति मतदाताओं के पूर्वाग्रह के बारे में जानते हैं, और वोट-अधिकतम करने की रणनीति के रूप में महिला दावेदारों के बजाय पुरुष उम्मीदवारों को बढ़ावा देने के इच्छुक हैं।**

साक्ष्य यह भी बताते हैं कि महिलाओं का राजनीतिक करियर अक्सर 'पारिवारिक और संबंधपरक विचारों' से प्रभावित होता है, और यदि उन्हें अपने करियर की उपलब्धियों के लिए अधिक लागत का सामना करना पड़ता है, तो वे ऐसे उद्देश्यों को पूरा करने से कतराती हैं। साथ ही, अन्य शोधकर्ताओं ने मतदाताओं के पूर्वाग्रह और भेदभाव की ओर इशारा किया जो महिलाओं की चुनावी संभावनाओं में मात्रात्मक रूप से मायने रखते हैं। यहां तक कि राजनीतिक दल के नेता भी गेट-कीपर के रूप में कार्य करते हैं, यदि वे महिलाओं के प्रति मतदाताओं के पूर्वाग्रह के बारे में जानते हैं, और वोट-अधिकतम करने की रणनीति के रूप में महिला दावेदारों के बजाय पुरुष उम्मीदवारों को बढ़ावा देने के इच्छुक हैं (एस्टेव-वोलार्ट और बैग्स (2012)। फिर भी, पश्चिमी यूरोप में विश्व मूल्य सर्वेक्षण (2017-2020) की नवीनतम लहर के आंकड़ों से पता चला है कि 20 प्रतिशत से भी कम सर्वेक्षण उत्तरदाताओं ने इस कथन से सहमति व्यक्त की है कि पुरुष महिलाओं की तुलना में बेहतर राजनीतिक नेता बनाते हैं।

अब, इसका समाधान क्या है? स्वीडन (बेस्ले एट अल., 2017) जैसे विभिन्न देशों में उम्मीदवारों की सूची में लैंगिक कोटा लागू करना महिलाओं को सशक्त बनाने और निर्वाचित राजनेताओं की गुणवत्ता में सुधार करने में कमोबेश प्रभावी है, खासकर उम्मीदवारों की सूची की संरचना को विनियमित करके (कैम्पा और हॉसर, 2020)। कई लोगों ने यह भी सुझाव दिया कि एक संयुक्त राजनीतिक-आर्थिक रणनीति जो श्रम बाजार में महिलाओं के समावेश पर जोर देती है, और जोड़ों के भीतर आर्थिक भूमिकाओं का पुनर्वितरण करती है, लैंगिक-भूमिका दृष्टिकोण को बदल सकती है और महिलाओं को राजनीतिक सत्ता के पदों पर प्रवेश करने में मदद कर सकती है (फोल्के और रिकने, 2020 और कैम्पा और सेराफिनेली, 2019)। चूंकि दुनिया पितृसत्तात्मक मानसिकता, लिंगवाद और श्रम के लैंगिक विभाजन में गहराई से उलझी हुई है, मुख्य राजनीतिक कार्यकारी के रूप में महिलाओं की हिस्सेदारी अभी भी पुरुषों की तुलना में 9 से 1 से अधिक है।

भारत में चिकित्सा पर्यटन

> **"विदेश में रहने वाले भारतीय प्रवासी भी सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल के लिए तेजी से भारत लौट रहे हैं।"**

आरके सिन्हा
(लेखक, राज्यसभा के पूर्व सांसद हैं)

हाल ही में, ब्रिटेन के राजा चार्ल्स अपनी पत्नी, रानी कैमिला के साथ एक निजी यात्रा पर भारत आए। अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान, वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक समग्र स्वास्थ्य केंद्र में रुके, जहाँ उन्होंने योग, ध्यान सत्र और योग चिकित्सा में भाग लिया। यह दर्शाता है कि सामान्य रोगियों से लेकर राजघरानों तक, वैश्विक अभिजात वर्ग भी भारत के आधुनिक डॉक्टरों और पारंपरिक उपचार विधियों से अच्छे स्वास्थ्य और युवावस्था को बनाए रखने के लाभों को महसूस कर रहे हैं। हाल के वर्षों में, भारत हृदय रोग, हड्डी के विकार, किडनी और लीवर प्रत्यारोपण, दंत चिकित्सा, कैंसर और यहां तक कि लाइलाज मानी जाने वाली बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन गया है। मरीज न केवल दक्षिण एशियाई देशों से बल्कि अफ्रीका, मध्य एशिया, खाड़ी देशों और यहां तक कि पश्चिमी देशों से भी हर साल लाखों की संख्या में आ रहे हैं। सस्ती और सफल आधुनिक चिकित्सा उपचारों के साथ-साथ आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आहार विज्ञान और बाजरा आधारित चिकित्सा जैसी पारंपरिक भारतीय उपचार पद्धतियाँ विदेशी रोगियों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं। उदाहरण के लिए, केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री, रैला ओडिंगा की बेटी ने केरल के एर्नाकुलम में श्रीधरेयम आयुर्वेदिक नेत्र अस्पताल में उपचार प्राप्त करने के बाद अपनी दृष्टि वापस पा ली।

इस सफलता के कारण भारत में आयुर्वेदिक उपचार चाहने वाले पूर्वी अफ्रीका के रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। देहरादून की अपनी लगातार यात्राओं के दौरान, मैं अक्सर उड़ानों और ट्रेनों में सभी उम्र और व्यवसायों के पुरुषों और महिलाओं से मिलता हूँ। उनमें से कई दो सप्ताह से लेकर तीन महीने तक के प्रवास के लिए हरिद्वार, ऋषिकेश और देहरादून जैसे स्थानों पर आश्रमों या स्वास्थ्य केंद्रों की ओर जाते हैं।

उनके ठहरने की अवधि और लागत - जो अक्सर लक्जरी पाँच सितारा होटल दरों के बराबर या उससे अधिक होती है - उनकी स्थिति की गंभीरता और आवश्यक उपचार पर निर्भर करती है। पारंपरिक उपचारों के अलावा, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे शहरों के आधुनिक अस्पताल अपनी उपस्थिति को बेहतर बनाने के लिए कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं की तलाश करने वाले बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित कर रहे हैं। प्लास्टिक सर्जन हर महीने दर्जनों विदेशी मरीजों को जले हुए घाव की मरम्मत, बाल प्रत्यारोपण और त्वचा कसने की प्रक्रियाओं जैसे उपचारों के लिए देखते हैं। यह प्रवृत्ति भारत के लिए अधिक विदेशी रोगियों को आकर्षित करने का एक सुनहरा अवसर दर्शाती है। चिकित्सा पर्यटन न केवल मूल्यवान विदेशी मुद्रा अर्जित करता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी समर्थन देता है, क्योंकि मरीज अक्सर देखभाल करने वालों के साथ आते हैं जो हफ्तों या महीनों तक होटलों में रहते हैं।

विदेश में रहने वाले भारतीय प्रवासी भी सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल के लिए तेजी से भारत लौट रहे हैं। भारत की बढ़त यूरोप या अमेरिका में समान सेवाओं की लागत के एक अंश पर शीर्ष-स्तरीय प्री-और पोस्ट-सर्जिकल देखभाल प्रदान करने में निहित है। भारत में कॉस्मेटिक सर्जन वसा घटाने और त्वचा कसने जैसी प्रक्रियाओं की मांग करने वाले रोगियों का इलाज करते हैं, क्योंकि उम्र बढ़ने और पर्यावरणीय कारक त्वचा संबंधी समस्याओं को बढ़ाते हैं। सौंदर्य उपचारों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ, पुरुष और महिला दोनों ही कॉस्मेटिक और सर्जिकल समाधानों का विकल्प चुन रहे हैं।

विश्व स्तर पर, सालाना लाखों कॉस्मेटिक सर्जरी की जाती हैं, जिसमें अमेरिका इस क्षेत्र में अग्रणी है। शुरुआत में महिलाओं के बीच लोकप्रिय होने के बावजूद, प्लास्टिक सर्जरी अब पुरुषों के बीच भी उतनी ही आम है। मोटे तौर पर, प्लास्टिक सर्जरी को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है- कॉस्मेटिक सर्जरी, जो दिखावट को निखारती है, और पुनर्निर्माण सर्जरी, जो चोटों, बीमारियों या जन्म दोषों से होने वाले नुकसान की मरम्मत करती है। भारत अपने उच्च योग्य चिकित्सा पेशेवरों, उन्नत उपकरणों और लागत प्रभावी उपचारों के साथ, चिकित्सा पर्यटन में एक बड़ी छलांग लगाने के लिए अच्छी स्थिति में है।

भारत में उपचार की लागत अमेरिका की तुलना में लगभग एक-चौथाई है, गुणवत्ता से समझौता किए बिना। यदि भारत रणनीतिक रूप से इस क्षेत्र को मजबूत करता है, तो रोगी थाईलैंड, सिंगापुर, चीन और जापान जैसे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत को अधिक पसंद करेंगे, जो चिकित्सा पर्यटकों के लिए भी होड़ कर रहे हैं। चिकित्सा पर्यटन वैश्विक स्तर पर कई अरब डॉलर का उद्योग है। एक बड़ा हिस्सा हासिल करने के लिए, भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अस्पताल और क्लीनिक विकसित करने चाहिए, कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और प्रत्यारोपण जैसे क्षेत्रों में विशेष देखभाल प्रदान करनी चाहिए और टेलीमेडिसिन और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को अपनाना चाहिए। भारत की बाजरा-आधारित चिकित्सा भी एक अनूठी बढ़त प्रदान करती है। पद्म श्री पुरस्कार विजेता डॉ. खादर वली का दावा है कि बाजरा बिना किसी दवा के छह सप्ताह से छह महीने के भीतर सबसे गंभीर बीमारियों को भी ठीक कर सकता है। इस तरह के अनूठे दृष्टिकोण, सरकार से मजबूत नीति समर्थन के साथ, भारत की चिकित्सा पर्यटन क्षमता को और बढ़ा सकते हैं। मार्केटिंग अभियान, रोगी-केंद्रित पैकेज, वीज़ा सुविधा, भाषा अनुवाद सेवाएँ और आवास व्यवस्थाएँ भारत को अंतर्राष्ट्रीय रोगियों के लिए अधिक आकर्षक गंतव्य बना सकती हैं। आँकड़े खुद ही अपनी कहानी बयां करते हैं- 2022 में 14 लाख विदेशी रोगी इलाज के लिए भारत आए। 2030 तक सालाना 1 करोड़ अंतरराष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए, भारत को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करनी चाहिए और विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्रों को विकसित करना चाहिए। उचित योजना और क्रियान्वयन के साथ, भारत खुद को चिकित्सा पर्यटन के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है।

आप की बात

जी-20 में भारत

भारत जी- 20 सम्मेलन में अपने निजी मामलों को भी सुलझाने में दिलचस्पी ले रहा है। सम्मेलन में उपस्थित कई राष्ट्र अध्यक्षों से विवादित मामलों पर सकारात्मक निदान से भारत ने एक तीर कई निशाने साधने की जो कोशिश की है वह अवश्य रंग लाएगी। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी हुआ विचार विमर्श भारत की किसी भी मामले के समाधान के प्रति प्रतिबद्धता जताता है। रियो डी जनेरियो में जी-20 सम्मेलन अपने उद्देश्यों के अलावा सदस्य देशों की आपसी चर्चा विचार विमर्श और सहमति के लिए भी जाना जाएगा। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर से भी मुलाकात की जो भारत के आर्थिक अपराधी विजय माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यारोपण को लेकर थी। प्रत्यारोपण का मामला ब्रिटेन ने कानूनी उलझन में डालकर उलझा रखा है। इसके अलावा मोदी ने इटली, फ्रांस, पुर्तगाल और नार्वे के राष्ट्रीय अध्यक्षों से भी भेंट में अहम चर्चाएं की। भारत ने अपने निजी मामलों के अलावा आपसी सार्वजनिक हितों को भी चर्चा में रखा ताकि उन पर सहमति बनाकर समन्वित लाभ सबको मिल सके। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार के लिए अगले साल चर्चा पर बनी सहमति बड़ी उपलब्धि है इससे दोनों देशों के आर्थिक हित सधेंगे ही।

-अमृतलाल मारू, इंदौर

अमेरिकी नीतियां

ट्रंप का पिछला शासन भारत-अमेरिका संबंधों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। अमेरिका प्रथम नीति के तहत ट्रंप ने अमेरिकी हितों को सर्वोपरि रखा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक संबंधों में नए आयाम जुड़े। ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीतियों ने भारतीय उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगाकर भारतीय उद्योगों को प्रभावित किया। इस्पात और एल्युमिनियम पर शुल्क तथा एच-1बी वीज़ा नियमों को सख्त बनाने से भारतीय आईटी पेशेवरों और उद्योगों को झटका लगा। उदाहरण के लिए, कई भारतीय कंपनियों को अमेरिकी परियोजनाओं में कटौती करनी पड़ी। हालांकि, इन चुनौतियों ने आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति दी और घरेलू उद्योगों ने नए बाजार तलाशने शुरू किए। सामरिक दृष्टि से ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ संबंध मजबूत किए। मेजर डिफेंस पार्टनर का दर्जा और क्वाड जैसे मंचों पर भारत की भूमिका को प्रोत्साहन मिला। अपाचे और सीहॉक हेलीकॉप्टर जैसे हथियारों की आपूर्ति ने भारतीय सेना को सशक्त बनाया। लेकिन रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद पर अमेरिकी आपत्ति ने भारत की स्वतंत्र रणनीति की अनिवार्यता को स्पष्ट किया। भारत को अमेरिकी निर्भरता कम कर अपने व्यापार और सामरिक संबंधों में संतुलन बनाना होगा। यूरोप, अफ्रीका, और एशिया में नए साझेदार तलाशने होंगे।

-अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

विदेशों पर निर्भरता

1980 के दशक से रोज़गार आधारित शिक्षा पर अत्यधिक ज़ोर दिए जाने के कारण भारत विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से संबंधित आधारभूत सिद्धांतों के शोध और अध्ययन में पिछड़ सकता है जिससे नए सिद्धांतों के प्रतिपादन, नई खोजों, आविष्कारों आदि में हमारी प्रगति पर प्रभाव पड़ेगा। ऐसी ही चेतावनी कुछ दशकों पूर्व ज्ञान आयोग ने भी दी थी। उदाहरणार्थ, डिजिटल क्षेत्र में हम पहले से बने ऐप्स और सॉफ्टवेयर के उपयोग सीखकर रोज़गार पा सकते हैं लेकिन इस क्षेत्र में शोध और रिसर्च किए बिना हम स्वयं ऐप्स और सॉफ्टवेयर बना नहीं सकते। इसीलिए हम अमेरिका और चीन में बने डिजिटल उत्पादों पर काफी हद तक निर्भर रहे हैं। इस निर्भरता के भयानक और दूरगामी नुकसान हो भी रहे हैं और भविष्य में अत्यधिक खतरों का सामना करना पड़ सकता है। डिजिटल क्षेत्र के अलावा भौतिक, रसायन, चिकित्सा, कृषि, खगोल आदि विज्ञानों में हम पिछड़ते जाएंगे। पहले ही इन विज्ञानों में नोबल पुरस्कार हम ने 2 बार ही प्राप्त किए हैं। यदि हमने दवाइयों के शोध नहीं किए तो विदेशी दवाइयों पर निर्भर रहेंगे। वे देश षडयंत्रपूर्वक हमें दवाइयों के रूप में जेनेटिक समस्याएं दे सकते हैं। 1960 के दशक में आयातित अनाजों के साथ कितनी समस्याएं भी आई थी। हमें विदेशी निर्भरता से बचना होगा

- ललित दुबे, रतलाम

शीर्ष पर महिला हॉकी

भारत की महिला हॉकी टीम कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई में एशियन हॉकी चैंपियनशिप में चीन को 1-0 से हराकर एशियन हॉकी चैंपियनशिप का खिताब भारत के नाम किया। बिहार के राजगीर में खेले गए इस चैंपियनशिप के लिए चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया की टीमों से लोहा लेते हुए देश की बेटियों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भारत ने सेमी फाइनल के कड़े मुकाबले में जापान को 2-0 से हराकर फाइनल प्रवेश किया था। इससे पहले भारत ने मलेशिया, कोरिया,थाईलैंड, जापान और चीन को हरा कर भारत की टीम अजेय साबित हुई थी। इस टूर्नामेंट में दीपिका कुमारी ने 11 गोलकर शानदार व्यक्तिगत सफलता अर्जित की और अंत में फाइनल मैच में भी दीपिका ने एकमात्र विजय गोल दाग कर भारत को विजय दिलाई। भारत के खिलाड़ियों ने अपने प्रथम मैच से ही साहसिक अभियान की शुरुआत की थी। भारत की महिला हॉकी की टीम ने 150 करोड़ भारतीयों की आशा और आकांक्षा के अनुरूप खेल कर भारत का नाम रोशन किया है। हमारी टीम को सरकार की ओर से और सुविधाएं मिलनी चाहिए।

-वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

संविधान पुस्तक नहीं, श्रद्धा से आत्मसात करने की कुंजी

उरई (जालौन)। संविधान दिवस पर लोकभवन लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण उपस्थित गणमान्य तथा अतिथियों द्वारा देखा व सुना गया। संविधान दिवस के अवसर पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया और संविधान निर्माता को नमन किया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत के लिए आज का दिन काफी खास है। आज ही के दिन हमारे देश ने संविधान को अपनाया था। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में हमारा संविधान बना जिसके बाद इसे आज तक सर्वोपरि माना जाता है। इस बात को आज 75 साल हो गए हैं। देश आज संविधान दिवस मना रहा है। भारत जैसे विशाल देश के लोकतंत्र की शक्ति हमारा संविधान ही है, जो हर व्यक्ति के लिए न्याय और समान अधिकार सुनिश्चित कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का मंत्र देता है। हमारा विश्वास है कि संविधान सिर्फ मंचों पर दिखाने की एक पुस्तक नहीं, बल्कि पूर्ण श्रद्धा से आत्मसात कर सार्वजनिक जीवन में अपना सर्वोच्च योगदान देने की कुंजी है। उन्होंने कहा कि इस संविधान दिवस पर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लें। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। उन्होंने संविधान को एक प्रेरणास्त्रोत बताया, जो देश को मार्गदर्शन प्रदान करता है। जिलाधिकारी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके योगदान के कारण ही भारत को एक प्रगतिशील और समावेशी संविधान मिला। उन्होंने सभी देशभक्तों को नमन करते हुए कहा कि संविधान का पालन कर हम देश को और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, जिला विकास अधिकारीव जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सपा के जिला कार्यालय में संविधान दिवस मनाया गया

रायबरेली समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में पार्टी कार्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र

यादव की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष नें कहा कि वर्तमान में सत्ता पक्ष संविधान का नाम लेकर नाटक कर रहा है। एक तरफसंविधान के नाम पर सरकारी स्तर पर उत्सव मनाने का फरमान जारी किया गया है वहीं दूसरी तरफ संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

एनएसपीएस त्रिपुला में संविधान दिवस पर विविध आयोजन

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में संविधान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और विद्यार्थियों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के लिए लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। छात्र विभोर ने भारतीय संविधान के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि 26 नवम्बर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा इसे अंगीकृत किया गया और यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान अंगीकृत किये जाने के समय इसके 22 भागों में 395 अनुच्छेद 8 अनुसूचियाँ और लगभग 145,000 शब्द थे, इस कारण यह अब तक का अंगीकृत किया जाने वाला सबसे लंबा राष्ट्रीय संविधान बन गया। संविधान हमारे व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा करने, शासन के लिए एक ढांचा स्थापित करने, कानून के शासन को बनाये रखने, स्थिरता प्रदान करने, नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देने और अत्याचार के खिलाफ सुरक्षा के लिए है, यह हमें मौलिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है और सरकार की संरचना को रेखांकित कर जवाबदेही सुनिश्चित करता है। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने संविधान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे संविधान ने भारतवर्ष को एक लोकतांत्रिक देश बनाया, इसमें नागरिकों को छह मौलिक अधिकार और ग्यारह मौलिक कर्तव्य दिए गए हैं, यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो हमारे राष्ट्र का मार्गदर्शन करता है। इस अवसर पर विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य फैजान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल,रामदेव,अजय सिंह, पिंकी जायसवाल, शाहीन खान, गिरीश श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकध्शिक्षिकाएं, एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैसवारा महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित

लालगंज रायबरेली बैसवारा डिग्री कॉलेज में राजनीति शास्त्र विभाग के तत्वावधान में संविधान दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव एवं प्रबंधक लाल देवेंद्र बहादुर सिंह ने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी और आगे उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में संवैधानिक मूल्यों का अनुपालन करना चाहिए।

न्यू स्टैंडर्ड बालिका विद्या मंदिर में कार्यक्रम आयोजित हुआ

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड बालिका विद्या मंदिर रायबरेली में राष्ट्रीय संविधान दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया ।डा. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू, अबुल कलाम आजाद और डॉक्टर राधाकृष्णन जी के चित्रों पर विद्यालय प्रधानाचार्य तारकेश्वर सिंह सहित सभी शिक्षक – शिक्षिकाओं ने माल्यार्पण करते हुए उन सभी ज्ञात अज्ञात संविधान निर्माताओं को नमन किया जिन्होंने भारत गणराज्य के संविधान निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया। संविधान दिवस पर बच्चों को संबोधित करते हुए स्कूल के शिक्षक श्री बाबूनाथ त्रिवेदी ने बताया कि देश की आजादी के बाद 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान अपनाया गया था जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।

कांग्रेसियों ने लिया संविधान की रक्षा का संकल्प

गौरीगंज, अमेठी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर अमेठी जिला कांग्रेस कमेटी ने आज केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय गौरीगंज के राजीव गाँधी सभागार मे 75वॉ संविधान दिवस मनाया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर इस महत्वपूर्ण अवसर पर 60 दिवसीय 26 नवंबर से 26जनवरी 2025 तक बृहद कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की जा रही है।प्रदेश महामंत्री योगेंद्र मिश्र ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा हमारे संविधान में अंतर्निहित मूल्यों के लिए खड़ी रही है। पिछले एक दशक मेंए हमने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संविधान की नींव को कमजोर करने और सामाजिक न्यायए समानता और लोकतंत्र के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को कम करने के व्यवस्थित प्रयासों को देखा है। इस प्रवृत्ति का मुकाबला करने के लिएए कांग्रेस पार्टी ने 26 नवंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक संविधान की रक्षा और इसके सिद्धांतों के प्रति पार्टी के समर्पण पर जोर देने के लिए अ0मा0 कांग्रेस कमेटी ने 60 दिवसीय राष्ट्रव्यापी श्संविधान रक्षक अभियानश् शुरू करने का फैसला किया है। संविधान रक्षक अभियान कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने बताया कि यह 60.दिवसीय लक्षित अभियानए श्संविधान रक्षक अभियानए पाँच प्रमुख विषयों पर आयोजित किया जाना हैए जिनमें से प्रत्येक को 10 दिवसीय अवधि में उजागर किया जायेगा प् कार्यक्रम में परमानंद मिश्रए प्रवक्ता अनिल सिंहएअर्जुन पासीए रजवाड़ीप्रसादएअरविन्द चतुर्वेदीएसुनील सिंहएरामबरन कश्यपएवीरेंद्र मिश्रएमाता प्रसाद वैश्यएफ़्तेह बहादुरए धर्मराज बहेलियाएसवीनाएरामदत्त यादवए राम प्रसाद गुप्ताएमनोज कश्यपएअजीत यादव आई पी मालीएबलराम वर्मा मौजूद रहे।

गौरीगंज में युवा सांस्कृतिक कार्यक्रम व साइंस मेले का किया गया आयोजन

अमेठी। जनपद में आज युवा कल्याण विभागए नेहरू युवा केन्द्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मनीषी महिला पी0जी0 कालेजए गौरीगंज में युवा उत्सव कार्यक्रम के तहत युवा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं साइंस मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मनीषी पी0जी0 कालेज के प्रबन्धक जगदम्बा प्रसाद त्रिपाठी द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में लोक नृत्यए एकल एवं सामूहिक लोक गीतए एकलध्सामूहिकए भाषण प्रतियोगिताए फोटोग्राफीए चित्रकारीए कहानी लेखनए जीवन कौशल के अवयव एवं साइंस मेला के तहत युवाओं के द्वारा प्रदर्शनी इत्यादि आयोजित किये गये। आयोजित कार्यक्रम में युवा कल्याण अधिकारी काशीनाथ ने कार्यक्रम के विषय में बताया कि प्रत्येक वर्ष एक दिवसीय युवा उत्सव जनपद में आयोजित किया जाता है एवं विजेता प्रतिभागी को मण्डल स्तर एवं प्रदेश स्तर पर प्रतिभाग करने का अवसर मिलता हैए आयोजित हुई प्रतियोगिताओं में भाषण प्रतियोगिता में अभिजीत त्रिपाठीए सामूहिक लोकनृत्य में जी0जी0आई0सी0 जायसए लोकनृत्य एकल में हिमांशीए युवा कविता लेखन में जया सिंहए लोकगीत सामूहिक में शिवानी तिवारी व अर्पिता तिवारीए चित्रकला प्रतियोगिता में विशाल सिंह कश्यपए विज्ञान मेला में अंशु मौर्याए निखिल मौर्या व अवनीशए मोबाइल फोटोग्राफी में पलक बानो व लोकगीत एकल शताक्षी तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त कियाए जिन्हें जिला विकास अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन जनपद के जिला विकास अधिकारी वीर?भानू सिंह एवं नेहरू युवा केन्द्र के मण्डलीय उपनिदेशक समर बहादुर सिंह के द्वारा बच्चों को मेडलए प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित कर किया गया तथा कार्यक्रम सहयोगी में युवा कल्याण विभाग की क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रागिनी एवं निधिए सूरज सिंहए सूर्य प्रकाशए चन्द्रबिहारीए शिवरतनए केशवरामए प्रभातए राघवेन्द्रए दिनेश मणिए आकाशए ललितए सर्वेश सहित अन्य लोगों द्वारा कार्यक्रम कुशलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उक्त के अतिरिक्त जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश द्विवेदीए जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी महेंद्र कुमार मिश्रए पूर्व सहायक निदेशक सूचना आरबी सिंहए सेवानिवृत्त उपनिदेशक नेहरू युवा केन्द्र आराधना राज सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

चुनावों के दौरान पिजिकल बैलेट सिस्टम शुरू करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज

अमेठी। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता ने बताया है कि सुप्रीम कोर्ट ने इंजीलवादी डॉण् केए पॉल द्वारा दायर एक जनहित याचिका ;पीआईएलद्ध खारिज कर दीए जिसमें भारतीय चुनावों में पिजिकल बैलेट पेपर से मतदान फिर से शुरू करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान डॉण् पॉल ने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अधिकांश देशों ने पिजिकल वोटिंग सिस्टम को चुना है। उन्होने कहा कि अधिकांश देश पिजिकल बैलेट सिस्टम का पालन करते है और भारत को भी इस पर विचार करना चाहिये। न्यायमूर्ति नाथ ने डा0 पाल के सवाल पर हस्तक्षेप करते हुये कहा कि ष्हमें अन्य देशों का अनुसरण क्यों करना चाहिये। न्यायमूर्ति नाथ ने दलीलों को खारिज करते हुये कहा कि ष्जब राजनीतिक नेता हारते है तो वे दावा करते है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई हैए जब वे जीतते है तो वे कुछ नहीं कहते ष् यह अदालत ऐसे काल्पनिक दावों पर विचार नहीं कर सकतीष्। पीठ ने अंततः निष्कर्ष निकाला कि जनहित याचिका में पर्याप्त योग्यता नहीं है और इसे खारिज करते हुये सुनवाई समाप्त कर दी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 351 जोड़े परिणय बंधन में बंधे

उरई (जालौन)। जालौन जनपद के कालपी रोड स्थित नवीन गल्ला मंडी में आज मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधि-विधान से कुल 351 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री, राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग संजय सिंह गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, विधायक माधौगढ़ मूलचंद्र निरंजन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जालौन ब्लॉक प्रमुख, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, जिला विकास अधिकारी महेंद्र चौबे, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को उनके सुखद जीवन के लिए आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की, साथ ही विवाह कार्यक्रम में आये हुए जोड़ों को प्रमाण पत्र वितरित किए।प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना समाज के वंचित वर्गों को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि उनकी बेटियों की शादी का बोझ भी हल्का करती है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की प्राथमिकता है कि गरीबों तक हर लाभकारी योजना का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि फ्रयह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में सामूहिकता और समरसता को भी बढ़ावा देती है। सरकार महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है, और इसके तहत उन्हें रोजगार के अवसर भी मुहैया कराए जा रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि यह योजना समाज के अंतिम छोर पर खड़े गरीब व्यक्ति तक पहुंच रही है। इस तरह के सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक समरसता और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सभी धर्मों और समुदायों के बीच एकता का प्रतीक हैं। विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा ने योजना की सराहना करते हुए कहा, फ्पहले गरीब परिवारों के लिए बेटी की शादी करना बहुत कठिन कार्य होता था। कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता था, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और कमजोर हो जाती थी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने गरीब परिवारों की इस चिंता को दूर किया है।

सीएचसी अधीक्षक के निरीक्षण में नहीं उपलब्ध करा पाए अभिलेख संचालक को थमाया गया नोटिस

लालगंज (रायबरेली,) बीते एक सप्ताह पूर्व विकासखंड सरेनी में अवैध रुप से संचालित क्लीनिक,अस्पतालों के खिलाफ सीएचसी अधीक्षक द्वारा अभियान चलाकर औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान अधीक्षक डॉ राजेश गौतम ने राहुल क्लीनिक निकट दशारानी मंदिर,भोजपुर व श्रीराम आई केयर एण्ड आप्टिकल्स भोजपुर के संचालकों को नोटिस जारी कर पांच दिनों में प्रपत्र दिखाने का आदेश दिया था।बावजूद संचालकों द्वारा ससमय प्रपत्र न दिखाते हुए उत्तर नहीं दिया गया।सीएचसी अधीक्षक डॉ राजेश गौतम ने बताया कि बीते एक सप्ताह पूर्व भोजपुर स्थित राहुल क्लीनिक व श्रीराम आई केयर एण्ड आप्टिकल्स का निरीक्षण किया गया था।निरीक्षण के दौरान संचालक शैक्षिक अभिलेख सहित अन्य अभिलेख नहीं उपलब्ध करा सके।इससे संचालकों को नोटिस जारी की गई,जिसका उत्तर संचालकों द्वारा ससमय नहीं दिया गया।निरीक्षण के दौरान दोनों को शैक्षिक योग्यता के समस्त प्रमाणपत्रों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा लिया गया लाइसेंस के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया था,लेकिन आदेश का अनुपालन नहीं किया गया।मेरे द्वारा एक बार फिर उपरोक्त संचालकों को नोटिस जारी की जाएगी और इस बार विलंब की दशा में यह मान लिया जाएगा की संचालकों को इस मामले में कुछ नहीं कहना है और उनके विरुद्ध धोखाधडी,बिना लाइसेंस के क्लीनिक का संचालन करने का दोषी मानते हुए स्थानीय कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा।साथ ही साथ सीएचसी अधीक्षक ने कहा कि अवैध रुप से संचालित क्लीनिक व अस्पतालों पर कार्यवाही जारी रहेगी।उल्लेखनीय है कि बीते माह सीएचसी में बतौर अधीक्षक पदभार ग्रहण के बाद डॉ राजेश गौतम एक्टिव मोड़ में नजर आ रहे हैं।डॉ राजेश गौतम द्वारा पदभार ग्रहण के बाद से अस्पताल की ढ़ीली व लचर व्यवस्थाओं में भी काफी हद तक सुधार होता दिख रहा है।सीएचसी परिसर में फैली रहने वाली गंदगी भी अब नजर नहीं आती।साथ ही अब पहले से ज्यादा साफसफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संविधान के प्रति पूरी निष्ठा व प्रतिबद्धता होनी चाहिए

संतकबीरनगर। स्वतंत्रता के अमृत काल के अवसर पर शासन की मंशा के अनुसार जनप्रतिनिधिगणों, प्रशासनिक अधिकारीगण की उपस्थित में कलेक्ट्रेट सभागार में 26 नवम्बर मंगलवार को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया। जनपद कलेक्ट्रेट सभागार में संविधान दिवस के अवसर पर विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी, विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चन्द्र चौहान, जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर, पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता, अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी द्वारा भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ से प्रसारित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण उपस्थित जनप्रतिनिधिगणों, प्रशासनिक अधिकारीगणों एवं कर्मचारियों द्वारा देखा और सुना गया। तत्पश्चात विधायक मेंहदावल द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर प्रस्तावना का वाचन कर शपथ दिलायी गयी। संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित सगोष्ठी में जनप्रतिनिधिगणों ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज का दिन एक विशिष्ट दिन के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में संवैधानिक मूल्यों की स्थापना में विशिष्ट प्रयास किये जा रहे हैं। हम सभी को भी संवैधानिक मूल्यों की स्थापना एवं मौलिक कर्तव्यों का पालन करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में स्वंय को स्थापित करना चाहिए। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने संविधान के उद्देशिका में निहित मूल्यों की स्थापना करना सभी अधिकारियों का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिये। उन्होंने सभी को प्रस्तावना में निहित मूल्यों के अनुसार आचरण का अनुपालन करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी रमेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी संजीव राय, पीडी संजय नायक, डीसी एन0आर0एल0एम0 जीशान रिजवी, जिला अर्थ एवं सख्याधिकारी अजय श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी डा0 सर्वेश कुमार यादव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी चन्द्रशेखर यादव सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, मण्डल में करेगे प्रतिभाग

संतकबीरनगर। इनोवेशन और नवाचार के प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज, खलीलाबाद में मंगलवार को जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपने अनूठे वैज्ञानिक मॉडलों के साथ उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। जूनियर संवर्ग में प्रथम स्थान आदित्य चौधरी एवं अनिल (पंडित आर के आर टी कॉलेज) - होममेड माइक्रोस्कोप, द्वितीय स्थान अंकिता त्रिपाठी एवं नम्रता त्रिपाठी (राजकीय कन्या इंटर कॉलेज) - इलेक्ट्रिक सेफ्टी फॉर पोल तथा तृतीय स्थान साधना एवं नाजिया (पंडित आर के आर टी कॉलेज) - पीएच फॉर हेल्थ इंडिकेटर को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार सीनियर संवर्ग में प्रथम स्थान अविनाश कुमार (हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज)- आईओटी बेस्ड स्मार्ट लैंडमाइन डिटेक्टर, द्वितीय स्थान अजय कुमार एवं प्रियांशु (हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज)- आईओटी बेस्ड स्मार्ट ऑटो-पावर्ड व्हीलचेयर तथा तृतीय स्थान पूजा गुप्ता एवं अंशिका (राजकीय कन्या इंटर कॉलेज)-खेतों की सुरक्षा एवं विद्युत बचत के लिए मॉडल को प्राप्त हुआ।

बहु प्रतीक्षित त्रैवार्षिक अधिवेशन संपन्न

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल; पूर्व माध्यमिकद्ध शिक्षक संघ जनपद. श्रावस्ती का बहु प्रतीक्षित त्रैवार्षिक अधिवेशन जूनियर हाईस्कूल भिनगा में रविवार को संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में पर्यवेक्षक के रूप में मण्डल कोषाध्यक्ष संतोष कुमार पाण्डेय एवं चुनाव अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय अध्यक्ष गोण्डा रहे। मुख्य अतिथि के रूप में प्रान्तीय कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रान्तीय लेखाकार राजेश कुमार शुक्ला मण्डलीय महामन्त्री अरुण कुमार यादव पूर्व जिलाअध्यक्ष एवं संरक्षक ओम प्रकाश वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष यज्ञ राम पाल तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष गुरु नारायन पाठक मौजूद रहे। अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में राम नरेश यादव 05 मतो से विजई घोषित किए गए उपाध्यक्ष पद पर सन्तोष कुमार सोनी महिला उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती एकता सिंह उपाध्यक्ष मु0शब्बीर खां उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष अजीमुद्दीन उपाध्यक्ष राम छबीले पासवान महामन्त्री पद पर मुनव्वर मिर्ज़ा जिला मंत्री पद पर अशोक कुमार शाक्य संयुक्त मंत्री पद पर सत्येन्द्र पाल ताहिर महमूद श्रीमती राजेश कुमारी पाण्डेय दिनेश कुमार कोषाध्यक्ष पद पर अशोक कुमार पाठक निर्वाचित हुए।

डीएम ने धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया

अमेठी। मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद को लेकर खाद्य विभाग के जायस मण्डी स्थापित धान क्रय केन्द्र जायस प्रथमए जायस द्वितीयए जायस तृतीयए जायस चतुर्थए जायस पंचम एवं जायस षष्ट केन्द्र का निरीक्षण जिलाधिकारी निशा अनंत के द्वारा राजेश्वर प्रताप सिंहए जिला खाद्य विपणन अधिकारी अमेठी के साथ आज किया गया। निरीक्षण के समय क्षेत्रीय विपणन अधिकारी सत्यप्रकाश रायए क्षेत्रीय विपणन अधिकारी राजीव सिंह एवं विपणन निरीक्षक चन्द्रकेश यादव अपने समस्त स्टाफ के साथ केन्द्र पर उपस्थित थे। आढतियों ध् व्यापारियों के अभिलेखो में अंकन अवश्य किया जाय। मण्डी यार्ड में किसानो के द्वारा अपनी उपज को विक्रय करने में किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। किसानो की सुख सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाय। इस सम्बन्ध में जिला खाद्य विपणन अधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि 25 नवम्बर तक 14652ण्07 मी0टन की खरीद 2277 किसानो से की जा चुकी है। अन्त में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद अमेठी में केन्द्रो पर धान विक्रय करने में किसानो को कोई समस्या न हो। जनपद में सभी धान क्रय केन्द्रो पर खरीदे गये धान के सापेक्ष तत्काल उसकी डिलीवरी सम्बन्धित चावल मिलो को किया जाय और चावल मिलो से उसके सापेक्ष सी0एम0आर0 की डिलीवरी केन्द्रीय पूल में कराया जाय। केन्द्रो पर कृषको से क्रय धान को सुरक्षित भण्डारित किया जाय। जनपद में महिला कृषकए लघु व सीमान्त किसानों के धान की तौल को प्राथमिकता दी जाए। केन्द्रो को आवंटित किये गये खरीद लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त किया जाय। केन्द्र पर क्रय किये गये धान का भुगतान समय से करने एवं सी0एम0आर0 का सम्प्रदान समयान्तर्गत भारतीय खाद्य निगम डिपो को कर दिया जाय।

संविधान दिवस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों व स्टाफ को दिलाई शपथ

श्रावस्ती। भिनगा . संविधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियोंध्कर्मचारियों को संविधान का संकल्प दिलाते हुए कहा कि हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व.सम्पन्न समाजवादी पंथ.निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज 26 नवम्बर 1949 ई0 ;मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमीए संवत् दो हजार छह विक्रमीद्ध को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मार्पित करते है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा उपजिलाधिकारी संजय कुमार उपजिलाधिकारी एस0के0 राय सहित कलेक्ट्रेट एंव सूचना के समस्त अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कार्यालय पुलिस अधीक्षक विकास भवन एवं अन्य सरकारी कार्यालयों स्वायत्तशासी निकायोंध्संगठनों स्थानीय निकायों एवं शैक्षणिक संस्थानों में भी संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये गये।

नन्हें वैज्ञानिकों' ने दिखाया हुनर

रायबरेली राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज के सभागार में किया गया। ब्लॉकों से जीतकर आए 'नन्हे वैज्ञानिकों' का हुनर देखते ही बन रहा था। 'नन्हें कलॉमों' की खोज का हुनर कुछ इस तरह से था कि मॉडल देखकर हर कोई तारीफ कर रहा था। जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में नन्हे वैज्ञानिकों ने दी प्रस्तुती सभी के आकर्षण का केंद्र रही। जीआईसी परिसर में आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित आकर्षक मॉडल सजाए। पांच विजेताओं को राज्य स्तर के लिए चुना गया। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी और राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रत्नेश श्रीवास्तव ने किया।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में मनाया गया संविधान दिवस

लोगों को दिलाई शपथ

डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर किया गया माल्यार्पण

संवाददाता। कानपुर देहात

मंत्री मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश प्रभारी मंत्री डा संजय कुमार निषाद जी की अध्यक्षता में संविधान दिवस का आयोजन मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में किया गया। कार्यक्रम में विधायक रसूलाबाद श्रीमती पूनम संखवार, जिलाधिकारी आलोक सिंह, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एनए अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व केशव नाथ गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके सिंह, जनप्रतिनिधिगणासहित अधिकारी,कर्मचारी, जनसामान्य आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ लखनऊ में मुख्यमंत्री के अध्यक्षता में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को देखा एवं सुना। तत्पश्चात प्रभारी मंत्री ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ0भीमराव अंबेडकर जी व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कियाए इसी क्रम में विधायक, जिलाधिकारी व संबंधित अधिकारियों द्वारा भी चित्र पर माल्यार्पण किया गया। माननीय प्रभारी मंत्री जी द्वारा संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर बोलते हुए माननीय प्रभारी मंत्री जी ने संविधान के इतिहास,महत्व, संविधान निर्माण की प्रक्रिया, विभिन्न चरणों आदि पर प्रकाश डाला। माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि देश व प्रदेश की सरकार अर्थव्यवस्था व लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए लगातार विभिन्न प्रयास कर रही हैए जनसामान्य की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए संविधान संशोधन भी समय.समय पर किया जाता है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

फतेहपुर। संविधान दिवस पर जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह व अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अविनाश त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप ने कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ मुख्यमंत्री के संविधान दिवस के अवसर पर लोक भवन लखनऊ से प्रसारित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण को देखा व सुना। इसके पूर्व अंबेडकर पार्क स्थित डा0 भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा एवं कलेक्ट्रेट सभागार में भारत माता, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व संविधान निर्माता डॉ0 भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण/पुष्पार्पन कर संविधान दिवस के अवसर पर प्रस्तावना का पाठन कर शपथ दिलायी गई। जिलाधिकारी ने संविधान दिवस के अवसर पर सभी जनपदवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। कहा कि संविधान के उद्देशिका में निहित मूल्यों की स्थापना करना सभी अधिकारियों का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिए। कार्यक्रम में अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा भारत के संविधान को अंगीकृत किये जाने की तिथि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान के सैधान्तिक मूल्यों एवं मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसी प्रकार विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना की अध्यक्षता व समस्त कार्यालयों, तहसीलों, ब्लाकों, ग्राम पंचायतों, शिक्षण संस्थानों आदि में संविधान दिवस के अवसर पर प्रस्तावना का पाठ का वाचन कर संविधान की शपथ दिलायी गई व संगोष्ठी का आयोजन किया।

संविधान दिवस पर रिहा हुए दो कैदी

कन्नौज। संविधान दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री चंद्रोदय कुमार के निर्देशन और सचिव श्रीमती लवली जायसवाल के विशेष प्रयासों से चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल श्वेतांक अरुण तिवारी ने निःशुल्क पैरवी कर जिला कारागार में निरुद्ध दो बंदियों को रिहा कराया गया। पहले मामले में बंदी शिव नारायण जो विगत 9 माह से जेल में बंद था। जुर्माना अदा न कर पाने के कारण रिहाई से वंचित था। प्राधिकरण की सचिव श्रीमती लवली जायसवाल ने स्वयंसेवी संस्था कुछ कोशिशें के सहयोग से उसका अर्थदंड जमा कराया जिससे वह रिहा हो सका। दूसरे मामले में बंदी अनू मिश्रा जिसकी जमानत एक माह पहले हो चुकी थी पर कोई जमानत लेने नहीं आया था। प्राधिकरण सचिव ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देकर न्यायालय से बंदी की रिहाई सुनिश्चित कराई।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के इन प्रयासों ने बंदियों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। इस सराहनीय कदम से जेल में निरुद्ध अन्य बंदियों को भी प्रेरणा मिली है।

संविधान दिवस पर जिला कारागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

कन्नौज। संविधान दिवस के अवसर पर जिला कारागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जेल में निरुद्ध कैदियों के लिए एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गयाए जिसमें कुल 47 कैदियों ने प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता में बंदी प्रताप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सभी 50 प्रश्नों के सही उत्तर देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय और तृतीय स्थान पर अन्य प्रतिभागी रहे।इस अवसर पर अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती लवली जायसवाल ने विजेता बंदियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।जेल अधीक्षक मोण् अकरम ख़ान ने कैदियों को संविधान की प्रस्तावना और इसकी मूल भावना समझाई। मुख्य विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता श्वेतांक अरुण तिवारी ने बंदियों को बताया कि संविधान प्रत्येक व्यक्ति को निःशुल्क विधिक सहायता का अधिकार प्रदान करता है।इस कार्यक्रम में डिप्टी डिफेंस काउंसिल दीपक श्रीवास्तव और असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल मोण् सैफ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को संविधान के प्रति जागरूक करना और उनके अधिकारों की जानकारी देना था।

जिलाधिकारी के आदेश से दो ग्राम पंचायत अधिकारी व आंकिक निलंबित

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कार्य में लापरवाही बरतने पर दो ग्राम पंचायत अधिकारी व एक कोआपरेटिव के आंकिक को निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक विकासखंड कुरारा के ग्राम पंचायत अधिकारी महेंद्र प्रताप एवं विकासखंड सरीला के ग्राम पंचायत अधिकारी रामू अहिरवार की कार्यों में शिथिलता बरतने की लगातार शिकायते आ रही थी। योजनाओं में जनपद में निचले पायदान पर जा रहा था। जिलाधिकारी के आदेश पर डीपीआओ जितेंद्र मिश्रा ने दोनो ग्राम पंचायत अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इसी प्रकार बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति इंगोहटा में कार्यरत आंकिक सुरेंद्र तिवारी द्वारा समिति में उर्वरक प्राप्त होने पर भी किसानों को उर्वरक का वितरण न करने व समिति का ताला बंद करके गायब रहने के आरोप में एआर कोआपरेटिव सुरेंद्र दिवेदी ने आंकिक को निलंबित कर दिया है।

जेल में बाड़े ही धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस

फर्रुखाबाद। जिला कारागार फतेहगढ़ में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश पर जिला जज विनय कुमार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में संविधान दिवस का आयोजन जेल में सभी स्टाफऔर बंदियों के मध्य बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय कुमार एडीजे ध् सचिव डीएलएसए ने दीप प्रज्वलित कर एवं संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जेल अधीक्षक भीमसैन मुकुंद ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र राणाए सहायक चीफ डिफेंस काउंसिल द्वारा बखूबी किया गया। शिवनरेश सिंह चीफडिफेंस काउंसिल ए रघुवीर दास अधिवक्ताए वैभव कुशवाह उप कारापाल और महिला जेल वार्डर नगमा ने संविधान दिवस के संदर्भ में अपने विचार प्रकट किए।वैभव कुशवाह ने संविधान के निर्माण के संदर्भ में बाबा साहेब के योगदान बड़े ही ओजस्व पूर्ण तरीके से परिभाषित किया।नगमा द्वारा संविधान में महिला अधिकार पर अपनी बात रखी। अन्य वक्ताओं द्वारा भी संविधान उल्लेखित मूल अधिकारोंए शिक्षा के अधिकार ए स्वच्छ हवा पानी भोजन के अधिकार पर प्रकाश डाला। सुरेंद्र राणा जी द्वारा डीएलएसए द्वारा बंदियों के हित में किए जा रहे कार्यों और सुविधाओं के बारे बताया। जेल अधीक्षक भीमसैन मुकुंद ने संविधान में उल्लेखित कानून में समानता के अवसर पर बताते हुए बताया गया कि वर्तमान सरकार द्वारा समयपूर्व रिहाई पर बहुत कार्यवाही की का रही इसलिए सभी कैदी बंदी जेल के नियमों का पालन करते हुए इसका लाभ ले सकते है। बंदियों से अनुरोध किया कि जेल में ऐसा कोई गलत काम ना करे जो उनकी समयपूर्व रिहाई में बाधा उत्पन्न करे।

मार्ग दुर्घटनाओं में महिला सहित 3 घायल

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत हुए सड़क हादसों के दौरान महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। जिन्हे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के पैगम्बरपुर गांव निवासी स्व0 रईस उद्दीन की पत्नी बेबी 55 वर्ष अपने 22 वर्षीय पुत्र के साथ हुसैनगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा किसी काम से जा रहे थे। जब ये लोग डोलेपुर गांव के पास पहुंचे तभी अनियंत्रित होकर बाइक गिर जाने से महिला घायल हो गई इसी प्रकार कोतवाली क्षेत्र के उधन्नापुर गांव निवासी सुरेश का 25 वर्षीय पुत्र विमलेश बाइक से शहर आ रहा था। जैसे ही वह लखनऊ बाईपास पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रही सरकारी एम्बुलेंस ने टक्कर मार दिया जिससे वह घायल हो गया, जबकी शहर क्षेत्र के तांबेश्वर मोहल्ला निवासी स्व0 जगन्नाथ का 55 वर्षीय पुत्र संतोष सोनी मलवां थाना स्थित कुदंन फैक्ट्री से काम कर बाहर किसी काम से निकला था।

क्षतिग्रस्त हुये नाले का निरीक्षण कर चैयरमैन ने चैम्बर बनाने के दिये निर्देश

रूरा, कानपुर देहात। बीते दिनों पाइप लाइन में आये मलबे को दुरूस्त करने के लिये मुख्य तिराहे पर किये गये युद्ध स्तर पर मरम्मतीकरण के काम के दौरान क्षतिग्रस्त हुये नाले की दीवार की दीवार का चैयरमैन रामजी गुप्ता ने निरीक्षण किया। चैयरमैन ने स्थानीय व्यापारियों की मॉग पर वहॉ पर चैम्बर बनाये जाने के निर्देश दिये। आपको बतातें चलें कि कस्बे के शिवाजीनगर, पालीवालनगर सहित अन्य हिस्सों में जलापूर्ति पाइप लाइन में फॅसे मलबे के चलते जलापूर्ति बाधित हो रही थी, निर्बाध जलापूर्ति के लिये मुख्य तिराहे पर खुदाई कर जलापूर्ति लाइन युद्धस्तर पर सारी रात की गयी थी, चैयरमैन रामजी गुप्ता के निर्देश पर अगले दिन सुबह तेज प्रेशर के साथ जलापूर्ति शुरू कर दी गयी थी, जिससे प्रभावित लोगों को निजात मिली थी। जलापूर्ति लाइन की खुदाई के दौरान मुख्य तिराहे पर नाले की दीवार क्षतिग्रस्त हो गयी थी, स्थानीय व्यापारियों की शिकायत पर चैयरमैन रामजी गुप्ता ने मुख्य तिराहे पर प्रभावित क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण कर कर्मचारियों को वहॉ चैम्बर बनाने के निर्देश दिये। निर्देश मिलते ही सफाई नायक याद कुमार यादव के नेतृत्व में चैम्बर बनाने का काम शुरू कर दिया गया।

माफिया अनुपम दुबे के करीबी विनय दुबे की 69 लाख 50 हजार रुपए की संपत्ति हुई कुर्क

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद के क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कनऊ याकूबपुर स्थित आवासीय प्लाट जो 9,2,6,9, 21 वर्ग मीटर है जिसकी बाजार की कीमत कुल 44 लाख 80 हजार रुपए और उसी से संलग्न संपत्ति 9,2,3,4, 30 वर्ग मीटर की बाजार की कीमत 24 लाख 69 हजार रुपए है । माफिया अनुपम दुबे और अनुराग दुबे के सहयोगी विनय कुमार उर्फ सोनू की कनऊ याकुबपुर स्थित एक आवासीय प्लाट और उसी से संलग्न संपत्ति को तहसीलदार श्रद्धा पांडे थाना मऊ दरवाजा के सहयोग से कुर्क किया गया कुल मिलाकर 69 लाख और 50 हजार की संपत्ति कुर्क की गई है। तहसीलदार श्रद्धा पांडे ने बताया पुलिस और राजस्व विभाग द्वारा यह संपत्ति कुर्क की गई तहसीलदार के प्रबंधन में है अगर इस कुर्क की गई संपत्ति से यदि कोई छेड़छाड़ करता है तो उसे पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी ।

क्विक न्यूज

कम बाल लिंगानुपात वाले विकासखण्डों में नुक्कड़ नाटक से फैलाई जागरूता

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशानुसार जनपद के कम बाल लिंगानुपात वाले विकासखण्डों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करायें जाने हेतु जिलाधिकारी आलोक सिंह द्वारा नुक्कड़ नाटक टीम को रवाना किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद के कम बाल लिगानुपात वाले विकासखण्डों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गिरते लैंगिक अनुपात में सुधार लानाए बालिकाओं की शिक्षा एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करनाए कल्याणकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में सुधारए आर्थिक क्षेत्रों में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु प्रचार.प्रसार कराया जाना है साथ ही यह भी बताया कि घटता लिंगानुपात महिलाओं के बुनियादी अधिकारों एवं संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन है।

इको ने बाइक सवार को मारी टक्कर , मौत

फर्रुखाबाद। थाना मेरापुर क्षेत्र के ग्राम नगला दसी निवासी दलवीर सिंह के पुत्र विनोद 22 वर्ष व सुमित 16 वर्ष दो दिन पूर्व अपनी ननिहाल नगुगों खास थाना छिबरामऊ गए थे । वहां से वापस घर आते समय गुररुशादी पुर मोड पर ईको गाड़ी ने टक्कर मार दी। ग्रामीणों ने ईको गाड़ी को पकड़ लिया तथा चालक मौके से फरार हो गया। डायल 108 से के एम टी शिवम् शर्मा व चालक रोहित सिंह ने बताया कि ऊपर से आई डी नहीं मिली थी । कॉलर के नंबर पर ही घटना स्तर पर पहुंचे ।और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद पहुंचा। चिकित्सा प्रभारी गौरव यादव ने पुष्टि करते हुए बताया कि विनोद की सर में चोट होने की वजह से मौके पर ही मौत हो गई थी । तथा इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सनी मिश्रा ने विनोद के छोटे भाई सुमित को प्राथमिक उपचार देकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया।

युवा कांग्रेसियों ने मनाया संविधान दिवस

फतेहपुर। युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मंगलवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके संविधान दिवस मनाया। वक्ताओं ने संविधान पर चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार संविधान को बदलने का प्रयास कर रही है। ऐसी निकम्मी सरकार को सबक सिखाने का समय आ गया है। वक्ताओं ने कहा कि यह संविधान देश में सभी को बराबरी का दर्जा देता है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस नवनीत तिवारी, शिवा, राकेश जाटव, सलमान, शाबान, सुमित, मिथिलेश व अन्य लोग मौजूद रहे।

कम्युनिस्टों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

फतेहपुर। किसानों सहित आमजन की समस्याओं को लेकर मंगलवार को अखिल भारतीय किसान सभा, अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन व सेंटर आफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की आवाज उठाई। ट्रेड यूनियनों के बैनर तले कम्युनिष्ट हाथों में झण्डा लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। तत्पश्चात राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर मांग किया कि सभी फसलों की कुल लागत का डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य के मुताबिक दिया जाए। धान खरीद केन्द्रों को बिचौलियों व भ्रष्टाचार से मुक्त किया जाए। खरीद प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल आदि के दाम घटाए जाएं। कृषि हेतु सब्सिडी बढ़ाई जाए। डीएपी खाद की किल्लत दूर करके कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए। विकल्प के रूप में नैनो डीएपी व अन्य खाद को बेंचना बंद करें।

एसडीएम ने की जांच पडताल

राठ(हमीरपुर) कस्बे के गल्ला मंडी में स्थित पीसीएफकेंद्र में सोमवार किसानों द्वारा किए गए पथराव की पुष्टि के लिए मंगलवार को उपजिलाधिकारी ने केंद्र में पहुंच कर प्रभारी व किसानों से जानकारी ली जिस पर किसानों ने धूल फेंकने की बात बताई है। सोमवार को गल्ला मंडी में स्थित पीसीएफकेंद्र में किसानों द्वारा किए गए पथराव करने की खबर मिलने पर जिलाधिकारी हमीरपुर ने उपजिलाधिकारी अभिमन्यु कुमार को मौके जांच करने के आदेश दिए। जिस पर एसडीएम ने मौके पर पहुंच किसानों से बयान लिए। जहां किसानों ने भी धूल फेंकने की बात बताई है। एसडीएम ने बताया कि पत्थराव की घटना गलत है।

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने का संकल्प

वाराणसी। फ्रंटियर मार्केट्स और फ्रंटियर इनोवेशन्स फाउंडेशन इंटेलैकैप के सहयोग से, उत्तर प्रदेश के वाराणसी में 25 और 26 नवम्बर को संकल्प फोरम 2024 में एक दो दिवसीय आयोजन सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम ने शी लीड्स भारत, ,उद्यम, पहल का पहला प्रदर्शन कियाए जिसका उद्देश्य 2030 तक एक मिलियन ग्रामीण महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना और भारतभर में 50 मिलियन ग्रामीण ग्राहकों पर प्रभाव डालना है। इस आयोजन में प्रमुख निवेशक, उत्प्रेरक फंडर्स, जोखिम निवेशक और विकास फंडर्स एकत्रित हुए और महिला उद्यमियों को समर्थन देने के लिए पूंजी तक पहुँच को अनलॉक करने पर महत्वपूर्ण चर्चाएं कीं। वर्तमान में 15,000 महिला स्वामित्व वाली व्यवसाय इस पहल के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रही हैं और अतिरिक्त 85,000 महिला उद्यमियों की पहचान की जा रही है, जिससे अगले दो वर्षों में 100,000 का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। इस आयोजन में लिंग संवेदनशील निवेश,डिजिटल समावेशन, और पूरे देश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन में वाराणसी के आसपास के ग्रामीण समुदायों में भ्रमण शामिल था। जहां प्रतिभागियों ने शी लीड्स भारत, उद्यम पहल से लाभान्वित होने वाली सहेलियों और महिला उद्यमियों से मुलाकात की। इन भ्रमणों ने यह दिखाया कि कैसे डिजिटल उपकरण,जैसे कि मेरी सहेली ऐप, इन उद्यमियों को नए बाजारों तक पहुंचने, अपनी आय में विविधता लाने और अपने समुदायों में अपनी भूमिकाओं को मजबूत करने में मदद कर रहे हैं। साझेदारी पर बोलते हुएए फ्रंटियर मार्केट्स की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजयता शाह ने कहा कि यह कार्यक्रम शी लीड्स भारत उद्यम के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है, जिसने हमें न केवल हमारे काम के वास्तविक प्रभाव को प्रदर्शित करने का अवसर दियाए बल्कि स्थायी परिवर्तन लाने में रणनीतिक साझेदारियों की ताकत को भी उजागर किया।

कोआपरेटिव के केंद्र प्रभारी रात में ओवररेटिंग पर विक्री करते है खाद

राठ(हमीरपुर। डीएपी खाद की किल्लत ने किसानों की समस्या बढ़ा दी है। किसानों ने सहकारी समितियों में केंद्र प्रभारियों पर रात के समय ओवर रेटिंग पर खाद ब्लैक करने का आरोप लगाया है। भीड़ में लंबी कतारों में घंटों खड़े होने के बाद भी किसानों को खाद नहीं मिल रही है। किसानों ने प्रशासन पर भी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। मंगलवार को गल्ला मंडी में स्थित पीसीएफकेंद्र में खाद लेने के दौरान किसानों की पुलिस कर्मियों से भी नोक झोक हुई है। त्रि के इटैलियाबाजा गांव निवासी सरोज देवी मनोज कुमारी ओमरानी चिल्ली किरन करौंदी चंद्र कुंवर सियारानी भारती गिरजा उमरिया नीरज कुमारी औंता ने बताया कि वह चार दिनों से मंडी में स्थित पीसीएफकेंद्र के चक्कर लगा रही है। सुबह से केंद्र में लाइन में खड़े रहते और शाम को खाली हाथ चले जाते हैं। आरोप लगाया कि केंद्र प्रभारी रात के समय डीएपी खाद की बोरी 1800 रुपए में ब्लैक कर रहा है। जिससे छोटे किसानों को खाद नहीं मिल पा रही हैं।

फेरी करने वाले को गाली गलौच कर मारपीट की

राठ(हमीरपुर। कोतवाली के बदनपुरा गांव व हाल पता दाता गढ़ी सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी लखनलाल पुत्र कल्लू श्रीवास ने बताया कि वह बाइक से कपड़े की फेरी का कार्य करता है। मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे रौरै गांव में कपड़े की फेरी लगा रहा था। तभी कपड़ों के रेट को लेकर गांव का एक व्यक्ति बहस कर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसे मारा.पीटा। बताया कि युवक ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

लापरवाही के चलते ट्रक में टक्कर मार दी

राठ(हमीरपुर। जनपद बिजनौर के राजोपुर सादात गांव निवासी तुलाराम सिंह पुत्र सुम्मेर सिंह ने बताया कि 22 नवंबर की रात करीब दस बजे उसका साला महेश पुत्र करन सिंह निवासी चांदा नगली मोहनपुर थाना हल्दौर जनपद बिजनौर अपना ट्राला लेकर असम से दिल्ली की ओर बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से होकर जा रहा था। तभी कछवां कलां के पास एक्सप्रेसवे पर सामने से आ रहे चालक ने लापरवाही से चलाते हुए ट्रक में टक्कर मार दी थी। टक्कर से उसके साले महेश की मौके पर ही मौत हो गई थी।

महिला ने एक साथ तीन बच्चों को दिया जन्म

सर्जन डॉक्टर अमरनाथ ने किया ऑपरेशन

निजी अस्पताल में हुए ऑपरेशन में दो बेटे भाई एक बेटी हुई पैदाए प्रसूता और बच्चे भी स्वस्थ

.ऑपरेशन में दो बेटे भाई एक बेटी हुई पैदा

फर्रुखाबाद । थाना नवाबगंज क्षेत्र निवासी गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने पर शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।सर्जन डॉ अमरनाथ ने प्रसव कराया।महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया।दो बेटे और एक बेटी का जन्म हुआ।तीनों बच्चे और महिला स्वस्थ बताई गई।।ना नवाबगंज क्षेत्र निवासी रितेश कुमार की पत्नी वंदना को प्रसव पीड़ा होने पर शहर के मसेनी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया।जनरल सर्जन डॉ अमरनाथ ने गर्भवती महिला का आपरेशन कर प्रसव कराया।बड़े ऑपरेशन के बाद महिला ने एक नहीं दो नहीं बल्कि तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया।जिसमें से एक बेटी और दो बेटे है।रितेश ने बताया कि एक साथ तीन बच्चे होने से परिवार में खुशी का माहौल है।वही रिश्तेदारों का भी तांता लगा हुआ है।र्जन डॉ अमरनाथ ने बताया कि जब गर्भवती का अल्ट्रासाउंड कराया तब तीन बच्चों के गर्भ में होने की जानकारी मिली।बेहद संवेदनशीलता के साथ आपरेशन महिला का प्रसव कराया गया।जच्चा और बच्चा दोनों की हालत ठीक है।इस प्रकार के केस कई वर्षों में ही यदा कदा आते है।

संविधान बचाओ यात्रा में भीम आर्मी ने निकाली शोभा यात्रा

मौदहा, हमीरपुर।. मौदहा कस्बा सहित आसपास के गांवों में मंगलवार को संविधान दिवस मनाते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है वहीं कस्बा में कुछ संगठनों ने संविधान बचाओ यात्रा निकाली है। इस मौके पर अलग अलग संगठनों और राजनीतिक दलों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान दिवस मनाया। भीम आर्मी ने कमेला मैदान से एक शोभायात्रा निकाली जो कि रहमानिया मलीकुआ चौराहा होकर स्टेशन के पास अम्बेडकर पार्क में पहुंची जहां डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। संविधान दिवस पर यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विवेक चंद के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी मौजूद रहे हैं। इसके अलावा भाजपा व सपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संविधान दिवस मनाया है। निजी व सरकारी कार्यालयों के साथ ही ब्लाक कार्यालय व ग्रामीण क्षेत्रों के पंचायत भवनों में भी डा भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित कर संविधान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

जगन्नाथ की हत्या का नही हो सका खुलासा,पुलिस जुटी

मौदहा हमीरपुर। क्षेत्र के चकदाहा गांव में जगन्नाथ की हत्या के 48 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में नाकाम साबित हुई और हत्या का खुलासा नहीं हो सका है। हालाकि पुलिस नामित अज्ञात कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है।वहीं इस मामले के उजागर करने में काफी निकट पहुंच गई है। पोस्टमार्टम के बाद आए जगन्नाथ शव के अंतिम संस्कार को लेकर काफी देर गहमा गहमी चलती रही।जिस स्थान पर अपनी निजी भूमि बता परिजन उस का अंतिम संस्कार करना चाहते थे वह भूमि गांव सभा की बताते हुए कुछ लोगों ने आपत्ति कर दी थी। इस संबंध में कोतवाल उमेश कुमार सिंह ने बताया कि गड़रियाखेर निवासी जगन्नाथ की हत्या के मामले में पुलिस खुलासे के निकट तक पहुंच गई है।लेकिनअभी सघन जांच जारी है शीघ्र खुलासा होगा। वहीं मृतक के रिश्तेदार बद्री कुशवाहा सीताराम कुशवाहा एरामबाबू राजेश कुशवाहा आदि लोगों ने बताया कि जगन्नाथ की हत्या के आरोपियों की तहरीर पुलिस को पहले ही सौंप दी गई है लेकिन अभी तक खुलासा नहीं हो सका।

तेरी मिट्टी में मिल जावा पर झूम उठा लखीमपुर महोत्सव

डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल की पहल पर पहली बार आयोजित किया गया लखीमपुर महोत्सव.24'

. पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने किया लखीमपुर महोत्सव.24 का उद्घाटन

'. तराई की मिट्टी का उत्सवए लखीमपुर महोत्सव में दिखा विरासत और संस्कृति का संगम'

बॉलीबुड और पंजाबी सिंगर ने अपनी प्रस्तुति से जीता दर्शकों का दिल

लखीमपुर खीरी। गुलाबी ठंड और हल्के कोहरे की चादर ओढ़े खीरी में जब तेरी मिट्टी में मिल जावाण्ण्ए अगर तुझे हो गया कुछए सारी दुनिया जला देंगेण्ण् समां में गूंजा तो लोग खुद को थरकने से रोक नहीं पाए। गुलाबी ठंड के बीच पंजाबी सिंगर बी प्राक के रूह मेरी तड़पेगी जानी दिल भी रोयेगाण्ण् ने दर्शकों को गर्मजोशी से भर दिया। मौका था लखीमपुर खीरी की धरती पर पहले ष्तराई की मिट्टी का उत्सवए लखीमपुर महोत्सव.24ष् का। महोत्सव प्रांगण बी प्राक के गीतों से गूंज उठा। दर्शकों की डिमांड पर बी प्राक ने दिल तोड़ के हंसती हो मेराए बफाएं मेरी याद करोगी् गाया तो दर्शक बेकाबू हो उठे। इसके बाद पंजाबी सिंगर ने पंजाबी गीतों से समां बांध दिया। 'महोत्सव में विरासतए संस्कृति और पौराणिक धरोहर का दिखा अद्भुत नजारा' जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप जिले की विरासतए संस्कृति और पौराणिक धरोहर के महत्व को जन.जन तक पहुंचाने के लिए लखीमपुर खीरी में पहली बार लखीमपुर महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने विधायक सदर योगेश वर्माए एमएलसी अनूप गुप्ताए जिलाध्यक्ष सुनील सिंहए डीएम दुर्गा शक्ति नागपालए एसपी गणेश प्रसाद साहाए सीडीओ अभिषेक कुमार के साथ दीप जलाकर किया। इसके बाद लखीमपुर उत्सव के मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया। महोत्सव में रात को पंजाबी गायक बी प्राक ने शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बीण् प्राक ने अपने मशहूर गीतों से श्रोताओं को सम्मोहित कर लिया और महोत्सव में दर्शकों में अपार उत्साह देखने को मिला।

आखिरकार पिंजड़े में कैद हुआ दहशत का पर्याय बन चुका तेंदुआ

रतीराम लोधी

निघासन . खीरी । उत्तर खीरी वन प्रभाग की दक्षिण निघासन रेंज में काफी दिनों से दहशत का पर्याय बन चुका तेंदुआ आखिरकार वन विभाग द्वारा पिंजरे में कैद कर लिया गया । तेंदुए को पकड़ने के लिए स्थानीय वनविभाग द्वारा बरुही फार्म स्थित एक गन्ने के खेत में पिंजरा लगाया गया ए पिंजरे में बंद शिकार को निवाला बनाने के चक्कर में तेंदुआ पिंजडे में कैद हो गया । तेंदुए की धर पकड़ के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है । जानकारी के अनुसार जंगल से भटककर आया तेंदुआ दक्षिण निघासन रेंज लुधौरी के आसपास के गन्ने के खेतों में कई दिनों से लगातार विचरण कर रहा था और छोटे जानवरों जैसे कुत्ते एवं बछड़ों को निवाला बना रहा था ए कयास लगाया जा रहा है कि लगभग बीस दिन पहले इसी तेंदुए ने ग्राम बंगलहा राज निवासी चारा लेने गए एक किशोर पर हमला किया था लेकिन ग्रामीणों के हल्ला मचाने पर उसकी जान बच गई । तेंदुए की यत्र तत्र मौजूदगी के कारण रात दिन फसलों की रखवाली करने वाले ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गई लेकिन उन्होंने खेतों पर जाना बंद नहीं किया क्योंकि परिवार की आजीविका के लिए ग्रामीणों ने जान की परवाह नहीं की । मामला ज्यादा तूल पकड़ जाने पर वनविभाग ने बरुही फार्म में पिंजड़ा लगाया और रेंजर दक्षिण निघासन रेंज लुधौरी गजेन्द्र सिंह यादव और उनकी टीम की मेहनत रंग लाई और तेंदुआ पिंजडे में कैद हो गया । वन विभाग की इस कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है रेंजर गजेन्द्र सिंह ने बताया कि मेहमान रात भर लुधौरी रेंज में रहेगा फिर उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार तेंदुए को निर्धारित स्थान पर शिफ्ट कर दिया जाएगा ।

संभल में हालात पहले से बेहतर

● हालात में सुधार को देखते हुए खुले स्कूल

भाषा। संभल

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में विवादित जामा मस्जिद परिसर में रविवार को सर्वे के दौरान भड़की हिंसा के तीसरे दिन मंगलवार को हालात में सुधार देखने को मिला और स्कूल खोल दिए गए। इस हादसे से उबरने की कोशिश में जुटे हिंदू और मुस्लिम समाज के लोग घटना को भूलकर अब संभल को विकास की राह पर ले जाने और सामाजिक सदभाव व आपसी एकता पर जोर दे रहे हैं।

संभल में रविवार को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हालत खराब हो गए और पत्थरबाजी व आगजनी की घटना में चार लोगों की मौत हो गई। इस घटना में करीब 20 लोग घायल भी हुए थे। पुलिस ने इस संबंध में सोमवार को 25 लोगों को गिरफ्तार किया था और इस दौरान बाजार बंद रहे थे हालांकि कई इलाकों में दुकानें खुली देखी गईं। मंगलवार सुबह स्थिति सामान्य होती नजर आई। संभल जिले में इंटरनेट सेवा मंगलवार को भी बंद रही, जिस कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मुरादाबाद मंडल के आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया, संभल में स्थिति सामान्य और दुकानें खुली हैं। जिस इलाके में हिंसा भड़की थी वहां कुछ दुकानें बंद हैं लेकिन बाकी जगहों पर दुकानें खुली रहीं और कहीं कोई तनाव नहीं दिखा। सिंह ने कहा, सुरक्षा बल तैनात हैं और स्थिति नियंत्रण में है। रोजर्मा की दिनचर्या सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रही है। हिंसा को लेकर कानूनी कार्वाई के संदर्भ में आयुक्त ने बताया कि पुलिस सबूत जुटाने में लगी हुई है, कई प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और भविष्य में और भी दर्ज की जा सकती हैं। उन्होंने अफवाह फैलाने और आगजनी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी। आयुक्त ने बताया, स्थानीय सांसद और स्थानीय विधायक के बेटे पर भी भीड़ को भड़काने का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मुनिराज जी ने बताया कि पुलिस तैनात और मंगलवार को संभल में कहीं से भी कोई अप्रिय खबर नहीं आई। उन्होंने बताया, सामान्य स्थिति बहाल हो रही है।, दुकानें खुल रही हैं, कोई समस्या नहीं है। मुनिराज ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 25 है जबकि हिंसा के संदिग्धों की पहचान के लिए जांच जारी है। शांति समिति के सदस्य और अखिल भारतीय व्यापार मंडल के नेता हाजी एहतेशाम ने कहा, यह सब बाहर के लोगों द्वारा किया गया है और जो भी हुआ बहुत गलत हुआ है। एहतेशाम ने कहा हम सब इन सब बातों को भूलकर एक बार फिर शांति की राह पर लौटेंगे। वहीं सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने कहा, इस तरह की घटना से माहौल खराब होता है। संभल में सभी लोग आपस में मेल जोल करके फिर सांप्रदायिक सौहार्द बनाएंगे। व्यापारी दीपक कुमार ने कहा, यहां तो शुरू से अमन चैन रहा है, पता नहीं उस दिन ऐसा क्या हुआ जो इतना बड़ा बवाल हुआ। इन सबसे से आर्थिक नुकसान भी होता है। कुमार ने कहा, अब स्थिति सामान्य है, मैने दुकान भी खोली है और जल्द ही फिर सम्भल पहले जैसा हो जाएगा। मेरे भी कई दोस्त मुस्लिम समुदाय से है और भाईचार को आगे बढाएंगे। नारी उत्थान समिति की अध्यक्ष सीमा आर्य ने कहा कि मुस्लिम समाज को भी सोचना चाहिए कि यह अदालत के आदेश से सर्वे हो रहा है फिर इतना आक्रोशित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरे भी मुस्लिम समाज में संबंध है, मित्रता है लेकिन आत्मसम्मान पहले होता है अब शांति है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ड्रोन, सीसीटीवी और मोबाइल के वीडियो खंगाल रही है तथा उपद्रव करने वालों को चिह्नित कर रही है ताकि उन्हें पकड़ा जा सके। उन्होंने बताया कि अब तक इस मामले में सात प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है, जिसमें संभल के सांसद जिया उर रहमान वर्क और संभल विधायक के पुत्र सुहैल इकबाल सहित 2750 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार विश्नोई ने सोमवार रात पत्रकारों को बताया कि जिन लोगों ने नुकसान किया है उनसे एक-एक पाई वसूली जाएगी। उन्होंने बताया कि संभल में पुलिस ने सिर्फ प्लास्टिक बुलेट का इस्तेमाल किया और पुलिस की गोली से किसी की मौत नहीं हुई। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी ए बात साबित हुई है। उन्होंने बताया कि संभल में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है, जगह जगह चौराहों पर पुलिस बल तैनात है और कई जगह त्वरित प्रतिक्रिया बल भी तैनात है। संभल के जिलाधिकारी ने जिले में बाहरी व्यक्तियों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रवेश पर 30 नवंबर तक रोक लगाई हुई है ताकि संभल के हालत जल्द सामान्य हो पाए। संभल की स्थिति सामान्य नजर आ रही है जबकि घटना स्थल के नजदीक सन्नाटा सा पसरा हुआ है। नगर विधायक के पुत्र सोहेल इकबाल ने पीटीआई-वीडियो से कहा कि वह हिंसा वाली जगह पर मौजूद नहीं था और उसने मामले में खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। इकबाल को मामले में आरोपी बनाया गया है। इकबाल ने कहा, मैंने कभी भी ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे संभल में शांति भंग हो। हम प्यार फैलाने और लोगों की सेवा करने में विश्वास करते हैं। जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है, ऐसा नहीं होना चाहिए था। मेरा नाम इसमें शामिल किया गया है जबकि मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है और न ही मैंने कोई नफरत फैलाने वाला भाषण दिया है।

मुंबई में 26-11 आतंकी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 2008 में मुंबई हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए जान की कुर्बानी देने वाले शहीदों को मंगलवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने भी दक्षिण मुंबई स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और इस दौरान यहां पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। नवंबर 2008 में हुए हमलों के दौरान जान की कुर्बानी देने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों ने यहां विभिन्न स्थानों पर एक साथ हमले किए थे जिनमें 166 लोग मारे गए थे और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे।

आतंकवाद बर्दाश्त न करने की मोदी सरकार की नीति को दुनिया ने सराहा: अमित शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति की पूरी दुनिया ने सराहना की है और भारत आतंकवाद विरोधी पहलों में विश्व में अग्रणी बन गया है।

शाह ने कहा कि कायर आतंकवादियों ने 2008 में आज ही के दिन मुंबई में निर्दोष लोगों की हत्या करके मानवता को शर्मसार किया था। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुंबईटेररअटैक हैशटैग के साथ लिखा, मैं 26।11 के मुंबई हमलों में आतंकवादियों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि देता हूं और अपना जीवन गंवाने वाले लोगों को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद समूची मानव सभ्यता के लिए कलंक है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं करने की मोदी सरकार की नीति को पूरे विश्व ने सराहा है तथा आज भारत आतंक विरोधी पहलों में विश्व में अग्रणी बन गया है। पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में भारत में अब तक का सबसे भीषण आतंकवादी हमला किया था जिसमें 166 लोग मारे गए थे।

वक्फ संबंधी संसदीय समिति की बुधवार को बैठक होने की संभावना

नई दिल्ली(भाषा)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति की बुधवार को बैठक होने की संभावना है और इसके सदस्य प्रस्तावित कानून में अपनी ओर से संशोधन पेश कर सकते हैं। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। समिति संशोधनों पर चर्चा करेगी और उन्हें प्राप्त समर्थन के आधार पर उन्हें स्वीकार या अस्वीकार करेगी। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे और बैठक के दौरान आने वाले संशोधनों और अन्य मुद्दों पर अपने विचार पेश करेंगे। भाजपा सदस्य जगदंबिका पाल के नेतृत्व वाली संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा शुक्रवार को है। ऐसी संभावना है कि समिति को अपनी मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा सहित शेष कार्य को पूरा करने के लिए कार्यकाल विस्तार दिया जा सकता है।

संभल में लोगों की जान गई और यहां संविधान दिवस मनाया जा रहा है: अखिलेश

भाषा। नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि ऐसे समय में संविधान दिवस मनाना सही नहीं है जब संभल में लोगों की जान चली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं को उत्तर प्रदेश में हिंसा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

संविधान दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, संविधान का सच्चा उत्सव तब है, जब हम उसका पालन करें। उन्होंने कहा, हम समाजवादी हैं, बाबासाहेब बी.आर. आंबेडकर का संविधान हमारी रक्षा करता है और हमें हमारे अधिकार देता है। हम संविधान का सम्मान करते हैं लेकिन ऐसे समय में जश्न मनाना सही नहीं है जब संभल में कई लोगों की जान चली गई है। देश संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ को संविधान दिवस के रूप में मना रहा है। संविधान सभा ने 26 नवंबर, 1949 को संसद के सेंट्रल हॉल में संविधान को अपनाया था। यह 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था। यादव ने आरोप लगाया, संभल में सरकार ने जो किया है, उससे लोगों की जान गई है। न्याय से इनकार किया जा रहा है, लोगों पर झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं। संभल शहर के कोट गर्वी क्षेत्र में रविवार को अराजकता फैल गई, जब अदालत द्वारा आदेशित जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का विरोध कर रहे लोगों की पुलिस के साथ झड़प हो गई, जिसके परिणामस्वरूप चार लोगों की मौत हो गई। गोलीबारी और पथराव के बीच हुई झड़पों में उप जिलाधिकारी रमेश चंद्र सहित 20 लोग घायल हो गए।

यादव ने सवाल किया, वे चर्चा कर सकते थे, हम सर्वेक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन जब टीम सर्वेक्षण कर रही थी, तब भाजपा कार्यकर्ता नारे लगा रहे थे। क्या उनके खिलाफ कोई कार्वाई की गई? उन्होंने कहा, सरकार ने इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया है, कर्फ्यू लगा दिया है ताकि विपक्ष वहां न पहुंच सके। दोनों सदनों के हमारे विपक्ष के सदस्य वहां जाना चाहते हैं लेकिन सरकार हमें इसकी अनुमति नहीं दे रही है। सपा की लोकसभा सदस्य डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि संभल में हिंसा इसलिए भड़काई गई ताकि राज्य में उपचुनाव कैसे कराए गए, इस पर चर्चा से बचा जा सके। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान जो माहौल देखने को मिला, उससे साफ पता चला कि प्रशासन पूरी तरह से भाजपा के समर्थन में था।

वोटों की चोरी और लूट को सरकार दबाना चाहती थी। इसीलिए संभल की घटना को जानबूझकर अंजाम दिया गया। सपा सांसद इकरा हसन ने कहा कि संभल की घटना के कारण पार्टी ने संविधान दिवस समारोह का बहिष्कार किया है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी ने समारोह का बहिष्कार किया क्योंकि हमारे राज्य (उत्तर प्रदेश) में एक ऐसी घटना घटी जो संविधान पर काले धब्बे के समान है। केंद्र और राज्य की सत्ता में बैठे लोग एक तरफ संविधान की बात करते हैं और दूसरी तरफ संविधान का अपमान करते हैं। यह बहुत दुखद घटना है, हम दुखी हैं।

एस्सार समूह के सह-संस्थापक शशि रुइया का निधन

भाषा। नई दिल्ली

छोटे से निर्माण व्यवसाय को एक बुनियादी ढांचा समूह में बदलने वाले उद्यमी शशिकांत रुइया का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। उन्हें प्यार से शशि रुइया बुलाया जाता था। उन्होंने अपने भाई रवि के साथ मिलकर एस्सार समूह की स्थापना की थी। रुइया अगले महीने 81 वर्ष के होने वाले थे।

रुइया का निधन मुंबई में देर रात को हुआ। वे करीब एक महीने पहले अमेरिका से इलाज करा कर लौटे थे। रुइया परिवार ने बयान में कहा, अत्यंत दु:ख के साथ हम रुइया एवं एस्सार परिवार के संरक्षक श्री शशिकांत रुइया के निधन की सूचना दे रहे हैं। शशि रुइया के परिवार में उनकी पत्नी मंजू और दो बेटे प्रशांत तथा अंशुमान हैं। उद्योगपति शशि ने अपने पिता नंद किशोर रुइया के मार्गदर्शन में 1965 में अपनी व्यावसायिक दुनिया में कदम रखा। उन्होंने अपने भाई रवि के साथ मिलकर 1969 में चेन्नई बंदरगाह पर एक आउटर ब्रेकवाटर (लहरों, तूफान आदि से सुरक्षा के लिए तटीय क्षेत्र में निर्मित स्थाई संरचना) का निर्माण कर एस्सार की नींव रखी। इसके बाद समूह ने इस्पात, तेल शोधन, अन्वेषण तथा उत्पादन, दूरसंचार, बिजली और निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार किया। एस्सार ने शुरुआती वर्षों में निर्माण व इंजीनियरिंग परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया और कई पुल, बांध और बिजली संयंत्र बनाए। 1980 के दशक में एस्सार समूह तेल तथा गैस परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के साथ ऊर्जा क्षेत्र में विविधता ले आया। रुइया बंधुओं द्वारा सह-स्थापित व्यवसायों की देखरेख करने वाला एस्सार ग्लोबल फंड लिमिटेड आज बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, धातु और खनन, प्रौद्योगिकी और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में परिसंपत्तियों का प्रबंधन करता है। एस्सार समूह की वेबसाइट के अनुसार, ए विभिन्न कंपनियां 14 अरब अमेरिकी डॉलर का संयुक्त राजस्व उत्पन्न करती हैं। रुइया परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, समुदाय के उत्थान तथा परोपकार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ उन्होंने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया और एक स्थाई असर छोड़ा।

उनकी विनम्रता, गर्मजोशी और हर किसी से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें वास्तव में एक असाधारण शख्सियत बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रुइया के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह उद्योग जगत की महान हस्ती थे। दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने भारत के कारोबारी परिदृश्य को बदल दिया। उनका निधन बेहद दुखद है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, उन्होंने नवाचार व विकास के लिए उच्च मानक स्थापित किए। उनके पास हमेशा कई विचार होते थे.. वह हमेशा इस बात पर चर्चा करते थे कि हम अपने देश को कैसे बेहतर बना सकते हैं।

चार राज्यों में राज्यसभा की छह सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा

भाषा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को चार राज्यों में राज्यसभा की रिक्त छह सीट के लिए 20 दिसंबर को उपचुनाव कराने की घोषणा की है। आंध्र प्रदेश में तीन रिक्तियां तब पैदा हुई थीं, जब वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य वेंकटरमण राव मोपीदेवी, बीड़ा मस्तान राव यादव और रयागा कृष्णैया ने अगस्त में उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

राज्यसभा सदस्य के रूप में यादव और कृष्णैया का कार्यकाल 21 जून, 2028 को समाप्त होना था, जबकि मोपीदेवी को 21 जून, 2026 को सेवानिवृत्त होना था। ओडिशा में एक रिक्ति तब हुई, जब सुजीत कुमार ने अपनी सीट छोड़ दी। इसके बाद उन्हें बीजू जनता दल द्वारा निष्कासित कर दिया गया था। उनका कार्यकाल 2 अप्रैल, 2026 को समाप्त होना था। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के बाद अप्रैल में इस्तीफा दे दिया था।

वह अप्रैल 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कृष्ण लाल पंवार ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में विधायक चुने जाने के बाद हरियाणा से राज्यसभा की अपनी सीट छोड़ दी थी। हाल के विधानसभा चुनावों के बाद, आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और ओडिशा में भाजपा का राज्यसभा उपचुनाव में पलड़ा भारी रहेगा। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार है, जबकि हरियाणा में भाजपा का कब्जा बरकरार है।

एआर रहमान के साथ नाम जुड़ने पर मोहिनी डे ने कहा, झूठे दावे बंद करें

भाषा। नई दिल्ली

● मोहिनी डे ने पूर्व में रहमान के साथ काम किया है और वह दिग्गद संगीतकार को अपना आदर्श मानती हैं

गिटार वादक मोहिनी डे ने एआर रहमान के साथ उनका नाम जुड़ने संबंधी अफवाहों का खंडन करते हुए मीडिया से अनुरोध किया कि पूर्व पति मार्क हार्टसच से अलगाव के बीच वह उनके साथ उदारता बरते।

मोहिनी डे ने पूर्व में रहमान के साथ काम किया है और वह दिग्गद संगीतकार को अपना आदर्श मानती हैं। रहमान ने पिछले सप्ताह एक बयान जारी कर अपनी पत्नी सायरा बानू के साथ 29 वर्ष के वैवाहिक संबंध को खत्म करने की जानकारी साझा की थी, जिसके कुछ घंटों बाद ही मोहिनी ने भी हार्टसच से अलग होने की घोषणा की। मोहिनी बास गिटार वादक के साथ-साथ संगीतकार भी हैं। रहमान (57) और मोहिनी (28) के एक साथ अपने जीवनसाथी से अलग होने की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दोनों के बीच रिश्ता होने की बात कही थी। मोहिनी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में इस दावे को दरकिनार कर दिया। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मेरे और रहमान के खिलाफ इतनी सारी गलत सूचनाएं और निराधार दावे किए जा रहे हैं। मोहिनी ने कहा, मैंने बचपन से एआर रहमान के साथ काम किया है, जिनका मैं सम्मान करती हूं।

मैंने उनके साथ फिल्मों, कई संगीत समारोह आदि में साढ़े आठ वर्ष काम किया। कृपया झूठे दावे करना बंद करें और हमारी निजता का सम्मान करें। रहमान ने बानू से अलगाव के बारे में अटकलें लगाने वाले लोगों को चेतावनी जारी की थी, जिसके कुछ दिनों बाद मोहिनी ने यह पोस्ट किया। मोहिनी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि वह रहमान को पिता तुल्य मानती हैं। उन्होंने कहा, मेरे जीवन में बहुत से लोग मेरे पिता समान, आदर्श रहे हैं और मैं वास्तव में भाग्यशाली व आभारी हूं कि उन्होंने मुझे मेरे करियर में आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एआर रहमान उनमें से एक हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वह मेरे पिता जैसे हैं। मोहिनी ने कहा, वह मेरे पिता से उम्र में थोड़े छोटे हैं। मुझे लगता है कि उनकी बेटी बिल्कुल मेरी उम्र की है। हम एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं। संक्षेप में कहूं तो कृपया हमारी निजता का सम्मान करें। यह एक निजी और दर्दभरा मामला है,इसलिए मेहरबानी कर उदारता बरतें।

पेज 1 का शेष

संविधान...

हम उन सामाजिक अंतरों को पाटने और कम करने में कितने उदार हैं, जिनके लिए उच्च स्तर के संकल्पों की आवश्यकता है और वे इसके हकदार हैं? हम बेकार और विकृत सामाजिक वार्तालापों से चतुराई से बचने के लिए कितने इच्छुक हैं जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर सकते हैं?'

बांग्लादेश...

इस्कॉन इंक. भारत सरकार से आग्रह करता है कि... बांग्लादेश सरकार से बात करें और बताएं कि हम एक शांतिप्रिय भक्ति आंदोलन हैं। इस बीच, कोलकाता में भाजपा और हिंदू जागरण मंच ने चेतावनी दी है कि अगर इस्कॉन साधु को तुरंत रिहा नहीं किया गया तो वे जोरदार आंदोलन करेंगे।

मुख्यमंत्री..

अपना इस्तीफा सौंपने के लिए राजभवन में राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन से मुलाकात की। राजभवन के एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल ने इसके बाद शिंदे से अनुरोध किया कि वे नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण तक कार्यवाहक भूमिका में बने रहें। निवर्तमान विधानसभा का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया, जिससे संक्रमण प्रक्रिया में तेजी आ गई है। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने हाल के विधानसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जहां उसने 288 में से 230 सीटें हासिल कीं। भाजपा को 132 सीटें मिलीं, उसके बाद शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 57 और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। शिंदे कैबिनेट में मंत्री दीपक केसरकर ने संवाददाताओं से कहा कि जल्द से जल्द एक नई सरकार शपथ लेगी। सूत्रों ने बताया कि भारी जीत के बावजूद, महायुति गठबंधन, जिसमें भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं, इस बात पर असहमति से जूझ रहा है कि अगला सीएम कौन होगा। केसरकर ने कहा कि शिवसेना कैडर चाहते हैं कि अगला सीएम उनकी पार्टी से हो, लेकिन अंतिम फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निर्भर करेगा, जिसे वे स्वीकार करेंगे। इस बीच, भाजपा सूत्रों ने कहा कि पार्टी नई राज्य सरकार में विभागों के बंटवारे को अंतिम रूप दिए जाने तक अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया जाएगा।

अनियंत्रित...

चालक दल में सभी महिलाएँ थीं। 30 से 35 मिनट तक कोई भी दरवाज़ा नहीं खोल सका। फिर चालक दल ने मेरे सह-यात्री से दरवाज़ा खोलने और उसे सीट पर ले जाने का अनुरोध किया। यह 2.40 घंटे की उड़ान थी।'

हार पर...

सह-संस्थापक एलन मस्क ने कहा था कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है और उन्होंने कहा कि टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, आंध्र प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया था कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। पीठ ने कहा, जब चंद्रबाबू नायडू हारे थे, तो उन्होंने कहा था कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। अब इस बार जगन मोहन रेड्डी हारे हैं, तो उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। जब याचिकाकर्ता ने कहा कि सभी जानते हैं कि चुनावों में पैसे बांटे जाते हैं, तो पीठ ने टिप्पणी की, हमें कभी भी किसी चुनाव के लिए कोई पैसा नहीं मिला। याचिकाकर्ता ने कहा कि उनकी याचिका में एक और प्रार्थना चुनाव प्रचार के दौरान पैसे और शराब के इस्तेमाल को विनियमित करने के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करने और यह सुनिश्चित करने की थी कि इस तरह की प्रथाएं कानून के तहत प्रतिबंधित और दंडनीय हों। याचिका में जागरूकता बढ़ाने और सूचित निर्णय लेने के महत्व के लिए व्यापक मतदाता शिक्षा अभियान को अनिवार्य करने का निर्देश देने की भी मांग की गई। याचिकाकर्ता ने कहा, आज, 32 प्रतिशत शिक्षित लोग अपना वोट नहीं डाल रहे हैं। यह कितनी बड़ी त्रासदी है। अगर लोकतंत्र इस तरह मरता रहेगा और हम कुछ नहीं कर पाएंगे तो भविष्य में आने वाले वर्षों में क्या होगा। अप्रैल में, न्यायालय ने पेपर बैलेट प्रणाली की वापसी की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। ईवीएम में हेराफेरी के संदेह को 'निराधार' बताते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने पुरानी प्रणाली को वापस लाने की मांग को खारिज कर दिया और कहा कि मतदान उपकरण 'सुरक्षित' हैं और बूथ कैप्चरिंग और फर्जी मतदान को खत्म कर दिया गया है। हालांकि, न्यायालय ने चुनाव परिणामों में दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले पीड़ित असफल उम्मीदवारों के लिए एक खिड़की खोली और उन्हें चुनाव पैनल को शुल्क का भुगतान करके लिखित अनुरोध पर प्रति विधानसभा क्षेत्र में पांच प्रतिशत ईवीएम में एम्बेडेड माइक्रोकंट्रोलर चिप्स के सत्यापन की मांग करने की अनुमति दी। इसने निर्देश दिया कि 1 मई से, प्रतीक लोडिंग इकाइयों को सील कर दिया जाना चाहिए और एक कंटेनर में सुरक्षित किया जाना चाहिए और परिणामों की घोषणा के बाद कम से कम 45 दिनों की अवधि के लिए ईवीएम के साथ एक स्ट्रांगरूम में संग्रहीत किया जाना चाहिए।

नोएडा..

अशोक कुमार ने बताया, थाना बीटा 2 क्षेत्रान्तर्गत साइट 4 की फैक्ट्री नंबर 4जी में आग लगने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सर्च ऑपरेशन के दौरान फैक्ट्री में तीन व्यक्तियों के शव मिले। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

मेवाड़..

10 नवंबर को अपने पिता महेंद्र सिंह मेवाड़ की मृत्यु के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ को तत्कालीन राजपरिवार के मुखिया के रूप में नियुक्त किया गया। हालांकि, महेंद्र सिंह और उनके अलग हुए छोटे भाई अरविंद सिंह के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के कारण यह समारोह फीका पड़ गया। दोनों ही राजपूत राजा महाराणा प्रताप के वंशज हैं। समारोह में विश्वराज का तिलक तत्कालीन सलूंबर राजपरिवार के मुखिया देवव्रत सिंह ने किया, जिन्होंने तलवार से अपनी उंगली काटकर खून से अभिषेक किया- यह परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। विश्वराज और अन्य लोगों की योजना उदयपुर सिटी पैलेस में धूनी और एकलिंगनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना करने जाने की थी, लेकिन दोनों ही स्थान अरविंद सिंह के नियंत्रण में हैं। अरविंद सिंह ने कथित तौर पर अपने वकील के माध्यम से सोमवार को स्थानीय समाचार पत्रों में दो सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित करवाए, जिसमें अतिक्रमण करने वालों और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। जब विश्वराज और अन्य लोग सिटी पैलेस पहुंचे तो स्थानीय पुलिस ने उन्हें अंदर जाने से मना कर दिया। विश्वराज ने सिटी पैलेस में प्रवेश करने के लिए जगदीश चौक पर कई घंटों तक इंतजार किया, लेकिन रात में दोनों तरफ से पथराव होने पर तनाव बढ़ गया। धूनी के बाद विश्वराज को उदयपुर के एकलिंगनाथजी मंदिर जाना था, जहां उन्हें एकलिंगनाथजी के दीवान के प्रतीक के रूप में चांदी की छड़ी दी जानी थी। हालांकि, जगदीश चौक में इंतजार कर रहे विश्वराज सिंह मंगलवार रात 1.30 बजे सिटी पैलेस गए बिना ही उदयपुर स्थित अपने आवास पर लौट आए। मेवाड़ का 'पगारी दस्तूर' या राज्याभिषेक समारोह 7वीं शताब्दी के चित्तौड़गढ़ किले में आयोजित किया गया था। 21 तोपों की सलामी के साथ आयोजित इस समारोह में पूरे भारत से पूर्व राजपरिवारों के सदस्य शामिल हुए थे। पूर्व राजपरिवार भींडर के मुखिया रणधीर सिंह भींडर ने कहा, लक्ष्यराज सिंह ने जो किया है, वह मेवाड़ के इतिहास पर एक धब्बा है। विश्वराज सिंह को धूनी पर मत्था टेकने की अनुमति न देकर उन्होंने न केवल मेवाड़ की गौरवशाली विरासत को ठेस पहुंचाई है, बल्कि खुद को भी अपमानित किया है। उन्होंने कहा, हमने उनसे पूछा कि विश्वराज धूनी के दर्शन करके लौट जाएंगे और उस स्थान पर कोई नहीं रहेगा। राजपूत समुदाय उनसे नाराज है। पूर्व विधायक भींडर ने कहा कि लक्ष्यराज ने सोचा होगा कि अगर विश्वराज को सिटी पैलेस में प्रवेश करने दिया गया और उन्होंने अनुष्ठान पूरा कर लिया तो यह मान्य हो जाएगा कि वे परिवार के मुखिया हैं। मेवाड़ परिवार के मुखिया को 'महाराणा' कहा जाता था, जिसे भारत सरकार ने 1971 में समाप्त कर दिया था। हालांकि, समुदाय और सामाजिक हलकों में, कई लोग अभी भी मुखिया को महाराणा के रूप में मानते हैं। राजस्थान के एकीकरण से पहले जब मेवाड़ एक रियासत थी, तब महाराणा के पास राज्य पर शासन करने के लिए 16 उमराव (या मंत्री), 32 ठिकानेदार (बत्तीसा) और कई गोल सरदार हुआ करते थे।

हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ है संविधानः राष्ट्रपति

नई दिल्ली। (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को देश का सबसे पवित्र ग्रंथ बताते हुए मंगलवार को कहा कि राष्ट्र ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अनेक बड़े लक्ष्यों को प्राप्त किया है। मुर्मू ने संविधान दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), नारी शक्ति वंदन अधिनियम और तीन आपराधिक कानूनों को लागू किए जाने का भी उल्लेख किया। संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, हमारा संविधान, हमारे लोकतांत्रिक गणतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला है। हमारा संविधान, हमारे सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान को सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा, बदलते समय की मांग के अनुसार नए विचारों को अपनाने की व्यवस्था हमारे दूरदर्शी संविधान निर्माताओं ने बनाई थी। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अनेक बड़े लक्ष्यों को प्राप्त किया है। उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष एवं प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद और संविधान के रचनाकार डॉ बाबासाहब भीमराव आंबेडकर के योगदान का भी उल्लेख किया। मुर्मू ने कहा, बाबासाहब आंबेडकर की प्रगतिशील और समावेशी सोच की छाप हमारे संविधान पर अंकित है। संविधान सभा में बाबासाहब के ऐतिहासिक संबोधनों से यह तथ्य स्पष्ट होता है कि भारत, लोकतंत्र की जननी है। राष्ट्रपति ने संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा, हमारी संविधान सभा में हमारे देश की विविधता को अभिव्यक्ति मिली थी। संविधान सभा में सभी प्रान्तों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति से, अखिल भारतीय चेतना को स्वर मिला था। मेरा मानना है कि संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित आदर्श एक दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्रपति ने कहा, समग्र रूप से, ए सभी आदर्श ऐसा वातावरण उपलब्ध कराते हैं जिसमें हर नागरिक को फलने-फूलने, समाज में योगदान देने, तथा साथी नागरिकों की मदद करने का अवसर मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा, हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया है। आज एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ हमारा देश विश्वबंधु के रूप में यह भूमिका बखूबी निभा रहा है। उन्होंने कहा, संविधान की भावना के अनुसार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका का दायित्व मिल-जुलकर नागरिकों के जीवन को सुगम बनाना है।

पार्टियां पंथ को देश से ऊपर रखती हैं तो हमारी स्वतंत्रता दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगीः धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि अगर पार्टियां पंथ को देश से ऊपर रखती है तो हमारी स्वतंत्रता दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगी।संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वी वर्षगांठ के मौके पर साल भर चलने वाले समारोहो की शुरुआत के लिए पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष मे आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि रणनीति के तहत व्यवधान पैदा करना लोकतंत्र के लिए खतरा है।धनखड़ ने कहा, यह समय रचनात्मक संवाद, बहस और सार्थक चर्चा के माध्यम से हमारे लोकतांत्रिक मंदिरो की पवित्रता को बहाल करने का समय है ताकि हमारे लोगो की प्रभावी ढंग से सेवा की जा सके। इस बात का उल्लेख करते हुए कि संविधान ने निपुणता से लोकतंत्र के तीन स्तंभो -- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका-- को स्थापित किया और प्रत्यक की एक परिभाषित भूमिका है, धनखड़ ने कहा, लोकतंत्र का सबसे अच्छा पोषण तब होता है जब उसके संवैधानिक संस्थान अपने-अपने अधिकार क्षेत्रो का पालन करते हुए समन्वय, तालमेल और एकजुटता से काम करे। उन्होने जोर देकर कहा कि राज्य के इन अंगो के कामकाज मे, क्षेत्र विशिष्टता भारत को समृद्धि और समानता की अभूतपूर्व ऊंचाइयो की ओर ले जाने मे इष्टतम योगदान देने का सबसे अच्छा साधन है। उन्होने कहा, हमारा संविधान मौलिक अधिकारो का आश्वासन देता है और मौलिक कर्त्तव्यो को निर्धारित करता है। ए सूचित नागरिकता को परिभाषित करते है, जो डॉ. आंबेडकर की इस चेतावनी को दर्शाते है कि बाहरी खतरो से ज्यादा आंतरिक संघर्ष लोकतंत्र को खतरे मे डालते है।

संविधान सभा की सार्थक संवाद की उत्कृष्ट परंपरा को सदनों में अपनाना चाहिएः बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि संविधान सभा की सार्थक एवं गरिमापूर्ण संवाद की उत्कृष्ट परंपरा को संसद के दोनों सदनों में अपनाया जाना चाहिए।उन्होंने संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में यह भी कहा कि हमारा संविधान देश में सामाजिक-आर्थिक बदलावों का सूत्रधार रहा है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, केंद्रीय मंत्री तथा दोनों सदनों सदस्य मौजूद थे।बिरला ने कहा, आज हमारे देश के लिए असीम गौरव का दिन है। 75 वर्ष पहले आज ही के दिन इस पवित्र स्थान पर हमारे संविधान को अंगीकृत किया गया था। उन्होंने कहा, वर्ष 2015 में हमने हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था ताकि वर्तमान पीढ़ी को, विशेष रूप से युवाओं को हमारे संविधान में निहित मूल्यों, आदर्शों, कर्तव्यों और दायित्वों से जोड़ा जाए। बिरला ने कहा, हमारा संविधान हमारे मनीषियों के वर्षों के तप, त्याग, विद्वता, सामर्थ्य और क्षमता का परिणाम है। इसी केन्द्रीय कक्ष में 2 वर्ष, 11 महीने, 18 दिनों के कठिन परिश्रम के बाद उन्होंने देश की भौगोलिक और सामाजिक विविधताओं को एक सूत्र में बांधने वाला संविधान बनाया। हमारे इस संविधान ने हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को आकार दिया है।

संविधान ने बदलाव लाने में उल्लेखनीय मदद कीः प्रधान न्यायाधीश खन्ना

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र और भू-राजनीतिक नेता के रूप में उभरा है तथा यह बदलाव लाने में देश के संविधान ने उल्लेखनीय मदद की है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत की यात्रा परिवर्तनकारी रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने विभाजन और उसके बाद की भयावहता के बीच बड़े पैमाने पर निरक्षरता, गरीबी और संतुलन सुनिश्चित करने वाले मजबूत लोकतांत्रिक प्रणाली के अभाव से लेकर अब नेतृत्व करने वाला एवं आत्मविश्वास से भरा देश बनने तक का सफर तय किया है।न्यायमूर्ति खन्ना ने उच्चतम न्यायालय में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित संविधान दिवस समारोह में कहा, लेकिन इसके (इस यात्रा के) पीछे भारत का संविधान है, जिसने यह परिवर्तन लाने में मदद की है। यह आज जीवन जीने का एक तरीका है, जिसका पालन किया जाना चाहिए। संविधान सभा द्वारा 1949 में भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने की याद में 2015 से हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले इस दिन को विधि दिवस के रूप में मनाया जाता था। अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और एससीबीए अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति खन्ना ने बार के महत्व और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम अक्सर न्यायपालिका को न्यायाधीशों के रूप में संदर्भित करते हैं, लेकिन न्यायपालिका बार का भी समान रूप से प्रतिनिधित्व करती है।

शाह ने सशक्त भारत बनाने का संकल्प लेने की अपील की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संविधान दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत जैसे विशाल देश में लोकतंत्र की ताकत उसका संविधान है, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का मंत्र देता है। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संसद के केंद्रीय कक्ष में संविधान को अपनाया था और यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। शाह ने संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारत पूरे उत्साह से संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर जी सहित संविधान के सभी शिल्पियों के योगदान को चिरस्मरणीय बनाने के लिए (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी ने संविधान दिवस मनाने की शुरुआत की। शाह ने कहा, भारत जैसे विशाल देश के लोकतंत्र की शक्ति हमारा संविधान ही है, जो हर व्यक्ति के लिए न्याय और समान अधिकार सुनिश्चित कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का मंत्र देता है। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ मंचों पर दिखाने के लिए मात्र एक पुस्तक नहीं, बल्कि पूर्ण श्रद्धा से आत्मसात कर सार्वजनिक जीवन में अपना सर्वोच्च योगदान देने की कुंजी है। शाह ने कहा, आइएउ इस संविधान दिवस पर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लें।

संविधान में व्यक्त प्रत्येक विचार की रक्षा के लिए सभी को एकसाथ आना चाहिएः खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को कहा कि संविधान में व्यक्त प्रत्येक विचार की रक्षा के लिए सभी को एक साथ आना चाहिए।खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, संविधान को अंगीकार किए जाने का 75वां वर्ष आज से शुरू हो गया है। मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी भारतीय नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, हमारे पूर्वजों द्वारा परिश्रम से और सावधानीपूर्वक तैयार किया गया भारत का संविधान हमारे राष्ट्र की जीवनधारा है। यह हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी देता है। यह भारत को एक संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य बनाता है। उनके अनुसार, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सिर्फ आदर्श या विचार नहीं हैं, ए 140 करोड़ भारतीय नागरिकों के लिए जीवन जीने का तरीका हैं। खरगे ने कहा, आज, हम संविधान सभा और उसके सदस्यों के योगदान को याद करते हैं। हम उनकी दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के सदैव ऋणी रहेंगे। पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबा साहेब डॉ. बी आर आंबेडकर प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं जो पीढ़ियों के लिए आशा के पथप्रदर्शक बनते हैं।

काशी में पूर्व विधायक दादा के निधन से शोक की लहर

प्रधानमंत्री मोदी ने दुख जताया

वाराणसी। (भाषा) वाराणसी के शहर दक्षिण से लगातार सात बार विधायक रह चुके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता श्याम देव राय चौधरी (85) का मंगलवार की सुबह अस्पताल मे इलाज के दौरान निधन हो गया। भाजपा के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दादा के नाम से मशहूर चौधरी कुछ दिनो से उम्र संबंधी समस्याओ से पीड़ित थे। पिछले मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी खैरियत पूछी थी और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अपने वाराणसी दौरे के दौरान चौधरी को देखने अस्पताल गए थे। भाजपा महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने बताया कि श्याम देव राय चौधरी को ब्रेन हेमरेज की वजह से इलाज के लिए महमूरगंज स्थित एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह उनका निधन हो गया।उन्होने कहा कि दादा के निधन से हुए नुकसान की भरपाई नही हो सकती। उन्होने कहा कि दादा जनता मे अपनी सहजता और सरलता की वजह से लोकप्रिय थे और उनके निधन से काशी ने एक लोकप्रिय नेता को खो दिया है। भाजपा नेताओ ने बताया कि श्याम देव राय चौधरी 1989 से 2017 तक लगातार शहर दक्षिणी के सात बार विधायक रहे। भाजपा सरकार मे मंत्री रह चुके श्याम देव राय 2007 और 2012 मे प्रोटेम स्पीकर भी रहे।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता श्यामदेव राय चौधरी के निधन पर शोक जताया और कहा कि उनका जाना काशी के साथ ही पूरे राजनीतिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के शहर दक्षिण से लगातार सात बार विधायक रह चुके चौधरी का मंगलवार की सुबह अस्पताल मे इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, जनसेवा मे जीवनपर्यंत समर्पित रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता श्यामदेव राय चौधरी जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। स्नेह भाव से हम सभी उन्हे दादा कहते थे।

एएमयू में दाखिले के लिए दलिततों-पिछड़ो को आरक्षण देने की मांग को लेकर प्रदर्शन

अलीगढ़। (भाषा) उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में दाखिले के लिए हिंदू दलितों और पिछड़ों को आरक्षण देने की मांग को लेकर नवगठित एएमयू आरक्षण संघर्ष मोर्चा ने मंगलवार को विरोध मार्च निकाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों के मुताबिक, कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच यह विरोध मार्च विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास निकाला गया। उन्होंने बताया कि इस बीच पुलिस प्रशासन ने एएमयू परिसर की ओर जाने वाली विभिन्न सड़कों पर अवरोधक लगाए थे। अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर के सभी प्रवेश बिंदुओं पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। प्रदर्शनकारी सिविल लाइंस इलाके में राजा महेंद्र प्रताप चौक पर एकत्र हुए और फिर एएमयू परिसर के प्रवेश बिंदु पर विश्वविद्यालय की परिधि तक मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने एएमयू विरोधी और कुछ धार्मिक नारे भी लगाए। अधिकारियों के मुताबिक, मार्च निकालने के बाद कुछ प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों से आगे बढ़ने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उनके इस प्रयास को विफल कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित करते हुए अपर नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। मिश्रा ने जिलाधिकारी की ओर से ज्ञापन प्राप्त

किया। मिश्रा ने बाद में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए बताया कि विरोध मार्च शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में विश्वविद्यालय में हिंदू दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को तब तक आरक्षण देने की मांग की गई जब तक कि उच्चतम न्यायालय इस मुद्दे पर अंतिम फैसला न सुना दे।एएमयू के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए हैं कि विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार पर कोई अप्रिय घटना न हो।उन्होंने बताया कि एएमयू विरोधी नारों के अलावा प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय के पास भड़काऊनारे भी लगाए। पदाधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने घोषणा की थी कि आज (मंगलवार) का विरोध प्रदर्शन तो बस शुरुआत है और उनका संगठन तब तक अपनी मांग पर अड़ा रहेगा, जब तक उनकी मांगें मान नहीं ली जातीं। एएमयू प्रवक्ता और जनसंपर्क प्रभारी सदस्य प्रोफेसर मोहम्मद असीम सिद्दीकी ने बाद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, किसी भी समुदाय को आरक्षण देने का मुद्दा अब पूरी तरह से भारत के उच्चतम न्यायालय के पास है, जो देश के संविधान और विश्वविद्यालय की कानूनी स्थिति के आलोक में पूरे मामले की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि एएमयू में मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे पर पूरी तरह से गलत धारणा फैलाई गई है। वर्तमान में, किसी भी पाठ्यक्रम में मुसलमानों के लिए कोई आरक्षण नहीं है और एकमात्र आरक्षण जो मौजूद है वह आंतरिक छात्रों के लिए है, जिसमें सभी समुदायों के सदस्य शामिल हैं।

सिद्दीकी ने बताया कि जब तक उच्चतम न्यायालय इस मामले पर फैसला नहीं करता तब तक धर्म या जाति आधारित आरक्षण देने का सवाल ही नहीं उठता।उन्होंने बताया कि एक बार जब शीर्ष अदालत अपना अंतिम फैसला सुना देगा तभी विश्वविद्यालय किसी भी तरह का आरक्षण लागू करने की स्थिति में होगा।पदाधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रशासन की मदद से सभी सावधानियां बरती हैं ताकि परिसर की शांति भंग न हो।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है संविधानः रजत जैन

संवाददाता। मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालयए मेरठ में मंगलवार को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में राज भवन उत्तर प्रदेश से प्रेरित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारतीय संविधान की शपथ ग्रहण और इसके महत्व पर आधारित चर्चा रही। विश्वविद्यालय के अटल सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्लाए जिला जज रजत जैनए विश्वविद्यालय के अधिकारीए कर्मचारीए शिक्षकए और छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े जिला जज रजत जैन ने कहाए ष्भारत का संविधान न केवल देश को एक संप्रभुए समाजवादीए धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में परिभाषित करता हैए बल्कि यह प्रत्येक नागरिक को न्यायए स्वतंत्रताए समानता और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है।ष् उन्होंने डॉण् भीमराव अंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संविधान उनके दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम हैए जिसे तैयार करने में करीब तीन साल का समय लगा। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहाए ष्संविधान दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं हैए बल्कि यह दिवस हमें अपने कर्तव्यों और अधिकारों की याद दिलाने का

अवसर प्रदान करता है। भारतीय संविधान न केवल हमारे अधिकारों की रक्षा करता हैए बल्कि यह हमें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की भी प्रेरणा देता है।ष् उन्होंने आगे कहा कि इस दिन को हमें संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए। संविधान दिवस के अवसर पर छात्रों के लिए भाषणए पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों ने संविधान की महत्ता और लोकतांत्रिक मूल्यों को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। ष्भारतीय संविधानरू एक मार्गदर्शकष् विषय पर हुई भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी तार्किक और विचारशील प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया। साथ हीए ष्संविधान की सुंदरताष् पर आधारित पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताओं में भी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में जिला जज रजत जैन ने ऑनलाइन माध्यम से सभी उपस्थितजनों को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना को दोहराते हुए नागरिकों से इसके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। संविधान दिवस के इस आयोजन ने सभी प्रतिभागियों को भारतीय लोकतंत्र की नींव और इसकी उत्कृष्टता के प्रति जागरूक किया। विश्वविद्यालय ने इस आयोजन के माध्यम से संविधान के प्रति सम्मान और निष्ठा प्रकट करने का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुल सचिव धीरेंद्र कुमार वित्त अधिकारी रमेश चंद्र शोध निदेशक प्रोफेसर वीरपाल सिंह साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता समन्वयक प्रोफेसर केके शर्माए प्रोफेसर बिंदु शर्माए प्रोफेसर जमाल अहमद सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारीए विद्यार्थी मौजूद रहे।

एससी, एसटी, पिछड़ों के सामने खड़ी दीवार मजबूत कर रहे हैं मोदी और आरएसएसः राहुल

नई दिल्ली। (भाषा) लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के सामने खड़ी दीवार को मजबूत करने का आरोप लगाया और यह भी कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार के समय इस दीवार को कमजोर करने का काम जितनी मजबूती से होना था, वो नही हो पाया। कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठो की ओर से आयोजित संविधान रक्षक अभियान कार्यक्रम मे उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस चाहे कुछ भी कर ले, देश मे जाति जनगणना और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा तोड़ने का काम होकर रहेगा। उन्होने दावा किया कि इस बात की गारंटी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान को नही पढ़ा है, क्योकि यदि उन्होने पढ़ा होता तो वह वो काम नही करते जो रोजाना करते है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, आपके (एससी, एसटी, ओबीसी के) सामने दीवार खड़ी है, आप इस बात को समझते है। इस दीवार को नरेन्द्र मोदी और आरएसएस मजबूत करते जा रहे है। राहुल गांधी के अनुसार, 20 साल से देख रहा हूं...24 घंटे आपको बताया जाता है कि आपको जगह मिलेगी, लेकिन नही...धीरे-धीरे दीवार मजबूत होती है। उन्होने कहा, संप्रग की सरकार ने मनरेगा दिया, जमीन का अधिकार दिया, भोजन का अधिकार दिया, वो दीवार को कमजोर करने के तरीके थे। आज मै कह सकता हूं कि जिस प्रकार से दीवार को कमजोर करना था, हमने नही किया, जिस मजबूती से उस दीवार को कमजोर करने काम करना था, हमने नही किया, संप्रग सरकार ने नही किया। राहुल गांधी का कहना था, हम दीवार को तोड़ने की कोशिश करते थे, लेकिन ए (भाजपा) दीवार मे सीमेंट डाल रहे है।

मीरपुर की जीत से उत्साहित रालोद ने बढ़ाए कदम

उरई में रालोद का व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता। उरई, जालौन

जनपद जालौन के प्रबुद्ध जनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के आमंत्रण पर एवं प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के संगठन विस्तार के उद्देश्य से रालोद के राष्ट्रीय सचिव श्री अनुपम मिश्रा मंगलवार 26 नवंबर को उरई पहुंचे। सर्वप्रथम उनके कालपी पहुंचने पर बुंदेली सेना के अध्यक्ष सोनू ठाकुर व अन्य पदाधिकारियों ने तथा कीरतपुर के प्रधान पवनदीप निषाद ने बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ माला पहनाकर राष्ट्रीय सचिव का स्वागत किया। कालपी से उरई के बीच मार्ग में जगह.जगह लोगों ने राष्ट्रीय सचिव का स्वागत किया। तदोपरांत राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा एस आर इंटर कालेज पहुंचे जहां वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक राठौर के साथ श्री मिश्रा ने संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय के छात्र छात्राओं से भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठ

कराने के साथ सभी को संविधान का का पालन करने की शपथ दिलाई। उसने पश्चात राष्ट्रीय सचिव ने सरकिट हाउस पहुंच कर प्रेस वार्ता को संबोधित किया। साथ ही बड़ी संख्या में युवाओं ने सर्किट हाउस पहुंच कर राष्ट्रीय सचिव का स्वागत किया एवं जिले की विविध समस्याओं से राष्ट्रीय सचिव को अवगत कराया। श्री मिश्रा ने सभी समस्याओं के समाधान हेतु पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से संवाद करने एवं समस्याओं के समाधान हेतु हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उसके पश्चात राष्ट्रीय सचिव व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की जिसमें जिले के विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर रालोद के जिलाध्यक्ष ध्रुव गुप्ता भी मौजूद रहे।तदोपरांत राष्ट्रीय सचिव सेमरिया गांव पहुंचे जहां बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष सोनू ठाकुर के नेतृत्व में सेना के सदस्यों ने पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग उठाई। राष्ट्रीय सचिव श्री अनुपम मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल बुंदेलखंड क्षेत्र के लोगों की इन भावनाओं का सम्मान करता है।इसके पश्चात राष्ट्रीय सचिव रूरा अडडू गांव पहुंचे जहां पहले से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण जन एकत्र थे। राष्ट्रीय पदाधिकारी को अपने सम्मुख देख ग्रामीणों को अपने समस्याओं को लेकर उम्मीद के भाव नज़र आ रहे थे। राष्ट्रीय सचिव श्री ने धैर्य पूर्वक ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर अपने व पार्टी के स्तर से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उन्नाव में गंगा नदी पर बने ब्रिटिशकालीन पुल का एक हिस्सा गिरा

उन्नाव। पिछले चार वर्षों से बंद ब्रिटिश काल में बना और कानपुरउन्नाव को जोड़ने वाला ऐतिहासिक गंगा पुल का एक हिस्सा मंगलवार तड़के अचानक गंगा नदी में गिर गया। हालांकि इससे कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने यह जानकारी दी।वर्ष 2021 में पुल की स्थिति खराब होने के बाद इसको आवागमन के लिए बंद कर दिया गया था जिससे पुल के गिरने के दौरान किसी तरह की कोई अनहोनी नहीं हुई। स्थानीय निवासी आशू अवस्थी ने बताया कि मंगलवार भोर में दो बजे के बाद पुल के दो खंभों के बीच का हिस्सा गंगा में गिर गया। स्थानीय निवासियों का दावा है यह पुल 1874 में अवध एंड रूहेलखंड रेलवे लिमिटेड कंपनी द्वारा बनाया गया था। स्थानीय निवासी पंडा राजू ने बताया कि पुल को 2021 में दरारें आने के बाद यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि कानपुर की तरफ से 2, 10, 17 और 22 नंबर की कोठियों में गहरी दरारें पाई गई थीं जिसके चलते सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने पांच अप्रैल 2021 को इस पुल को पूरी तरह से बंद कर दिया था।

इमरान के समर्थक इस्लामाबाद पहुंचे, हिंसा में छह मरे

भाषा। इस्लामाबाद

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों की मंगलवार को पुलिस से हुई झड़पों में छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इससे पहले खान के समर्थकों ने राजधानी पहुंचने के लिए पुलिस अवरोधकों को हटा दिया और उनकी पुलिस के साथ झड़प हो गई सरकारी मीडिया ने मंगलवार को बताया कि प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के कारण अर्धसैनिक बल के चार जवान और पुलिस के दो कर्मी मारे गए तथा 100 से अधिक सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इस हिंसा के बाद संघीय सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सेना तैनात करने के साथ ही उन्हें आदेश दिए गए हैं कि उपद्रवियों को देखते ही गोली मार दी जाए। पाकिस्तान ने तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर सेना को तैनात किया हुआ है और खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के

समर्थकों ने इस्लामाबाद के डी-चौक स्थल की ओर जाने वाले रास्ते में लगाए गए अवरोधकों को हटा दिया। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान (72) पिछले वर्ष अगस्त से जेल में हैं। उन्होंने 13 नवंबर को 24 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। उन्होंने कथित तौर पर चोरी किए गए जनादेश, लोगों की गिरफ्तारी और 26वें संशोधन के पारित होने की निंदा की थी। जियो न्यूज ने फुटेज साझा की, जिसमें खान के समर्थक डी-चौक की ओर जाने वाली सड़कों पर रखे शिपिंग कंटेनरों पर चढ़ते हुए दिखाई दिए। 'डी-चौक कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उच्चतम न्यायालय के करीब स्थित है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रदर्शनकारी धरना देंगे या डी-चौक से चले जाएंगे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के शीर्ष नेताओं ने हालांकि खान की रिहाई तक इस्लामाबाद में रहने की प्रतिबद्धता जताई है। खान की पत्नी बुशरा बीबी ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे तभी यहां से जाएं जब खान खुद आकर अगली कार्वाई के बारे में बताएं। आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी के बार-बार यह कहने के बावजूद कि किसी को भी डी-चौक तक पहुंचने की अनुमति नहीं दी जाएगी, वे अपने घोषित गंतव्य तक पहुंच गए। नकवी ने यह भी कहा कि सरकार ने पीटीआई नेताओं को हर तरह से मनाने की कोशिश की, लेकिन वे संघीय राजधानी की ओर बढ़ गए। उन्होंने यह भी कहा कि पीटीआई के सभी समर्थक खैबर पख्तूनख्वा से आए थे। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि सोमवार देर रात इस्लामाबाद में श्रीनगर राजमार्ग पर एक वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने से पाकिस्तान रेंजर्स के चार अधिकारियों की मौत हो गई और उनके पांच अन्य कर्मियों एवं पुलिस के कई अधिकारियों को भी गंभीर चोटें आईं हैं। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, इस स्थान से लगभग पांच किलोमीटर दूर हथियारों और गोला-बारूद से पूरी तरह लैस कुछ बदमाशों ने रेंजर्स के जवानों पर पथराव किया और रावलपिंडी स्थित चुंगी नंबर- 26 में सुरक्षाकर्मियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें यह भी बताया गया है कि पुलिस के दो कर्मी मारे गए। पंजाब पुलिस के अनुसार, सोमवार को पीटीआई के प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प के दौरान इस्लामाबाद के बाहरी इलाके में हकला इंटरचेंज पर पुलिस के एक कर्मी की मौत हो गई।आंतरिक मंत्री नकवी ने देर रात मीडिया से बातचीत में कहा कि सौ से अधिक सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, उनमें से अधिकतर पुलिसकर्मी थे। उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारियों द्वारा पथराव किए जाने के कारण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में गहरी चोट आई। प्रदर्शनकारियों द्वारा रेंजर्स और पुलिसकर्मियों पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बयान में घटना में शामिल लोगों को चिन्हित करने और उन्हें न्याय दिलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान करें पाकिस्तान के अधिकारी : अमेरिका

वाशिंगटन। पाकिस्तान में हजारों लोगों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए रैली निकाले जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की आशंका के बीच अमेरिका ने पाकिस्तान के अधिकारियों से मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता का आदर करने तथा देश के कानूनों के प्रति सम्मान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान के आह्वान पर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों के सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने के दौरान हुई झड़पों में कम से कम एक पुलिस कर्मी की मौत हो गई और कई घायल हो गए। पिछले वर्ष अगस्त से जेल में बंद 72 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने 24 नवंबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए अंतिम आह्वान किया था। यह आह्वान उन्होंने 13 नवंबर को किया था। खान ने कथित तौर पर जनादेश की चोरी, लोगों की अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी और संविधान के 26वें संशोधन के पारित होने की निंदा की थी। संविधान के 26वें संशोधन पर उन्होंने कहा था कि इसने तानाशाही शासन को मजबूत करने का काम किया है।

भ्रष्टाचार-रोधी आयोग ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति से क्षमादान के मामले में पूछताछ की

कोलंबो। श्रीलंका में भ्रष्टाचार-रोधी आयोग ने हत्या के एक दोषी को पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना द्वारा क्षमादान दिए जाने के मामले में मंगलवार को उनका बयान दर्ज किया। रिश्वतखोरी या भ्रष्टाचार की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबीओसी) के अधिकारियों ने बताया कि सिरिसेना का बयान आयोग के कार्यालय में उपस्थित होने के बाद दर्ज किया गया। द्वीपीय राष्ट्र के 2015 से 2019 तक राष्ट्रपति रहे सिरिसेना ने 2019 में जूड श्रमंथा जयमहा को क्षमादान दिया था। श्रीलंका के उच्चतम न्यायालय ने जयमहा को 2005 में एक किशोर मित्र की हत्या के लिए दोषी ठहराया था। सिरिसेना ने 2019 में राष्ट्रपति चुनाव से पहले और उनके राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने से महज कुछ दिन पहले जयमहा को क्षमादान दिया था। भ्रष्टाचार-रोधी आयोग, प्राप्त शिकायत के आधार पर, उनसे कथित धन लेनदेन के बारे में पूछताछ करना चाहता था।

नए नाटो प्रमुख यूक्रेन का साथ देने के लिए इस संगठन के और आगे बढ़ने के पक्ष में हैं

एथेंस। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के नए महासचिव जनरल मार्क रुटे ने मंगलवार को कहा कि इस गठबंधन को रूस के आक्रमण के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन का साथ देने के लिए और आगे बढ़ने की जरूरत है। रुटे ने रूस पर उत्तर कोरिया के हजारों सैनिकों को बुलाकर संघर्ष को खतरनाक ढंग से बढ़ाने का आरोप लगाया। यूनान की यात्रा पर आए रुटे ने कहा, रूस अपने अवैध युद्ध को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर कोरियाई हथियारों और सैनिकों, ईरानी ड्रोन और रूस अपने रक्षा उद्योग के लिए चीनी दोहरे उपयोग वाले सामानों का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा, यह युद्ध का एक खतरनाक विस्तार है और वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक चुनौती है। रुटे ने यहां यूनान के प्रधानमंत्री काइरियाकोस मित्सोताकिस से भेंट की और यूक्रेन को यूनानी समर्थन देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, जिसमें हथियार और गोला-बारूद के साथ-साथ एफ-16 पायलटों और तकनीशियनों के लिए प्रशिक्षण भी शामिल है।।

इफ्को के एमडी को इंटरनेशनल रोशडेल अवार्ड

नई दिल्ली। इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड इफको के प्रबंध निदेशक डॉ.उदय शंकर अवस्थी को प्रतिष्ठित रोशडेल पायनियर्स अवार्ड 2024 प्रदान किया गया है। डॉ. वर्गीस कुरियन के बाद यह पुरस्कार पाने वाले डॉ.अवस्थी दूसरे भारतीय हैं। डॉ. कुरियन को वर्ष 2001 में यह पुरस्कार प्रदान किया गया था। रोशडेल पायनियर्स अवार्ड इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। इस अवार्ड की शुरुआत वर्ष 2000 में हुई थी। इसका उद्देश्य एक व्यक्ति या विशेष परिस्थितियों में एक सहकारी संगठन को मान्यता देना है, जिसने नवीन और वित्तीय रूप से टिकाऊ सहकारी गतिविधियों में योगदान दिया है जिससे उनके सदस्यों को काफी लाभ हुआ है। केमिकल इंजीनियर डॉ. अवस्थी 1976 में इफको में नियुक्त हुए। उनके नेतृत्व में इस सहकारी संस्था ने अपनी उत्पादन क्षमता में 292 प्रतिशत और शुद्ध संपत्ति में 688 प्रतिशत की वृद्धि की। उनके नेतृत्व में इफको ने विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में कदम रखा है, अपने व्यवसाय में विविधता लाई है और भारत के किसानों के लिए सफलतापूर्वक नवाचार और स्वदेशी नैनो उर्वरक विकसित किया है। आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने भारत में पहली बार आयोजित हो रहे आईसीए के वैश्विक सहकारी सम्मेलन में एक विशेष समारोह के दौरान 25 को डॉण् अवस्थी को यह पुरस्कार प्रदान किया।

रूस : पत्रकार को चार साल के कारावास की सजा सुनाई

मॉस्को। रूस की एक अदालत ने मंगलवार को एक पत्रकार को विदेशी संगठन के साथ सहयोग करने का दोषी ठहराते हुए चार साल के कारावास की सजा सुनाई। सुदूर पूर्वी रूस में जबाइकल्स्की क्षेत्रीय न्यायालय ने कहा कि 24 वर्षीय नीका नोवाक को एक विदेशी मीडिया संस्था के प्रतिनिधि के साथ सहयोग करने का दोषी पाया गया है, जिसके निर्देश पर, आर्थिक लाभ के लिए, पत्रकार ने रूसी सशस्त्र बलों और सरकारी एजेंसियों को बदनाम करने वाली झूठी सामग्री तैयार करने में सहायता की।

पूर्वी इंग्लैंड में सैन्य ठिकानों के ऊपर कुछ ड्रोन उड़ते देखे गए : अमेरिकी सेना

लंदन। अमेरिकी वायु सेना का कहना है कि पूर्वी इंग्लैड में उन तीन सैन्य ठिकानों के पास कई छोटे ड्रोन देखे गए है, जिनका इस्तेमाल अमेरिकी सेना करती है। मंगलवार की घटना आरएएफ लैकेन्हीथ, आरएएफ मिल्डेनहॉल और आरएएफ फेल्टवेल के पास ड्रोन देखे जाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। अमेरिकी वायु सेना-यूरोप ने एक बयान में कहा कि तीनों सैन्य ठिकानों के आसपास और ऊपर ड्रोन देखे जाने के बाद उन पर सक्रिय रूप से नजर रखी गई।

पाकिस्तान और बेलारूस सहयोग करने को सहमत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और बेलारूस ने मंगलवार को कृषि, खान एवं खनिज, सूचना प्रौद्योगिकी और भारी मशीनरी विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक मसौदे को अंतिम रूप देने पर सहमति जताई। यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के बीच बैठक के दौरान यह सहमति बनी।बाद में संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा, दोनों पक्ष इन चर्चाओं को अंतिम रूप देने और उन्हें व्यावहारिक कदमों में बदलने के लिए दो सप्ताह में फिर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद अगले साल फरवरी में समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

भारत की प्रस्तावित आधिकारिक यात्रा के बाद चीन जाएंगे दिसानायके : अधिकारी

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत की अपनी प्रस्तावित आधिकारिक यात्रा के बाद चीन का दौरा करने की योजना बना रहे है। कैबिनेट प्रवक्ता नलिंदा जयतिस्सा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जयतिस्सा ने बताया कि कोलंबो में चीन के राजदूत ने दिसानायके को आधिकारिक निमंत्रण सौंपा है। उन्होंने कहा कि दिसानायके अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के तहत दिसंबर के तीसरे हफ्ते में भारत जाएंगे, लेकिन इसकी तिथि अभी तय नहीं की गई है।

शुद्धता की लड़ाई में टाटा नमक की जीत

मुंबई। टाटा नमक 1983 से भारत का प्रमुख आयोडीन युक्त नमक ब्रांड रहा है और इसने अपने प्रोडक्ट की शुद्धता की अपनी विरासत को कायम रखा है। लेबोरेटरी में हुए टेस्ट के दौरानए टाटा नमक देश भर के 100 प्रतिशत नमक में सबसे शुद्ध नमक के रूप में उभरा है। इससे टाटा नमक, देश में शुद्धता और क्वालिटी के मानक के रूप में स्थापित होता है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में अध्यक्ष पैकेज्ड फूड्स इंडिया दीपिका भान ने अपनी टिप्पणी में कहा कि टाटा नमक की शुद्धता और क्वालिटी के प्रति प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि हम उत्तर प्रदेश के लोगों के हित के प्रति समर्पित हैं। टाटा नमक शुद्धता का प्रतीक है। ब्रांड ने इस क्षेत्र में नमक की क्वालिटी के लिए स्वर्णिम मानक स्थापित किए हैं। कड़े मानकों और प्रोडक्ट की क्वालिटी पर ध्यान देकर, हम यह प्रयास करते हैं कि उत्तर प्रदेश के हर घर में सही मात्रा में आयोडीन और सिर्फ बेहतरीन क्वालिटी वाला नमक ही पहुंचे।

इजराइली लड़ाकू विमानों ने मध्य बेरूत पर बमबारी की

भाषा। बेरूत

इजराइली लड़ाकू विमानों ने मंगलवार को मध्य बेरूत और शहर के दक्षिणी उपनगरों पर हमला किया, जिससे लेबनान की राजधानी पर धुएं का गुबार छा गया। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब इजराइल नेतृत्व हिजबुल्ला के साथ एक साल से अधिक समय से जारी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम को स्वीकार करने या न करने पर निर्णय करने वाला है। इजराइली सेना ने बेरूत के उपनगरों में 20 और इमारतों को भी खाली करने की चेतावनी जारी की, इससे पहले कि उन पर भी हमला हो। यह इसका संकेत है कि इजराइल किसी भी युद्धविराम के प्रभावी होने से पहले हिजबुल्ला को अंतिम समय तक सजा देने का लक्ष्य बना रहा है। इजराइली जमीनी सैनिक संघर्ष में पहली बार लेबनान की लिटानी नदी के कुछ हिस्सों में भी पहुंचे, जो उभरते युद्धविराम का केंद्र बिंदु है। युद्धविराम अब भी पक्का नहीं है, लेकिन मंगलवार दोपहर को होने वाली इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट की बैठक में अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद थी। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि हिजबुल्ला भी इस समझौते का समर्थन करता है और अगर सभी पक्षों द्वारा इसे मंजूरी दे दी जाती है, तो यह समझौता इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा, जिसने पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। इस युद्ध ने इसके साथ ही इजराइल और हिजबुल्ला के संरक्षक ईरान के बीच और व्यापक संघर्ष की आशंकाओं को भी बढ़ा दिया है। इस समझौते में लड़ाई को दो महीने के लिए रोकने का आह्वान किया गया है। इसके तहत हिजबुल्ला को दक्षिणी लेबनान के एक बड़े हिस्से में अपनी सशस्त्र उपस्थिति समाप्त करनी होगी, जबकि इजराइली सैनिक सीमा के अपने हिस्से में लौट जाएंगे। हजारों लेबनानी सैनिक और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दक्षिण में तैनात होंगे और अमेरिका के नेतृत्व वाला एक अंतरराष्ट्रीय पैनल सभी पक्षों के अनुपालन की निगरानी करेगा। हालांकि, इसके क्रियान्वयन पर अब भी सवालिया निशान लगा हुआ है। इजराइल ने मांग की है कि यदि हिजबुल्ला अपने दायित्वों का उल्लंघन करता है तो उसे कार्वाई करने का अधिकार हो। लेबनानी अधिकारियों ने प्रस्ताव में इसका उल्लेख करने से इनकार कर दिया है।

इजराइल के पास हिजबुल्लाह के साथ युद्ध विराम से इनकार करने का कोई बहाना नहीं: ईयू की शीर्ष राजनयिक

फ्यूजी (इटली)। यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिक ने मंगलवार को कहा कि लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह के साथ युद्ध विराम को अस्वीकार करने के लिए इजराइल के पास कोई बहाना नही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-फ्रांस की मध्यस्थता वाले समझौते में उसकी सभी सुरक्षा चिंताओं का समाधान कर दिया गया है।यूरोपीय संघ के निवर्तमान विदेश नीति प्रमुख जोसेफ बोरेल ने सरकार में चरमपंथियो पर अंकुश लगाने के लिए इजराइल पर दबाव बढ़ाने का आह्वान किया, जो समझौते को स्वीकार करने से इनकार कर रहे है। इटली में ग्रुप ऑफ सेवेन (जी7) की बैठक के अवसर पर बोरेल ने चेतावनी दी कि यदि युद्ध विराम लागू नही किया गया तो लेबनान बिखर जाएगा। इजराइली अधिकारियो ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सुरक्षा कैबिनेट मंगलवार को प्रस्तावित युद्ध विराम पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। जो मुद्दे बचे है उनमें इजराइली की यह मांग भी है कि अगर हिजबुल्लाह हो रहे समझौते के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन करता है तो कार्वाई करने का अधिकार सुरक्षित रखा जाए।बोरेल ने कहा कि प्रस्तावित समझौते के तहत, अमेरिका युद्धविराम कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता करेगा, जिसमें लेबनान के अनुरोध पर फ्रांस भी भाग लेगा। अमेरिका और फ्रांस द्वारा प्रस्तावित समझौते पर इजराइल की सभी सुरक्षा चिंताओ का समाधान कर दिया गया है।

जापान: नए छोटे रॉकेट के इंजन में परीक्षण के दौरान दूसरी बार धमाका

तोक्यो। जापान के एक प्रमुख छोटे नए रॉकेट के इंजन में मंगलवार को दहन परीक्षण के दौरान आग लग गई। हालांकि आग लगने से इसके बाहरी हिस्से में कोई क्षति नहीं पहुंची। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एप्सिलॉन एस रॉकेट के लगातार दूसरी बार विफल होने से इसकी प्रगति को लेकर चिंता गहरा गई है क्योंकि इसे अगले साल लांच किए जाने की उम्मीद की जा रही थी। कैबिनेट के मुख्य सचिव योशिमासा हयाशी ने पत्रकारों को बताया कि यह परीक्षण दक्षिण-पश्चिमी जापान में स्थित तानेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र के प्रतिबंधित क्षेत्र के अंदर किया गया था और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) इसकी जांच कर रही है। जेएएक्सए के अनुसार, आग लगने के बाद धमाका हुआ और सफेद धुंए का गुबार उठने लगा। मंगलवार की इस ताजा विफलता से पहले साल परीक्षण के दौरान भी इसी एप्सिलॉन एस इंजन में धमाका हुआ था। एजेंसी ने कहा है कि पिछले वर्ष का हुआ धमाका इंजन के दहन प्रणाली को हुए नुकसान से संबंधित था और जेएएक्सए ने आवश्यक कदम उठाए हैं।

दुनिया में बढ़ रहा विमानन क्षेत्र का कद

ग्लोबल । एयरलाइन अकासा एयर ने उद्योग जगत की पहली और अनूठी पेशकशों के ज़रिए विमानन के क्षेत्र का कायाकल्प करने का प्रयास किया है। अकासा एयर हमेशा अपने यात्रियों को सर्वाच्च प्राथमिकता देती है और आराम सुविधा और ग्राहक संतुष्टि नए मानक स्थापित करती है। आज के युग में यात्रा के अर्थ के प्रति एक सकारात्मक और निर्णायक विजन के साथ अकासा एयर ने यह अनूठी पहल की है। आज इसका ओहदा एक अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन का है और हमें अकासा के अनुभव और भारतीय आतिथ्य सत्कार को दुनिया के पटल पर रखने का गर्व और हर्ष दोनों है। अकासा एयर की समान अनुभूति एवं युवा शख्सियत, कर्मचारी,अनुकूल संस्कृतिए ग्राहक.सेवा दर्शन और तकनीक से लैस नजरिया जैसी खूबियां इसे लाखों ग्राहकों की पसंदीदा एयरलाइन बनाते हैं। अपनी शुरुआत के बाद सेए अकासा एयर ने उद्योग के अब तक के पहले और ग्राहक अनुकूल पेशकशों द्वारा भारत में उड़ान को नए ढंग से परिभषित करने का प्रयास किया है। फ़्लाइट में लजीज भोजन से लेकर पेट.फ्रेंडली यात्रा जैसी अकासा एयर की पहल सर्व समावेशिता और सेवा उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

स्वच्छ जलवायु के लिए लंदन, दिल्ली सर्वोत्तम उपायों को कर सकते हैं साझा : ब्रिटेन की मंत्री

लंदन। खराब वायु गुणवत्ता से जूझ रही नई दिल्ली का हाल में दौरा करने वाली ब्रिटेन की हिंद-प्रशांत मामलों की मंत्री कैथरीन वेस्ट ने स्वच्छ जलवायु की ओर बढ़ने में दोनों देशों के बीच सर्वोत्तम उपायों को साझा किए जाने पर जोर दिया है। वह जलवायु, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास जैसे पहलुओं पर चर्चा के लिए पिछले सप्ताह भारत की यात्रा पर थी। उन्होंने (ब्रिटेन के) प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर और नरेन्द्र मोदी द्वारा नए वर्ष में मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता फिर से शुरू करने की घोषणा का स्वागत किया। वेस्ट ने सोमवार को लंदन मं दूसरे वार्षिक हिंद-प्रशांत सम्मेलन मे अपने मुख्य संबोधन मे कहा कि दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले देश के रूप में, भारत के पास जलवायु और सतत विकास पर प्रगति को आगे बढ़ाने का एक अद्वितीय अवसर है। उन्होंने कहा, जब मै पिछले सप्ताह भारत गई थी, तो सभी ने आपसी सहयोग और वैश्विक समस्याओ से मिलकर निपटने के प्रति उत्साह दिखाया था।

अडानी पर लगे आरोप ट्रंप के राष्ट्रपति बनने पर दोषपूर्ण पाए गए, तो वापस लिए जा सकते हैं

भाषा। न्यूयॉर्क

जाने माने भारतीय-अमेरिकी वकील रवि बत्रा ने कहा है कि अरबपति गौतम अदाणी पर लगे आरोपों को डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद यदि बेबुनियाद या दोषपूर्ण पाया जाता है तो भारतीय कारोबारी के खिलाफ 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिश्वत मामले को वापस लिए जाने की संभावना बरकरार है। अटॉर्नी रवि बत्रा ने पीटीआई से कहा कि हर नए राष्ट्रपति के पास एक नई टीम होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने पर किसी भी ऐसे अभियोजन को निष्प्रभावी कर देंगे जो सद्भावना के विपरीत विरोधी को निशाना बनाने के लिए कानून का सहारा लेने पर आधारित है। बत्रा ने कहा, कानून का अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए चुनिंदा रूप से इस्तेमाल करना हमारे संघीय संविधान द्वारा दी गई कानून के समान संरक्षण की गारंटी के लक्ष्य को स्वाभाविक रूप से नकारता है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे गौतम अदाणी अपनी सरकार के साथ उठा सकते हैं और उससे अनुरोध कर सकते हैं कि वह इसे आगामी ट्रंप प्रशासन के साथ द्विपक्षीय रूप से उठाएं। ट्रंप 20 जनवरी, 2025 को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। मंत्रालय और एसईसी (प्रतिभूति और विनिमय आयोग) आपराधिक और दीवानी मामलों को वापस ले सकते हैं।

द्रोह के आरोप में गिरफ्तार हिंदू नेता को जमानत देने से बांग्लादेश की अदालत का इनकार

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को प्रमुख हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार कर दिया जिन्हें राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। ढाका और चटगांव समेत अनेक स्थानों पर हिंदू समुदाय के सदस्यों के विरोध प्रदर्शनों के बीच ब्रह्मचारी को जेल भेज दिया गया। बांग्लादेश पुलिस ने हिंदू संगठन सम्मिलित सनातनी जोत के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका में हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से सोमवार को गिरफ्तार किया था, जब वह चटगांव जा रहे थे। उन्हें चटगांव लाया गया।अधिकारियों ने कहा कि

दास को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत ले जाया गया, जहां वकीलों सहित उनके कई समर्थक उनकी गिरफ्तारी के विरोध में नारे लगा रहे थे। चश्मदीदों के अनुसार अदालत परिसर में जमा समर्थकों का दास ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया। दास के समर्थक नारे लगा रहे थे। दास ने उनसे धार्मिक नारे नहीं लगाने की अपील की। दास के वकीलों ने सुनवाई के दौरान चटगांव के छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम से अनुरोध किया कि उनके लिए भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाएं। न्यायाधीश ने कहा, मैं उनके प्रति आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं। इसके बाद इस्लाम ने कुछ देर के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी। कार्यवाही फिर शुरू होने पर उन्होंने वकीलों से जमानत अर्जी पेश करने को कहा। इस दौरान दास ने एक बयान भी दिया। दलीलें समाप्त होने के बाद इस्लाम ने दास की जमानत याचिका खारिज कर दी।

कोटक म्यूचुअल फंड 9 को बंद होगा

मुंबई। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (कोटक म्यूचुअल फंड) ने अपना न्यू फंड ऑफर कोटक ट्रांसपोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स फंड लॉन्च किया है। यह ट्रांसपोर्टेशन (परिवहन) और लॉजिस्टिक्स थीम पर आधारित एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। यह स्कीम पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 25 नवंबर 2024 को खुल रही है, जबकि 09 दिसंबर 2024 को बंद होगी। कोटक ट्रांसपोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स फंड का उद्देश्य ट्रांसपोर्टेशन (परिवहन), लॉजिस्टिक्स और संबंधित गतिविधियों में लगी कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से संबंधित सिक्योरिटीज में मुख्य रूप से निवेश करके लॉन्ग टर्म में हाई रिटर्न हासिल करना है। इस थीम में ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स सर्विसेज और कुशल व सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन के लिए इनोवेटिव समाधानों में शामिल बिजनेस के साथ-साथ इन सेक्टर का समर्थन करने वाली वित्तीय कंपनियों से जुड़े बिजनेस भी शामिल हैं। यह फंड निवेशकों को बढ़ती जरूरतों व आकांक्षाओं, ट्रांसपोर्टेशन (परिवहन) और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के तेजी से हो रही ग्रोथ के महत्वपूर्ण अवसरों से प्रेरित भारत के बढ़ते ट्रांसपोर्टेशन (परिवहन) और लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री में निवेश करने का मौका प्रदान करता है। यह फंड लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों सहित अलग अलग मार्केट कैपिटलाइजेशन में निवेश करने की सुविधा के साथ बॉटम-अप का दृष्टिकोण अपनाएगा। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलेश शाह का कहना है कि कोटक ट्रांसपोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स फंड के लॉन्च के साथ, हम निवेशकों को भारत के तेजी से बदलते ट्रांसपोर्टेशन (परिवहन) और लॉजिस्टिक्स थीम में निवेश का अवसर प्रदान करते हैं।

धानुका व बायर एजी आए एक साथ

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी कृषि इनपुट कंपनियों में से एक धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने एक्टिव इंग्रेडिएंट्स इप्रोवालिकार्ब और ट्रायडिमेनॉल के अंतराष्ट्रीय अधिकार प्राप्त करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अधिग्रहण के साथ, धानुका की योजना भारत सहित लैटिन अमेरिका, यूरोप और एशिया के क्षेत्रों सहित 20 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की है। इन उत्पादों का आविष्कार कृषि इनपुट समाधानों और खेती के नवाचारों में वैश्विक अग्रणी बायर एजी द्वारा किया गया था। यह अधिग्रहण धानुका को वैश्विक बाजार विस्तार की यात्रा शुरू करने में सक्षम बनाएगा। धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक हर्ष धानुका ने कहा, धानुका, बायर एजी के साथ इस यात्रा पर निकलने के लिए उत्साहित है, क्योंकि हम इन प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। यह समझौता न केवल हमारी बाजार उपस्थिति को मजबूत करता है, बल्कि दुनिया भर के ग्राहकों को असाधारण उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मधुमेह रोकथाम के लिए कॉल टू एक्शन अंगीकार किया

कोलंबो (श्रीलंका)। दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में मधुमेह की रोकथाम और नियंत्रण उपायों को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं अधिकारियों ने कोलंबो कॉल टू एक्शन अंगीकार किया है। कॉल टू एक्शन (कार्वाई का आह्वान) विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट के प्रमुख कारकों- एकजुट करने, एकीकृत करने, नवाचार, उपचार, पता लगाने और शिक्षित करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए सदस्य देशों की उत्प्रेरक कार्वाइयों और सामूहिक प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करता है। डब्ल्यूएचओ के एक बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य मधुमेह के जोखिम को कम करना और गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं देखभाल तक पहुंच सुनिश्चित करना है। यह मोटापे, अस्वास्थ्यकर आहार और शारीरिक निष्क्रियता से टाइप-2 मधुमेह की रोकथाम का भी समर्थन करता है। बयान में कहा गया है कि दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में हर साल मधुमेह से संबंधित 4,82,000 से अधिक मौतें होती हैं। मधुमेह और इसकी जटिलताएं-दृष्टीहीनता, गुर्दे में गड़बड़ी, दिल का दौरा, स्ट्रोक और निचले अंग का विच्छेदन- मधुमेह रोगियों, उनके परिवारों, स्वास्थ्य प्रणालियोंऔर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए अनगिनत कठिनाइयों और आर्थिक नुकसान का कारण बनती हैं। डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक साइमा वाजेद ने विश्व मधुमेह दिवस 2024 के दो दिवसीय क्षेत्रीय स्मरणोत्सव को संबोधित करते हुए कहा, मधुमेह देखभाल तक समय पर पहुंच सुनिश्चित करके जीवन को बचाया जा सकता है। देखभाल सेवाओं को न्यायसंगत, व्यापक, सुलभ और सस्ता होना चाहिए। डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिमी प्रशांत और अफ्रीका क्षेत्रों के स्वास्थ्य मंत्रालयों के प्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों, पेशेवर निकायों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और विकास भागीदारों सहित 100 से अधिक विशेषज्ञों और अधिकारियों ने 21-22 नवंबर को स्वास्थ्य मंत्रालय, श्रीलंका सरकार और डब्ल्यूएचओ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

एप से ले सकते हैं वेलनेस सेवाएं

टाटा एआईए ने घोषणा की है कि उसके ग्राहक ऐप डाउनलोड ने 1 मिलियन 10 लाख का स्तर पार कर लिया है। यह उपलब्धिए टाटा एआई के ग्राहकों के अपने डिजिटल समाधानों पर बढ़ते भरोसे और निर्भरता का एक और प्रमाण है जिसमें मोबाइल ऐप उपभोक्ता पोर्टल, व्हाट्सएप एनेबल्ड सेवा आदि शामिल हैं। ये समाधान टाटा एआईए उपभोक्ता को ब्रांड के साथ अपने जीवन बीमा यात्रा को प्रबंधित करने के सुविधाजनक और सहज तरीकों का अनुभव करने के लिए सशक्त बनाने वाले डू.इट.योरसेल्फ्श् के विचार को प्रोत्साहित करते हैं। इस अत्याधुनिक ऐप के साथए उपभोक्ता किसी भी समय कहीं से भी अपनी बीमा पॉलिसियों का प्रबंधन कर सकते हैं। ऐप 12 से ज़्यादा स्वास्थ्य और वेलनेस सेवाएं प्रदान करता है जो उपयोगकर्ताओं के बीच समग्र वेलनेस को बढ़ावा देता है। इनमें आउटपेशेंट परामर्श, डायग्नोस्टिक्स, वर्चुअल,ऑनलाइन परामर्श, आपातकालीन देखभाल, भावनात्मक कल्याण, पोषण प्रबंधन आदि शामिल हैं। कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी सौम्य घोष ने कहा कि हम अपनी डिजिटल पेशकश में लगातार नवोन्मेष के साथ इनका विस्तार कर अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लाल सागर में पर्यटकों की नौका डूबने से 16 लोग लापता: मिस्र के अधिकारी

काहिरा। लाल सागर में पर्यटकों की एक नौका के डूबने से कम से कम 16 लोग लापता हो गए हैं। मिस्र के अधिकारियो ने यह जानकारी दी। लाल सागर क्षेत्र के गवर्नर अम्र हनाफी ने बताया कि बचावकर्मियों ने तटीय शहर मार्सा आलम के दक्षिण में नौका से 28 लोगों को बचाया तथा कुछ लोगों को चिकित्सकीय उपचार के लिए हवाई मार्ग से ले जाया गया। फेसबुक पर लाल सागर गवर्नरेट की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, हनाफी ने उस स्थान का दौरा किया जहां नौका डूबी थी। हनाफी ने बताया कि नौका पर कुल 44 लोग सवार थे, जिनमें चालक दल के सदस्यो समेत मिस्र के 13 लोग शामिल थे। नौका पर अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, फिनलैंड, चीन, स्लोवाकिया, स्पेन और आयरलैंड के 31 विदेशी नागरिक सवार थे।

यूनान में समोस तट के समीप समुद्र में एक नौका डूबी, छह बच्चों एवं दो महिलाओं की मौत

समोस (यूनान)। यूनान के समोस द्वीप से सटे समुद्र में प्रवासियो को ला रही एक नौका के डूब जाने से छह बच्चो समेत आठ लोगो की मौत हो गई। अधिकारियो ने सोमवार को यह जानकारी दी। तटरक्षक बल ने बताया कि एक अन्य द्वीप पर एक अलग दुर्घटना मे, 27 प्रवासियो के एक छोटी नाव मे चढ़ने के दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। किसी के लापता होने की सूचना नही है। तटरक्षक बल ने बताया कि पहली दुर्घटना मे बाल -बाल बच गए 36 लोग समोस मे एक तट पर पाए गए जबकि तीन अन्य को पहले ही बचा लिया गया था। उसके अनुसार यह तुरंत स्पष्ट नही हो पाया कि क्या कोई और अब भी लापता है। नाव पर सवार लोगों की राष्ट्रीयता का पता नही चल पाया है। तटरक्षक बल ने कहा कि एक गश्ती जहाज, एक जीवनरक्षक नौका, एक नौसेना जहाज, एक हेलीकॉप्टर और अन्य बचावकर्मी संभावित रूप से लापता लोगो की तलाश करने में जुटे है क्योंकि जो लोग बच गए है, वे बता नही पा रहे है कि नौका मे कुल कितने लोग सवार थे।

चीनी लड़ाकू विमानों ने संवेदनशील ताइवान जलडमरूमध्य में अमेरिकी विमान का पीछा किया

ताइपे (ताइवान)। चीन ने मंगलवार को संवेदनशील ताइवान जलडमरूमध्य से गुजर रहे अमेरिकी नौसेना के विमान की निगरानी के लिए सैन्य विमान और जहाज तैनात किए। चीन की सेना ने यह जानकारी दी। स्वशासित ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच अक्सर तनातनी देखने को मिलती है। अमेरिकी नौसेना के 7वे बेड़े ने एक बयान में कहा कि पी-8ए पोसाइडन समुद्री गश्ती विमान ने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार जलडमरूमध्य के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र से उड़ान भरी। इसमें कहा गया कि यह स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इम्फाल और वाराणसी के लिए सेवाएं शुरू

वाराणसी। भारत की प्रमुख एक्सप्रेस डिस्ट्रिब्यूशन एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट कंपनी ऑलकार्गो गति लिमिटेड ने अपनी एयर एक्सप्रेस सर्विस के जरिए मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई और कोलकाता जैसे प्रमुख मेट्रो शहरों से इम्फाल और वाराणसी के लिए सबसे तेज सीधी डिलीवरी सेवाएं (फास्टेस्ट डायरेक्टर डिलीवरी सर्विसेज) शुरू की है.ऑलकार्गो गति लिमिटेड के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर उदय शर्मा ने कहा,इम्फाल और वाराणसी तक हमारी एयर एक्सप्रेस सर्विस का विस्तार भारत में बढ़ते बाजार परिदृश्य को सपोर्ट करने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है, मेट्रो शहरों तक त्वरित सीधी डिलीवरी सेवा से ऐसे शिपमेंट की जल्द डिलीवरी सुनिश्चित हो पाती है, जिनका समय पर पहुंचना जरूरी होता है. इससे व्यवसायों को परिचालन दक्षता में सुधार करने, सप्लाई चेन से जुड़ी बाधाओं को कम करने और इंवेंट्री से जुड़ी लागत में कमी लाने में मदद मिलती है, त्वरित और अधिक विश्वसनीय डिलीवरी सुनिश्चित करके हमारी एयर एक्सप्रेस सर्विस भारतीय व्यवसायों को उनकी पहुंच बढ़ाने, ऑपरेशन्स को ऑप्टिमाइज करने और आज के गतिशील बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक रूप से आगे बढ़ने में मदद कर रही है,इस तरह ऑलकार्गो गति देश के प्रमुख शहरों से इम्फाल तक हवाई मार्ग के जरिए सीधी डिलीवरी सेवाएं प्रदान करने वाली भारत की अग्रणी एक्सप्रेस लॉजिस्टिक कंपनियों में से एक ह, एयर एक्सप्रेस सर्विस का विस्तार कम टर्नअराउंड टाइम के साथ तेज कनेक्टिटी, अधिक कुशल लॉजिस्टिक सॉल्यूशन, भारत में व्यवसायों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की कंपनी की प्रतिबद्धता में शामिल है।

दूसरा टेस्टः क्या रोहित मध्यक्रम में बल्लेबाजी करेंगे

राहुल से पारी का आगाज करना जारी रखेंगे!

भाषा। नई दिल्ली

नियमित कप्तान रोहित शर्मा की एडीलेड में अगले टेस्ट में भारतीय टीम में वापसी होगी लिहाजा इससे पहले कैनबरा में 30 नवंबर से होने वाले अभ्यास मैच में यह देखना दिलचस्प होगा कि वह खुद पारी का आगाज करते हैं या लोकेश राहुल से कराते हैं। रोहित या राहुल में किसी का तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करना इस पर भी निर्भर करेगा कि शुभमन गिल फिट होते हैं या नहीं। गिल अगर मैच के लिए फिट नहीं हुए तो राहुल या रोहित में कोई इस मैच में तीसरे क्रम पर खेलेगा। भारतीय क्रिकेट जगत में हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि इस दौरे पर रोहित अगर मध्यक्रम (पांचवें या छठे क्रम पर) में बल्लेबाजी करें तो यह टीम के लिए ज्यादा कारगर होगा। पर्थ में पहले टेस्ट में रोहित की अनुपस्थिति के कारण राहुल का इस्तेमाल एक अस्थाई सलामी बल्लेबाज के तौर पर हुआ था। वह हालांकि ऑप्टस स्टेडियम में दोनों पारियों में 26 और 77 रन बनाकर वह सभी भारतीय बल्लेबाजों में तकनीकी रूप से सबसे मजबूत दिखे। इस मैच से पहले उन्होंने एमसीजी में भारत ए के लिए भी एक मैच में सलामी बल्लेबाजी की भूमिका निभाई थी। पिछले पांच साल से टेस्ट में पारी का आगाज कर रहे रोहित अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं है। भारत में हाल ही खेले गए पांच टेस्ट मैचों में उनका प्रदर्शन उत्साहजनक नहीं रहा था। यह सभी मैच हालांकि बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिचों पर खेले गए थे। गिल को वाका में अभ्यास मैच के दौरान अंगुली में हेयरलाइन फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा था और वह शुरुआती टेस्ट मैच से बाहर हो गए थे। उन्होंने अभी तब नेट सत्र में बल्लेबाजी अभ्यास शुरू नहीं की है। वह अगर मैच के लिए फिट होते है तो ध्रुव जुरेल को एकादश से बाहर होना पड़ेगा। इस मैच में यह भी देखना होगा कि क्या टीम प्रबंधन स्पिन गेंदबाजी विभाग में कोई बदलाव करती है या नही। पर्थ में रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी स्पिन गेंदबाजों की जगह वाशिंगटन सुंदर को खेलने का मौका मिला था। अश्विन ने 2021 में एडीलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट की पहली पारी में 45 रन पर चार विकेट लिए थे। इसमें शानदार गेंद पर स्टीव स्मिथ का विकेट भी शामिल था। मौजूदा परिस्थितियों को देखे में एडीलेड में भी पिच से स्पिनरों के लिए ज्यादा मदद नहीं होगी। जडेजा को विदेशों में बेहतर बल्लेबाजी के दम पर अश्विन के ऊपर तरजीह मिलती रही है लेकिन वाशिंगटन को तकनीकी तौर पर उनसे बेहतर माना जाता है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पर्थ में विराट कोहली के साथ 89 रन की साझेदारी कर टीम की बढ़त को 500 से अधिक तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया था। एडीलेड टेस्ट में भारतीय टीम को एकादश तय करने से ज्यादा ध्यान बल्लेबाजी क्रम तय करने पर देना होगा।

निजी आपात स्थिति के कारण स्वदेश लौटे गंभीर, एडीलेड में टीम से जुड़ेंगे

पर्थ। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर निजी आपात स्थिति के कारण स्वदेश अपने परिवार के पास लौट आए है और छह दिसंबर से एडीलेड मे होने वाले गुलाबी गेद के टेस्ट से पहले उनके टीम से जुड़ने की संभावना नही है। गंभीर कैनबरा मे 30 नवंबर से होने वाले दो दिवसीय दिन रात के अभ्यास मैच मे भी नही होंगे। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया , वह मंगलवार की सुबह भारत के लिए रवाना हो गए। यह एक निजी इमरजेंसी थी। वह एडीलेड मे दूसरे टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे। भारतीय टीम 27 नवंबर को कैनबरा रवाना होगा जहां पूरी टीम आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस द्वारा उनके सम्मान मे दिए जाने वाले समारोह मे भाग लेगी। दो दिवसीय मैच दिन रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए काफी अहम है। इसके लिए गुलाबी कूकाबूरा गेद का इस्तेमाल होगा। प्रधानमंत्री एकादश की कप्तानी हरफनमौला जैक एडवर्डस करेंगे। टीम मे कई युवा खिलाड़ियों के साथ स्कॉट बोलैंड और मैथ्यू रेनशॉ जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी है।मैच के नियम दोनो टीमें तय करेंगे और ऐसी उम्मीद है कि सभी को बल्लेबाजी और गेंदबाजी का मौका मिलेगा क्योकि इस मैच को आधिकारिक दर्जा हासिल नही है।

मुझे लगा कि सूर्यवंशी को निखरने के लिए रॉयल्स में अच्छा माहौल मिलेगा : द्रविड़

जेद्दा। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र मे उनकी टीम 13 वर्ष के वैभव रघुवंशी को निखरने के लिए अच्छा माहौल दे सकती है। बिहार के समस्तीपुर जिले के आठवी कक्षा के छात्र सूर्यवंशी को रॉयल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपए मे खरीदा और वह आईपीएल करार पाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। द्रविड़ ने आईपीएल द्वारा जारी वीडियो मे कहा , मुझे लगता है कि उसमे अच्छा कौशल है और हमे लगा कि उसके विकास के लिए हम अच्छा माहौल दे सकते है। वह हमारे ट्रायल के लिए आया था और उसे देखकर हमे बहुत खुशी हुई। नीलामी मे सूर्यवंशी का बेसप्राइज 30 लाख रूपए था और दिल्ली कैपिटल्स ने पहली बोली लगाई। राजस्थान ने दिल्ली को पछाड़कर इस खिलाड़ी को खरीदा। सूर्यवंशी ने हाल ही में चेन्नई में आस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ भारत अंडर 19 टीम के लिए युवा टेस्ट मे शतक जमाया था और वह यह श्रेय हासिल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। सूर्यवंशी ने उस मैच मे 62 गेंद मे 104 रन बनाए थे। उन्होने राजस्थान के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मे शनिवार को बिहार के लिए टी20 क्रिकेट मे पदार्पण करके छह गेंद मे 13 रन बनाए। जूनियर सर्किट पर चर्चा मे रहे सूर्यवंशी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट मे कोई बड़ी पारी नही खेली है। उन्होंने पांच मैचो मे 10 की औसत से रन बनाए है।

चैंपियन्स ट्रॉफी कार्यक्रम को अंतिम रुप देने के लिए 29 को बैठक करेगा आईसीसी

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का बोर्ड अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए 29 नवंबर को वर्चुअल (ऑनलाइन) बैठक करेगा। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित करने में काफी विलंब हो चुका है। देरी का कारण भारत द्वारा दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना है। भारत ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चाहता है कि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जाए जिसमें भारत के मुकाबले किसी तीसरे देश में आयोजित किए जाएं। भारत की पसंद यूएई है। इस पर अब तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सहमति नहीं जताई है। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को पीटीआई को बताया, आईसीसी बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए 29 नवंबर को बैठक करेगा। यह महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक बीसीसीआई सचिव जय शाह के एक दिसंबर को आईसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने से दो दिन पहले हो रही है। वह और बोर्ड के अन्य सदस्य नए पदाधिकारियों के कार्यभार संभालने से पहले मामले को सुलझाने के इच्छुक होंगे। कार्यक्रम और स्थल को लेकर गतिरोध नहीं टूटने के कारण आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले और सीईओ ज्योफ अलार्डिस सहित मौजूदा पदाधिकारियों पर सवाल उठ रहे हैं कि उन्होंने आखिर क्यों इस मुद्दे का पहले हल नहीं निकाला और इसे अंतिम समय के लिए छोड़ दिया। भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए यथास्थिति बरकरार रखी है जिससे चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत कराना ही सबसे व्यावहारिक विकल्प नजर आ रहा है। ऐसी स्थिति में भारत के मुकाबले पाकिस्तान के बाहर होंगे। सूत्रों ने कहा है कि पीसीबी अगर हाइब्रिड मॉडल पर राजी होता है तो उसे सात करोड़ डॉलर की मेजबानी फीस के अलावा वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश की जाएगी।

अयूब के पहले वनडे शतक से पाकिस्तान ने जिंबाब्वे के 10 विकेट से रौंदा

बुलावायो (जिंबाब्वे)। साईम अयूब ने 53 गेंद में करियर का पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा जिससे पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में जिंबाब्वे को 10 विकेट से रौद दिया।जिंबाब्वे के 146 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने बाएं हाथ के बल्लेबाज अयूब की 62 गेंद में 17 चौकों और तीन छक्कों से नाबाद 113 रन की पारी की बदौलत सिर्फ 18.2 ओवर में बिना विकेट खोए 148 रन बनाकर जीत दर्ज की। यह पाकिस्तान की ओर से एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों मे तीसरा सबसे तेज शतक है।अब्दुल्लाह शफीक 48 गेंद में चार चौकों की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहे।

बोपन्ना, नागल पीएसपीबी इंटर-यूनिट टेनिस प्रतियोगिता में लेंगे भाग

पुणे। रोहन बोपन्ना और सुमित नागल 27-30 नवंबर तक यहां डेक्कन जिमखाना टेनिस कोर्ट में होने वाले 43वें पीएसपीबी इंटर-यूनिट लॉन टेनिस टूर्नामेंट मे स्टार आकर्षण होगे।टूर्नामेंट मे प्रार्थना थोम्बरे, अंकिता रैना, युकी भांबरी और विष्णु वर्धन जैसे शीर्ष भारतीय खिलाड़ी भी हिस्सा लेगे। टूर्नामेंट मे पुरुष, महिला और वेटरन्स वर्ग मे व्यक्तिगत एवं टीम प्रतियोगिताएं होंगी। इसके मुकाबले आईटीएफ नियमों के अनुसार खेले जाएंगे।

चुनावों से पहले पांच राज्य गोल्फ संघ निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के पांच राज्य संघों को आगामी चुनावों से पहले निर्वाचन अधिकारी ओपी गर्ग ने निलंबित कर दिया है। इन संघो पर लगभग अस्तित्वहीन होने और संचालन संस्था के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने का आरोप है। हिमाचल प्रदेश प्रोऐम गोल्फ संघ, अरुणाचल प्रदेश गोल्फ संघ, मध्य प्रदेश गोल्फ संघ, नागालैंड गोल्फ संघ और सिक्किम राज्य गोल्फ संघ वे पांच संघ है जिन्हे 15 दिसंबर को होने वाले चुनाव से प्रतिबंधित किया गया है।

महान हॉकी खिलाड़ी अशोक कुमार की हालत स्थिर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक कुमार की शहर के एक अस्पताल मे एंजियोप्लास्टी हुई और अब उनकी हालत स्थिर है। उनके पारवारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उनकी एंजियोप्लास्टी सोमवार को हुई। अशोक कुमार को रविवार को छाती मे दर्द की शिकायत पर अस्पताल मे भर्ती कराया गया था जहां उन्हें दिल का दौरा पड़ा। सूत्र ने कहा , उनकी सफल एंजियोप्लास्टी एस्कॉर्ट्स अस्पताल मे हुई। डॉक्टरो ने कुछ स्टेंट डाले है चूंकि उनकी धमनी मे ब्लॉकेज पाई गई थी। उन्होने कहा , वह खतरे से बाहर है और उनकी हालत स्थिर है।

वेस्टइंडीज जीत के करीब, चौथे दिन गिरे 17 विकेट

नॉर्थ साउंड। बांग्लादेश की टीम पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन वेस्टइंडीज से 224 रन पीछे है और दूसरी पारी के उसके तीन ही विकेट बाकी है। जीत के लिए 333 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने चौथे दिन के आखिर में सात विकेट 109 रन पर गंवा दिए थे। चौथे दिन 17 विकेट गिरे जिनमे से 14 तेज गेंदबाजो ने लिए। खराब रोशनी के कारण लगातार तीसरे दिन खेल रोके जाने के समय जाकिर अली 15 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होने मेहदी हसन मिराज (45) के साथ 43 रन की साझेदारी की। खेल समाप्त होने से चार ओवर पहले मेहदी आउट हो गए।

संघर्षों ने हर हालात का सामना करने का आत्मविश्वास दिया : यशस्वी

भाषा। पर्थ

क्रिकेट खेलने का सपना पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश से 11 बरस की उम्र में ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंचे यशस्वी जायसवाल मैदानकर्मियों के साथ टेंट में रहे और रात को पानी पुरी बेचकर अपना गुजारा चलाया लेकिन अतीत के इन संघर्षों ने उन्हें मैदान के भीतर और बाहर हर लड़ाई के लिए तैयार कर दिया। कारपेट बनाने के लिए मशहूर भदोही से आस्ट्रेलिया के पर्थ तक जायसवाल का सफर उनकी लगन, प्रतिबद्धता और जिजीविषा की कहानी कहता है। इन संघर्षों से मिले अनुभव का इस्तेमाल वह मैदान के भीतर और बाहर की हर लड़ाई जीतने के लिए कर रहे हैं। आस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में शानदार शतक जमाने वाले जायसवाल को विराट कोहली के बाद भारतीय बल्लेबाजी का अगला सितारा माना जा रहा है। जायसवाल ने आस्ट्रेलियाई टीवी प्रसारक मार्क हॉवर्ड से कहा , यह ऐसी चीज है

(अपनी कहानी) जो मुझे आत्मविश्वास देती है कि मैं किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकता है। मैं हमेशा संघर्ष का सामना करने को तैयार रहता हूं। मुझे चुनौतियों का सामना करने में मजा आता है और मैं हर लड़ाई जीतना चाहता हूं। बाईस वर्ष के इस बल्लेबाज ने कहा , इससे मैं यही सीखता हूं और मुझे लगता है कि मैं खुशकिस्मत हूं कि ऐसी जिंदगी मिली जिससे मुझे खुद के बारे में सीखने का मौका और आत्मविश्वास मिला। जीवन में अलग अलग तरह की चुनौतियों का सामना करने का हौसला मिला। उन्होंने कहा , यह अद्भुत है और मैं जो कुछ भी कर रहा हूं , उसके लिए ईश्वर को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वही कर रहा हूं जिससे मुझे प्यार है। मैं हर गेंद का मजा लेना चाहता हूं। पर्थ में पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाने के बाद दूसरी पारी में शतक पूरा होने के बाद अलग अंदाज में जश्न के बारे में पूछने पर जायसवाल ने कहा , मैंने अलग अंदाज में शतक पूरा किया। मैं दिमाग में कुछ और सोच रहा था और अचानक कुछ और हो गया , जिसके बाद मैं सोच रहा था कि अब क्या क-रूं। मैंने फिर सोचा , चलो ठीक है। मैं इस पल का मजा लेता हूं। मैं भाग्यशाली हूं और यह अनुभव मेरे साथ हमेशा रहेगा। मैंने अपने सभी प्रियजनों और प्रशंसकों को चुंबन दिया। मैं इसके जरिए अपना प्यार उन तक पहुंचाना चाहता था। उन्होंने कहा , मैंने वाट्सअप पर अपने परिवार को कॉल किया और उनके साथ भी जश्न का हिस्सा बना।

तेंदुलकर और कोहली की विरासत को आगे बढा सकता है जायसवाल : ग्रेग चैपल

पर्थ। भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि यशस्वी जायसवाल मे सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली की बल्लेबाजी में उत्कृष्टता की परंपरा को आगे ले जाने का माद्दा है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के लिए अपने कॉलम में चैपल ने कहा कि वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां पहले टेस्ट मे 161 रन की पारी खेलने वाले जायसवाल से काफी प्रभावित है। भारत ने पहला टेस्ट 295 रन से जीता। चैपल ने लिखा , यह युवा सलामी बल्लेबाज निर्भीक है और सचिन तेंदुलकर तथा विराट कोहली की तरह उत्कृष्ट बल्लेबाजी की विरासत को आगे ले जा सकता है। वर्ष 2005 से 2007 के बीच भारत के कोच रहे चैपल ने पारंपरिक प्रारूप मे युवाओं को तैयार करने मे भारतीय और आस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड की रणनीति मे भारी अंतर को भी रेखांकित किया। उन्होंने लिखा , जायसवाल का सफर दिखाता है कि भारत की रणनीति और बुनियादी ढांचे ने कैसे विश्व क्रिकेट मे उसका दबदबा बनाया है। भारत के लिए खेलने का सपना पूरा करने के लिए उसे सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धाओं की तलाश मे दस वर्ष की उम्र मे यह युवा बल्लेबाज मुंबई आया था। चैपल ने लिखा , भारतीय अंतिम एकादश मे जगह बनाना कितना मुश्किल है , यह देखते हुए उसकी प्रतिबद्धता गजब की है।

एडीलेड टेस्ट के लिए टीम में बदलाव नहीं करेगा आस्ट्रेलिया : मैक्डोनाल्ड

पर्थ। आस्ट्रेलिया के कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने कहा है कि पहले टेस्ट मे भारत के हाथो 295 रन से हारने वाली टीम मे कोई बदलाव नही किया जाएगा हालांकि हरमनमौला मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंताएं है। मैक्डोनाल्ड ने बताया कि उनकी टीम छह दिसंबर से शुरू हो रहे दिन रात के टेस्ट के लिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से पहले ही एडीलेड पहुंचेगी ताकि अतिरिक्त अभ्यास कर सके। उन्होंने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा , पर्थ टेस्ट के लिए जो लोग चेंज रूम मे थे, वही एडीलेड मे भी होंगे। बदलाव करने पर हमेशा विचार होता है लेकिन हालात के अनुसार टीम चुनी जाती है।

क्विक न्यूज

उम्मीद है कि कभी फिर साथ होंगे, दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक जिंदल ने पंत से कहा

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक पार्थ जिंदल ने मंगलवार को ऋषभ पंत के टीम से अलग होने पर दुख जताने के साथ उम्मीद भी व्यक्त की कि भविष्य में वे फिर कभी साथ आएंगे। दिल्ली ने आईपीएल की मेगा नीलामी से पहले कप्तान पंत को रिलीज (अपने साथ बरकरार नही रखना) कर दिया था। पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रूपए में लखनऊसुपर जाइंट्स ने खरीदा। दिल्ली ने राइट टू मैच का प्रयोग करके पंत को वापिस लेने की कोशिश भी की लेकिन लखनऊ की आखिरी बोली का मुकाबला नही कर सके। जिंदल ने एक्स पर भावुक पोस्ट में लिखा , ऋषभ तुम मेरे छोटे भाई हो और हमेशा रहोगे। मैं तहेदिल से तुम्हें प्यार करता हूं। मैने हमेशा कोशिश की कि यह सुनिश्चित करूं कि तुम खुश हो और तुम्हारे साथ अपने परिवार की तरह रहा।

वेंकटेश को टीम में रखना हमारी प्राथमिकता में शामिल था इसलिए पूरा जोर लगा दियाः ब्रावो

जेद्दा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर (मार्गदर्शक) और वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखने के इरादे से वेंकटेश अय्यर को अपने साथ जोड़ने के लिए पूरी ताकत लगाने की टीम की रणनीति का बचाव किया है। केकेआर के लिए कप्तानी के संभावित दावेदार के रूप में देखे जाने वाले वेंकटेश को टीम के साथ जोड़ने ने आलोचनाओं को जन्म दिया है कि अगर उन्हें नेतृत्व दिया जाना टीम प्रबंधन की योजना का हिस्सा था तो उन्हे रिटेन (टीम के साथ बरकरार रखना) क्यों नही किया गया।चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ चार आईपीएल खिताब जीतने वाले ब्रावो ने कहा, वैंकी (वेंकटेश अय्यर) को जोड़ना हमारे लिए मुख्य प्राथमिकताओं मे से एक था, जैसा कि आप देख सकते है हमने उसके लिए पूरा जोर लगा दिया।

आईपीएल मेगा नीलामी में मुंबई इंडियन्स का ध्यान गेंदबाजी संयोजन सही बनाने पर थाः अंबानी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी में अपने गेंदबाजी संयोजन को ठीक करने की रणनीति से उतरी मुंबई इंडियन्स (एमआई) के मालिक आकाश अंबानी ने कहा कि पांच बार की चैम्पियन टीम बाएं हाथ के दो विदेशी तेज गेंदबाजों और दो विदेशी स्पिनरों को अपने साथ जोड़कर उत्साहित है। मुंबई इंडियन्स न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को वापस अपने पाले में लाने में सफल रही। इसके साथ ही उसने इंग्लैंड के बाएं हाथ के गेंदबाज रीस टॉपले, भारत के दीपक चाहर और अफगानिस्तान के युवा गेंदबाज अल्लाह गजांफर के साथ-साथ न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला मिचेल सेंटनर को टीम में शामिल किया। अंबानी ने जियो सिनेमा से कहा, बल्लेबाजी क्रम मे शीर्ष सात स्थान मे से हमारे चार स्थान पहले से ही तय थे हमें इस मामले में कुछ ही खिलाड़ियों (बल्लेबाजों) की जरूरत थी।

विश्व मुक्केबाजी ने नए एशियाई परिसंघ का समर्थन किया

बैंकॉक। विश्व मुक्केबाजी (वर्ल्ड बॉक्सिंग) ने एक नए स्थापित पृथक एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ के गठन का समर्थन किया है जिसका उद्देश्य पूरे महाद्वीप मे मुक्केबाजी का प्रतिनिधित्व और प्रचार करना है।यह घोषणा मौजूदा एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ (एएसबीसी) के अधिकांश सदस्य संघों (36 में से 25) द्वारा शनिवार को बैंकॉक मे एक बैठक के दौरान निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) को छोड़कर विश्व मुक्केबाजी मे शामिल होने के खिलाफ मतदान करने के बाद की गई है।इस मतदान के बाद एएसबीसी के अध्यक्ष पिचाई चुन्हावाजिरा और महासचिव अली सलामेह ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।थाईलैंड के चुन्हावाजिरा ने जल्द ही विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान मे एक नई एशियाई मुक्केबाजी संचालन संस्था बनाने की योजना का खुलासा किया।विश्व मुक्केबाजी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा, हम इस खबर का स्वागत करते है कि एशिया मे राष्ट्रीय महासंघों का एक समूह विश्व मुक्केबाजी से जुड़ा एक नया परिसंघ स्थापित करेगा। हम इस मुद्दे पर मजबूत नेतृत्व और ओलंपिक मुक्केबाजी के प्रति प्रतिबद्धता के लिए थाईलैंड मुक्केबाजी संघ के पिचाई चुन्हावाजिरा को धन्यवाद देते है।

आईपीएल नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद कमियों को दूर करना होगा पृथ्वी साव को

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाजी पृथ्वी साव दो दिन पहले एक यूट्यूब व्लॉग पर दिखाई दिए जहां उन्होने सचिन तेंदुलकर से मिली सबसे अच्छी एक पंक्ति की सलाह के बारे मे बात की। पच्चीस वर्षीय पृथ्वी ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर करण सोनावणे को उनके यूट्यूब चैनल फोकस्ड इंडियन पर बताया कि इस महान बल्लेबाज ने उन्हे सलाह दी थी कि अनुशासन प्रतिभा को मात देता है।पृथ्वी के लिए सोमवार का दिन मुश्किल रहा होगा क्योंकि जेद्दा मे आईपीएल की बड़ी नीलामी मे उन्हे कोई खरीदार नही मिला। भारत की 2018 अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पृथ्वी को भारतीय क्रिकेट के अगले स्टार के रूप मे देखा जा रहा था और छह सत्र पहले टेस्ट पदार्पण पर शतक लगाने के बाद उनसे उम्मीदें बढ़ गई थी। शायद अब वह समय आ गया है जब उन्हें तेंदुलकर की सलाह को महज शब्दों तक सीमित नही रहने देना चाहिए और उस पर अमल करना चाहिए। नीलामी मे दो बार उनका नाम आया और 75 लाख रुपए के आधार मूल्य के बावजूद उनके लिए एक भी बोली नही लगी। एक टेबल पर सौरव गांगुली थे, दूसरी पर राहुल द्रविड़। आशीष नेहरा, पार्थिव पटेल, जस्टिन लैंगर, रिकी पोंटिग, स्टीफन फ्लेमिंग और डेनियल विटोरी भी बोली लगाने के लिए सलाल दे रहे थे लेकिन पृथ्वी मे किसी की भी दिलचस्पी नही थी। छह साल लंबा समय है और आईपीएल मे नही बिकने के बाद पृथ्वी अब दोहरे पर खड़े है।

लोरेंजो ने जेसीबी पुरस्कार जीता

लखनऊ। स्पीकिंग टाइगर बुक्स द्वारा प्रकाशित उपमन्यु चटर्जी द्वारा लिखित लोरेंजो सर्चेस फॉर द मीनिंग ऑफ लाइफ को साहित्य के लिए 2024 जेसीबी पुरस्कार के विजेता के रूप में घोषित किया गया है, और 25 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह कार्यक्रम जेसीबी इंडिया मुख्यालय, बल्लभगढ़ में आयोजित किया गया था। प्रतिष्ठित ट्रॉफी, जो दिल्ली के कलाकार जोड़ी, ठुकराल और टैगरा द्वारा बनाई गई एक मूर्ति है, जिसका शीर्षक शिमरर मेल्टिंगश् है, उपमन्यु चटर्जी को प्रदान की गई। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जेसीबी के चेयरमैन लॉर्ड बैमफोर्ड की ओर से जेसीबी इंडिया के सीईओ और एमडी दीपक शेट्टी द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री शेट्टी ने कहा, साहित्य के लिए जेसीबी पुरस्कार की परिकल्पना लॉर्ड बैमफोर्ड द्वारा भारतीय साहित्य की भारतीयता का जश्न मनाने के लिए की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में इस पुरस्कार ने कुछ सबसे विविध कार्यों को आकर्षित किया है और यह वर्ष भी कुछ अलग नहीं है। उन्होंने इस मौके पर पूरे जेसीबी परिवार की ओर से उपमन्यु चटर्जी की लोरेंजो सर्चेस फॉर द मीनिंग ऑफ लाइफ को बधाई दी।श्री शेट्टी ने कहा की क्षेत्रीय भाषाओं में समकालीन भारतीय साहित्य में पाठकों को देने के लिए बहुत कुछ है। प्रकाशक उच्च-गुणवत्ता वाले अनुवादों का समर्थन करने और उन्हें ब?ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ताकि ये कार्य पुराने और युवा दोनों पाठकों के लिए उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप प्लेटफार्मों के माध्यम से पहुंच योग्य हों।

गुकेश ने दूसरी बाजी में लिरेन से ड्रा खेला

भाषा। सिंगापुर

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने मंगलवार को यहां विश्व शतरंज चैम्पियनशिप की दूसरी बाजी में गत चैंपियन डिंग लिरेन से ड्रा खेला। चौदह बाजियों के इस मैच के शुरूआती मुकाबले को सोमवार को गंवाने वाले गुकेश ने काले मोहरों से खेलते हुए चीन के अनुभवी खिलाड़ी को ड्रा पर रोककर अच्छी वापसी की। पहला मुकाबला जीतने वाले लिरेन के पास अब 1.5–0.5 की बढ़त है। चेन्नई के खिलाड़ी ने मुकाबला ड्रॉ होने के बाद कहा, विश्व चैम्पियनशिप मैच में काले मोहरों के साथ ड्रा हमेशा अच्छा होता है। यह मैच अभी शुरुआती चरण में है और हमारे पास अभी काफी समय

है। अठारह वर्षीय गुकेश विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के दावेदार हैं और वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद ने अपने शानदार करियर में पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है। गुकेश ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप में खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी पर दबाव होना लाजमी है। यहां बहुत दबाव है। मैं हालांकि इसे एक चुनौती के तौर पर देख रहा हूं कि मैं इतने सारे लोगों और अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकता हूं। उन्होंने कहा, मैं एक समय में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं। उम्मीद है कि चीजों को अपने पक्ष में कर पाउंगा। इस चैम्पियनशिप में 7.5 अंक तक पहुंचने वाला खिलाड़ी विजेता बनेगा। इसकी पुरस्कार राशि 2.5 मिलियन डॉलर है। चीन के 32 साल के लिरेन ने कहा कि वह दूसरे मुकाबले को ड्रॉ करके संतुष्ट है। उन्होंने कहा, शुरुआती मुकाबले में मैंने कुछ नया आजमाया था और जाहिर है ऐसा करने के लिए आपको काफी याददाश्त की जरूरत होती है। मैंने आज भी लीक से हटकर कुछ प्रयास किया।

जूनियर पुरुष एशिया कप हॉकी : आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम का सामना थाईलैंड से

मस्कट (ओमान)। कोच पी आर श्रीजेश की आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम जूनियर एशिया कप पुरूष हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में बुधवार को थाईलैंड से खेलेगी तो उसका पलड़ा भारी होगा। भारत को पूल ए में कोरिया, जापान, चीनी ताइपै और थाईलैंड के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट में इस बार दस टीमें भाग ले रही हैं। बाकी पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन पूल बी में हैं। भारत ने रिकॉर्ड चार बार 2004, 2008, 2015 और 2023 में खिताब जीता था। पिछले साल फाइनल में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2 . । से हराया। कप्तान आमिर ने कहा , हमारी टीम काफी मेहनत कर रही है और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।

सुमित-सिकी, ध्रुव व तनीषा मिश्रित युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में

- सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप-2024
- आज से होगी मुख्य ड्रा के अन्य मुकाबलों की शुरुआत

लखनऊ। भारत के बी.सुमित रेड्डी व सिकी रेड्डी की शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में मिश्रित युगल में शानदार जीत से अपना अभियान शुरू करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में मंगलवार को पहले दिन मुख्य ड्रा में मिश्रित युगल के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। चैंपियनशिप में बुधवार को मुख्य ड्रा के अन्य वर्गो के मुकाबलों की शुरुआत होगी। आज खेले गए मिश्रित युगल के मुकाबलों में भारत के पांचवी वरीय ध्रुव कपिला व तनीषा क्रैस्टोए सातवीं वरीय रोहन कपूर व रूत्विका शिवानी गड्डे ने भी अंतिम 16 में जगह बना ली। पहले दौर में भारत की आठवीं वरीय असिथ सूर्या व अमृता पीण्की जोड़ी को उलटफेर का सामना करना पड़ा। आज खेले गए मुकाबले में बीण्सुमित रेड्डी व सिकी रेड्डी की शीर्ष वरीय जोड़ी ने भारत के ही एसण्संजीथ व गौरी कृष्णा टीआर की जोड़ी को सीधे गेम में 21–10, 21–18 से हराया। इस जोड़ी ने उम्दा कोर्ट कवरेज के सहारे जीत अपने नाम की। भारत के पांचवी वरीय ध्रुव कपिला व तनीषा क्रैस्टो ने चीन के झांग हान यू व बाओ ली जिंग को 12–21, 21–15, 21–17 से हराया। चीनी जोड़ी ने पहले गेम में जीत दर्ज की। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने कोर्ट पर शानदार जुगलबंदी का प्रदर्शन किया और दूसरे व तीसरे गेम में जीत अपने नाम कर ली। मिश्रित युगल के पहले दौर के अन्य मुकाबलों में भारत के सातवीं वरीय रोहन कपूर व रूत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के नितिन एचवी व अनघा अरविंदा पी को 21–14, 21–12 से हराया। इंग्लैंड के रोरी ईस्टन व लिज्जी टालमैन ने मलेशिया के लियू झून व जू पेई की को 21–11, 18–21, 21–14 से हराया। चीन के झोऊ जी हांग व यांग जिया यी ने भारत के सात्विक रेड्डी कनापुरम व वैष्णवी खडेकर को 21–9, 21–12 से हराया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने नाम वापस लिया

लखनऊ। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने मंगलवार को सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। विश्व की पूर्व नंबर एक जोड़ी को यहां खिताब जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन सात्विक की चोट की स्थिति ठीक नही होने के कारण उन्हें नाम वापस लेना पड़ा। सात्विक कंधे की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक के बाद लंबे समय तक प्रतिस्पर्धा से दूर रहे।उन्होने पिछले सप्ताह चीन मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट मे वापसी की और सेमीफाइनल में पहुंचे।चीन मास्टर्स के पहले से इस भारतीय जोड़ी को प्रशिक्षण दे रहे बी सुमित रेड्डी ने कहा कि सात्विक को पूरी तरह से उबरने मे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होने कहा, सात्विक ने हाल ही मे चोट से वापसी की है। वे लंबे समय के बाद एक साथ खेल रहे है। शेनजेन मे सेमीफाइनल तक के अभियान में उन्हें आराम करने का मौका नही मिला। कई बार चोट से पूरी तरह से उबरना मुश्किल होता है। उन्होने अपने शरीर और आगामी सत्र को ध्यान मे रखते हुए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया।

यूपी की मानसी सिंह महिला एकल के मुख्य ड्रा में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की प्रतिभाशाली शटलर मानसी सिंह ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में दमदार प्रदर्शन के साथ महिला एकल के मुख्य ड्रा मे जगह बना ली। मानसी सिंह ने क्वालीफायर में भारत की ही प्रशंसा बोनम को तीन गेम तक चले मैच में 21.11ए 22.24ए 21.12 से हराया। मानसी सिंह का अब महिला एकल के मुख्य ड्रा के पहले दौर में थाईलैंड की चौथी वरीय पोर्नपिचा चोइइकेवोंग से मुकाबला होगा। मानसी सिंह ने इस जीत के बाद खुशी जताते हुए कहा कि अपने घरेलू कोर्ट मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करुंगी।टूर्नामेंट में क्वालीफायर मुकाबलों के खत्म होने के बाद महिला एकल में मानसी सिंह के साथ चीन की हान कियान शीए भारत की तन्वी शर्मा व भारत की ही नव्या कंडेरी भी मुख्य ड्रा के पहले दौर में पहुंच गई। पुरुष एकल में भारत के सिद्धार्थ प्रताप सिंहए सनीथ दयानंदए आरएस संजीवी कुमार और मलेशिया के शोलेह ऐदिल भी मुख्य ड्रा में पहुंच गए।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।